

विधायक सरयू राय ने सीएम हेमंत सोरेन से शिकायत, कहा

रांची और पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी के ट्रांसफर में सिविल सर्विसेज बोर्ड के प्रावधानों की हुई अवहेलना

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। विधायक सरयू राय ने भारतीय प्रशासनिक और पुलिस सेवा के अधिकारियों के समय पूर्व ट्रांसफर, पोस्टिंग को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन को शनिवार को पत्र भी लिखा। मुख्य सचिव से भी सवाल करते यह जानना चाहते हैं कि अपने पद पर न्यूनतम निर्धारित अवधि पूरी करने के काफी पहले पूर्वी सिंहभूम के डीसी, एसएसपी जैसे अधिकारियों के स्थानांतरण करने के बारे में सिविल सर्विसेज बोर्ड की मीटिंग में क्या कारण अंकित किया गया है। मॉसून सत्र 2023 के दौरान विधानसभा में उन्हें जानकारी दी गयी थी कि वर्ष 2020 में 65,

2021 में 69 और 2022 में 80 प्रशासनिक पदाधिकारियों का स्थानांतरण राज्य सरकार ने उनके कार्यकाल की निर्धारित न्यूनतम अवधि पूरा होने के पहले किया है। ये स्थानांतरण सिविल सर्विसेज बोर्ड में समीक्षा के बाद किये गये। इसके कुछ दिन पहले कार्यकाल की निर्धारित अवधि पूरा होने के काफी पहले पूर्वी सिंहभूम के डीसी का ट्रांसफर भी सरकार ने कर दिया था। अब 8 सितंबर को इसी जिले के एसएसपी और रांची के एसएसपी का स्थानांतरण करने के कार्यकाल की न्यूनतम निर्धारित अवधि पूरा होने के पहले कर दिया गया। सरकार का यह निर्णय सिविल सर्विसेज बोर्ड के प्रावधानों का उल्लंघन है।

ट्रांसफर पोस्टिंग में पॉलिटिकल इश्यू : सरयू राय के मुताबिक हालिया ट्रांसफर, पोस्टिंग में सिविल सर्विसेज बोर्ड के प्रावधानों को दरकिनार किया गया है। जिस भावना से ये अधिसूचनाएं निर्गत की गई हैं, उस भावना के भी विपरीत है। दो जिलों के एसएसपी के स्थानांतरण में राजनीतिक हस्तक्षेप की बू आती है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अनुचित एवं मनमाना राजनीतिक हस्तक्षेप से संरक्षण देना और उन्हें विधि सम्पत् दायित्व का निर्वहन करने का अवसर देना ही केन्द्र द्वारा प्रासंगिक अधिनियम को पारित करने एवं जारी अधिसूचनाओं को निर्गत करने का उद्देश्य है।

किस ब्यूरोक्रेट्स के पास कितनी है संपत्ति, नहीं मिला है कोई ब्योरा

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। झारखंड के किस ब्यूरोक्रेट्स के पास कितनी संपत्ति है, इसका ब्योरा कार्मिक विभाग के द्वारा मांगा जाता है। झारखंड में कई आइएएस, आइपीएस तथा आइएफएस हैं, जिन्होंने अपनी संपत्ति का ब्योरा कार्मिक विभाग को नहीं सौंपा है। जबकि उन्हें संपत्ति का ब्योरा नौ माह पूर्व ही दे देना था। संपत्ति का ब्योरा सौंपने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2023 थी। कार्मिक विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, आइएएस जाधव विजया नारायण राय ने अब तक अपनी संपत्ति का विवरण नहीं दिया है। वहीं आइपीएस की बात करें तो 10 अफसरों ने संपत्ति का विवरण नहीं

सौंपा है। इनमें 2007 बैच के राकेश बंसल, 2008 बैच के दीपक कुमार सिन्हा, 2010 बैच के कुसुम पुनिया, 2011 बैच के मनीलाल मंडल, 2014 बैच के प्रभात कुमार, 2016 बैच के आनंद प्रकाश, 2020 बैच के पिन्केश कुमार, 2021 बैच के ललित मीणा और 2021 बैच के एस मोहम्मद याकूब के नाम शामिल हैं। दूसरी ओर भारतीय वन सेवा के 13 अफसरों ने संपत्ति का ब्योरा नहीं सौंपा है। इनमें आदर्श शरण, सर्वेश सिंहल, आशीष रावत, मनोज सिंह, अजीत कुमार सिंह, विनय कुमार पाल, बोधू प्रेरणा, प्रेरणा दीक्षित, नरेंद्र कुमार, शैलेंद्र सिंह, प्रशान्त, पुष्कर काले और संदीप सिंह का नाम शामिल है।

जी-20 समिट : सोशल मीडिया के जरिये माहौल बिगाड़ने की साजिश

झारखंड पुलिस अलर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा को लेकर एजेंसियां सतर्क हैं। खबरों के अनुसार सौ से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट द्वारा अफवाहें फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। बताया गया है कि इनमें से ज्यादातर अकाउंट पाकिस्तानी खुफिया इकाई आईएसआई और खलिस्तानी प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े हैं।

राज्यपाल से मिले गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो



रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शनिवार को झारखण्ड विधानसभा के सदस्य लाम्बोदर महतो ने राज भवन में भेंट की।

डॉ मनोज कुमार बने राजद के मुख्य प्रवक्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय जनता दल झारखंड के महासचिव डॉ मनोज कुमार को पार्टी का मुख्य प्रवक्ता बनाया गया है। बरियातू निवासी डॉ मनोज को राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय



कुमार सिंह यादव ने पूरी निष्ठा ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि डॉ मनोज राजद में शुरूआती दौर से जुड़े हुए हैं। वे पार्टी के विभिन्न पदों पर रहते हुए अपने कर्तव्यों निर्वहन करते रहे हैं।

एरियर भुगतान में गड़बड़ी को लेकर सीसीएल प्रबंधन ने जारी किए निर्देश

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। सीसीएल प्रबंधन ने एरियर भुगतान में हुई गड़बड़ी को लेकर नया आदेश जारी किया है। इस बाबत कंपनी मुख्यालय के प्रभारी महाप्रबंधक (वित्त) ने 6 सितंबर को निर्देश जारी किया है। महाप्रबंधक (वित्त)-कॉर्पोरेट, जीएम (पी) एनईई/ जीएम (सिस्टम), जीएम (सभी क्षेत्र) भेजा गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि सीसीएल के कामगारों को एनसीडब्ल्यू एक्सआइ के एरियर का भुगतान अगस्त, 2023 के वेतन के साथ 2

सितंबर, 2023 को किया गया। आदेश में कहा गया है कि यह ज्ञात हुआ है कि व्यक्तिगत कर्मचारियों को अलग-अलग बकाया भुगतान व गणना विवरण प्रदान नहीं किया गया है। टैक्स स्लैब के अनुसार टीओएस के प्रावधानों का पालन किए बिना टैक्स में भी कटौती की गई है। इसके कारण कामगारों में असंतोष है। जीएम ने इसे समयबद्ध तरीके से हल करने के लिए मामले पर गौर करने की सलाह दी है। साथ ही, बकाया भुगतान का आदेश पहले से जारी निर्देशों के अनुसार 15 दिन के भीतर कराने की बात कही है।

सुरक्षा एजेंसियों ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संपर्क किया : सुरक्षा एजेंसियों ने चिह्नित किये गये कुछ सदिग्ध अकाउंट के बारे में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संपर्क किया है।

आइटी एक्ट के विभिन्न मामलों की समीक्षा करेंगे सीआइडी डीजी

रांची। सीआइडी डीजी अनुराग गुप्ता 21 सितंबर को समीक्षा बैठक करेंगे। समीक्षा बैठक में साल 2019 से अगस्त 2023 तक राज्य के विभिन्न जिलों में आईटी एक्ट के तहत दर्ज हुए केसों की समीक्षा की जायेगी। बैठक में सभी रेंज के डीआईजी, सभी जिलों के एसएसपी और एसपी शामिल होंगे। सभी जिलों के एसपी को निर्देश

दिया गया है कि बैठक में अपने-अपने जिलों से संबंधित आंकड़ों के साथ बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि झारखंड में हर माह औसतन आईटी एक्ट के तहत 83 मामले दर्ज होते हैं। राज्य के साइबर थाना समेत 24 जिलों में आईटी एक्ट से संबंधित 5396 से अधिक मामले दर्ज हुए हैं।

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिकरी के प्रभार के छह जिलों गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, दुमका में संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत संगठन निर्माण की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में उक्त जिला के प्रभारी महासचिव, जिलाध्यक्ष एवं संबंधित जिला अंतर्गत विधानसभा प्रभारी मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर द्वारा सभी जिला प्रभारी महासचिव एवं जिलाध्यक्षों से पंचायत स्तर तक संगठन निर्माण की अद्यतन जानकारी प्राप्त की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने यह निर्देश दिया

भ्रष्टाचार मुक्त और विकास युक्त झारखंड के लिए भाजपा को समर्थन देने का आह्वान

महागठबंधन सरकार की नीयत साफ नहीं, बनाती है ऐसी नीति जो कोर्ट में फंस जाये : बाबूलाल मरांडी

पंचायत और नगर निकाय में पिछड़ों का अधिकार छीनने का लगाया आरोप

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। संकल्प यात्रा के क्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी शनिवार को हजारीबाग पहुंचे। हजारीबाग जिला स्कूल मैदान में संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने हेमंत सरकार पर सत्ता संपोषित भ्रष्टाचार, अपराध एवं लूट में शामिल होने का आरोप लगाया। कहा कि हेमंत सरकार की न नीति साफ है और



न नीयत। यह सरकार जनता को दिग्भ्रमित कर रही है। पिछले पौने चार वर्षों से मुख्यमंत्री झूठा प्रचार कर रहे हैं। यह सरकार स्थानीय

नीति और नियोजन नीति के नाम पर युवाओं को सिर्फ बहला रही है। सरकार ऐसी ही नीति बनाती है जो न्यायालय में जाकर फंस जाये।

पलामू, बोकारो, धनबाद, लातेहार, दुमका, कोडरमा, लोहरदगा के डीएसई से मांगा स्पष्टीकरण

राज्य के आठ जिला शिक्षा अधीक्षकों को शिक्षा सचिव ने किया शोकाँज, कार्रवाई की संभावना

खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने राज्य के आठ जिला शिक्षा अधीक्षकों (डीएसई) को शोकाँज किया है। सभी से जवाब मांगा गया है। इनपर विभागीय कार्रवाई भी की जा सकती है। शिक्षा सचिव ने पलामू, बोकारो, धनबाद, लातेहार, दुमका, कोडरमा, लोहरदगा के डीएसई से स्पष्टीकरण मांगा है। डीएसई से टीचर ट्रांसफर पोर्टल के डाटा में संशोधन को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। पत्र में कहा है कि शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए टीचर ट्रांसफर पोर्टल में ऑनलाईन



आवेदन आमंत्रित करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। टीचर ट्रांसफर पोर्टल में शिक्षकों के सेवा इतिहास से संबंधित सभी सूचना की मांग पूर्व में आपसे की गई थी। जिसे सत्यापित करते हुए आपके द्वारा विभाग को उपलब्ध कराया गया है। उक्त सूचना के आधार पर ही

शिक्षकों के स्थानांतरण की कार्रवाई की जानी है। सचिव ने डीएसई से कहा है कि आपके द्वारा टीचर ट्रांसफर पोर्टल के मास्टर डाटा और शिक्षकों की सेवा से संबंधित सूचना में संशोधन करने का अनुरोध किया गया है। आप अवगत हैं कि ऑनलाईन प्रक्रिया के मध्य में मास्टर डाटा में संशोधन किया जाना एक जटिल कार्य है। सचिव ने लिखा है कि पूर्व में भी उपलब्ध कराये गए डाटा को सत्यापित करने के लिए आपको कई बार निर्देशित किया जा चुका है। आपके द्वारा सत्यापन प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराया गया है।

उपरोक्त के बावजूद विभाग को न्युट्रिपूर्ण डाटा/ सूचना उपलब्ध कराना आपको कर्तव्य के प्रति लापरवाही और विभागीय निदेशों की अवहेलना की प्रकृति एवं स्वेच्छाचारिता को दर्शाता है। सचिव ने दो दिनों के अन्दर स्पष्टीकरण मांगा है।

उन्होंने पूछा है कि विभाग को न्युट्रिपूर्ण डाटा/सूचना उपलब्ध कराने के कारण क्यों नहीं आपके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाए। निर्धारित अवधि में स्पष्टीकरण प्राप्त नहीं होने की स्थिति में विभाग कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र होगा।

राज्य के प्रशिक्षु आइएएस अधिकारियों को दिया गया चुनाव प्रबंधन प्रशिक्षण



खबर मन्त्र व्यूटे

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के रवि कुमार की पहल और निर्देश पर भारतीय प्रशासनिक सेवा 2022 बैच के 6 प्रशिक्षु पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए निर्वाचन मामलों से संबंधित एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय स्थित सभागार में आयोजित प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रशिक्षु पदाधिकारियों को चुनाव से संबंधित विभिन्न विषयों पर सैद्धांतिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में के रवि कुमार ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को निर्वाचन कार्य की महत्ता के बारे में बताया। साथ ही निर्वाचन कार्यों के कुशल

पीपीटी के माध्यम से दी गयी जानकारी : इस चुनाव प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षु पदाधिकारियों को निर्वाचन संबंधी जिन क्रियाकलापों के बारे में पीपीटी के माध्यम से अगत करारा गया। उनमें विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024, इलेक्ट्रॉनिक मतदाता सूची, मतदान केंद्र, स्वीप, चुनाव साक्षरता क्लब, जिला चुनाव प्रबंधन योजना, वल्लरेबिलिटी मैपिंग, ईआरओ नेट, आईटी टूल आदि शामिल हैं। इसके अलावा उन्हें वोटर टर्नआउट प्लान 2024 के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

इन्हें मिला प्रशिक्षण : प्रशिक्षण कार्यशाला में श्रुति राजलक्ष्मी, रवि कुमार, दीपेश कुमारी, प्रांजल, कृष्णाकांत कांवरिया और सुलोचना मीना सभी प्रशिक्षु आइएएस पदाधिकारियों को ट्रेनिंग दी गयी। कार्यशाला में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओएसडी गीता चौबे, अवर सचिव देवदास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी मुख्यालय संजय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी धनबाद पूर्णिमा कुमारी, कार्यपालक दंडाधिकारी हजारीबाग सुनील कुमार सिंह, एनएलएमटी एसएन जमील आदि मौजूद थे।

प्रबंधन को लेकर भारत निर्वाचन आयोग की ओर से लोक प्रशासकों से जो अपेक्षाएं हैं, उनके बारे में भी

विस्तार से बताया। उन्होंने अपने प्रशासकीय अनुभव को प्रशिक्षु अधिकारियों के बीच साझा किया।



15 अक्टूबर से
23 अक्टूबर
तक नवरात्रि

घोड़े पर सवार होकर आयेगी मां दुर्गा और भैंसा पर होगा गमन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शारदीय नवरात्र 15 अक्टूबर रविवार से शुरू हो रहा है और 24 अक्टूबर मंगलवार तक चलेगा। 24 को विजयादशमी होगी। इस बार नवरात्रि पूरे नौ दिनों की होगी। 15 अक्टूबर को प्रतिपदा पूरे दिन है, परन्तु वैधुति योग दोपहर 11:56 तक है और अभिजित मुहूर्त दोपहर 11:36

से 12:56 तक है। पंडित रामदेव पाण्डेय के अनुसार 20 अक्टूबर शुक्रवार को षष्ठी होगा। इस दिन बेलवरण पूजा होगी। इस दिन सूर्यास्त शाम 5:41 बजे है। उन्होंने बताया कि महासप्तमी 21 अक्टूबर शनिवार को है इस दिन भगवती देवी का आगमन कैलाश पर्वत से पूजा पंडालों में होगा। जो नवपत्रिका प्रवेश कहलाता है, भगवती घोड़ा पर आ रही हैं, जिसका

फल अशुभ होता है, विजयादशमी 24 अक्टूबर मंगलवार को है, भगवती का प्रस्थान भैंसा पर होगा जो शोक का कारक है, महाष्टमी का उपवास 22 अक्टूबर रविवार को होगा। इसलिए संधि पूजा शाम 5:25 पर हर पूजा पंडालों में होगा। 24 अक्टूबर को कालरात्रि होगा। इसके साथ ही नौ दिनों तक चलने वाला नवरात्र संपन्न हो जायेगा।



कलश स्थापन -15 अक्टूबर को रविवार को के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा होगी।
द्वितीया : 16 अक्टूबर सोमवार को मां के दूसरे स्वरूप मां इन्द्रवहारी की पूजा होगी।
तृतीया : 17 अक्टूबर मंगलवार को मां के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघटा की पूजा होगी।
चतुर्थी : 18 अक्टूबर बुधवार को चौथे दिन मां कुम्भांडा की पूजा अर्चना की जायेगी।
पंचमी : 19 अक्टूबर गुरुवार को पांचवें दिन मां स्कंदमता की आराधना होगी।
षष्ठी : 20 अक्टूबर शुक्रवार को मां कात्यायनी की पूजा की जायेगी।
महासप्तमी : 21 अक्टूबर शनिवार को मां कालरात्रि की पूजा होगी।
महाअष्टमी : 22 अक्टूबर रविवार को देवी महागौरी की आराधना की जायेगी।
महानवमी : 23 अक्टूबर सोमवार को मां सिद्धिदेवी की पूजा की जायेगी।
विजयादशमी : 24 अक्टूबर मंगलवार को नवरात्र का पारण।

जी-20 समिट के गाला डिनर में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन



नव निर्वाचित डुमरी विधायक बेबी देवी ने बेटे संग छिन्नमस्तिका मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी (हि.स.)

रांची/रामगढ़। डुमरी उप चुनाव में मिली जीत के बाद डुमरी विधायक बेबी देवी ने शनिवार को रजर्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर में बेटे अखिलेश महतो संग पूजा-अर्चना की। बेबी देवी का स्वागत पूर्व विधायक ममता देवी, कांग्रेस नेता बजरंग महतो व अन्य नेताओं ने किया। सभी नेताओं ने उन्हें जीत की बधाई दी। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को हुए डुमरी उप चुनाव के मतगणना में बेबी देवी ने एनडीए उम्मीदवार यशोदा देवी को 17 हजार से अधिक मतों से हराकर विधानसभा की सदस्य बनी हैं।



मणिपुर की घटना के विरोध में युवा कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मणिपुर में हो रहे दुराचार के विरोध में युवा कांग्रेस ने शनिवार को कैंडल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आफताब आलम ने कहा कि आज का यह कैंडल मार्च मणिपुर में पिछले चार महीनों से चल रहे नरसंहार, इंसानियत को तार तार करने वाली घटनाओं और महिलाओं और बच्चों

के साथ हो रही हिंसा के विरोध में है। उन्होंने कहा कि एक तरफ मणिपुर की घटना दूसरी तरफ देश के कोने-कोने में आदिवासी, दलित, पिछड़ों और अल्पसंख्यक समुदायों के साथ अत्याचार हो रहा है। इसके बावजूद केंद्र सरकार चुप बैठी है। वहीं प्रदेश महासचिव एवं महानगर प्रभारी फहद खान ने कहा कि देश के लिए मोदी सरकार घातक है। हमारे देश के प्रधानमंत्री

हर मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं और दूसरे देशों में घूमने में व्यस्त हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष जमील अख्तर ने की। मौके पर प्रदेश महासचिव शादाब खान, अमरनाथ मुंडा, शिल्पी कुमारी, अनंत झा, कौशल किशोर, दीपक साहू, अंकित, इलियास, परवेज, एनयतुल्लाह, कलीम, आयुष, मोहसिन आदि मौजूद थे।

35 पीड़ितों के बीच लगभग 65 लाख रुपये का किया गया वितरण

सिविल कोर्ट की राष्ट्रीय लोक अदालत में 91 हजार से अधिक मामलों का हुआ निष्पादन

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। व्यवहार न्यायालय, रांची में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) रांची की ओर से शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 91 हजार से अधिक वादों का निष्पादन किया गया एवं 123 करोड़ से अधिक रूपयों की समझौता राशि की वसूली विभिन्न वादों में किया गया। इसमें प्रीलिटिगेशन एवं लिटिगेशन के वादों का निष्पादन सम्मिलित है। राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के अवसर पर 6 लाख 38 हजार से अधिक लाभुकों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ दिलाया



गया। लगभग 174 करोड़ से अधिक राशि की योजनाओं का लाभ लाभुकों को दिया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर व्यवहार न्यायालय रांची में 35 पीड़ितों के

बीच लगभग 65 लाख रुपए का वितरण झारखण्ड पीडित मुआवजा डालसा सचिव, राकेश रंजन, इससे पहले उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायायुक्त अरूण

कुमार राय, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, रश्मिकेश कुमार, डालसा सचिव, राकेश रंजन, अध्यक्ष, आरडीबीए, रांची, सम्भू प्रसाद अग्रवाल, सचिव,

आरडीबीए, रांची, संजय विद्रोही आदि उपस्थित थे। स्वागत भाषण एवं मंच का संचालन डालसा सचिव राकेश रंजन ने किया। राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के दौरान ही झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एस चंद्रशेखर, न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायमूर्ति नवनीत कुमार, राष्ट्रीय लोक अदालत की गतिविधियों को देखने के लिए आये थे एवं इसका निरीक्षण किया था। बता दें कि व्यवहार न्यायालय रांची में राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के लिए न्यायिक दंडाधिकारियों के लिए 25 बेंच एवं कार्यपालक दंडाधिकारियों के लिए 19 बेंच का गठन किया गया था।

हरमू में भाजपा का मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत मिट्टी संग्रह अभियान शुरू

देशवासियों की मदद से भव्य अमृत वन का किया जायेगा निर्माण: दीनदयाल बर्णवाल

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। भारतीय जनता पार्टी हरमू मंडल के द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत मिट्टी को नमन एवं वीरों को वंदन राष्ट्र के बलिदान देने वाले वीरों को समर्पित अभियान का मंगल आरंभ विधाननगर हरमू से हुआ। इस कार्यक्रम के हरमू मंडल प्रभारी दीनदयाल बर्णवाल ने कहा कि दिल्ली में अमृत वन का निर्माण हो रहा है, जिसमें देश के हर घर से एक चुटकी, मिट्टी या चावल या 5 तुलसी के पत्ते लेना है और इसे संग्रहित कर दिल्ली जाया जाएगा। पूरे देशवासी के सहयोग से भव्य अमृत वन का निर्माण होगा। रांची महानगर अध्यक्ष के गुला ने कहा कि आज भारतवर्ष में सभी घरों से एक चुटकी माटी या तुलसी



पत्ता या एक मुट्ठी चावल संग्रह करके देश की राजधानी दिल्ली में अमृत वन का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें हम सभी के घरों का कुछ ना कुछ हिस्सा उसमें लगेगा और यह हम सभी के लिए गोव का बात है। मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत यादव की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश कार्यसमिति समिति सदस्य

अरुण कुमार झा, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता दीनदयाल बर्णवाल, वार्ड-34 के पर्षद विनोद सिंह मंडल उपाध्यक्ष संजु देवी संजय यादव अमित सिंह महामंत्री अनुज शर्मा महिला मोर्चा अध्यक्ष सुमन सिंह, मोर्चा महामंत्री निधि पटेल वीरेंद्र सिंह राकेश सिंह विनोद सिंह गोपाल कुमार मुरारी प्रसाद, सूरज कुमार बर्णवाल सहित सैकड़ों को संख्या में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

डीसी ने लूटपाट मामले में तीन अभियुक्तों पर अभियोजन चलाने की दी स्वीकृति

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने रातू थाना कॉड संख्या-169/23 से संबंधित रिपोर्ट जांच करने के बाद अभियुक्तों के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की धारा- 25 (1-बी) ए/26/35 के तहत अभियोजन की मंजूरी दी है। मामले 22 अप्रैल 2023 का है। गढ़वा के मूल निवासी मनीष कुमार कुशवाहा से ड्यूटी के बाद ठाकुरगांव जाने के क्रम में शाम 7:30 बजे हुरहुरी पेट्रोल पंप से पहले सुनसान स्थान पर चाकू तथा पिस्टल दिखाकर मोटरसाइकिल,



मोबाइल और पर्स लूट ली गयी थी। पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में छिरी के पास तीन व्यक्ति को संदिग्ध हालत में खड़े देखा। सशस्त्र बल के सहयोग से इनमें से दो व्यक्ति चतरा के श्रवण कुमार और आशीष

कुमार को पकड़ा गया। उनका साथी अरुण कुमार भागने में सफल रहा। तलाशी लेने पर श्रवण कुमार के कमरे से 303 एमएम बोर का देसी कला एवं अन्य सामान बरामद किया गया था। दोनों अभियुक्तों की निशानदेही पर भागे हुए अभियुक्त अरुण कुमार उर्फ अजित के कमरे की तलाशी लेने पर एक 7.65 एमएम बोर की देसी पिस्टल, दो 7.65 एमएम बोर एवं 315 (8 एमएम) बोर की दो जिंदा गोली बरामद हुआ था। दोनों के अनुसंधान एवं पर्यवेक्षण के क्रम में अभियुक्तों के खिलाफ घटना सत्य पाया गया।

रांची जिले के 92 मतदान केंद्रों के नाम बदल गये

तमाड़, हटिया और सिल्ली विधानसभा क्षेत्र का है केंद्र

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन के लिए रांची जिला के अधीन तमाड़, सिल्ली और हटिया के 92 मतदान केंद्रों के

नाम में परिवर्तन संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इनमें तमाड़ के 76, सिल्ली के 11 और हटिया विस क्षेत्र के 5 मतदान केंद्र शामिल हैं। बताया गया कि वैसे मतदान केंद्र जो विद्यालयों में अवस्थित हैं और उनका नाम बदल गया है, उन्हें मैनुअल ऑफ पोलिंग स्टेशन एडिशन 2020 के आलोक में नाम परिवर्तन की स्वीकृति दी गयी है।

एसएसपी चंदन सिन्हा ने पदभार संभाला

खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। रांची के नये एसएसपी चंदन सिन्हा ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। वे रांची के 73वें एसएसपी बने। इस मौके पर रांची के पूर्व एसएसपी किशोर कौशल ने नये एसएसपी को पदभार सौंपा। पदभार लेने के बाद एसएसपी ने कहा कि पुलिस निष्पक्ष, संवेदनशील और अच्छी तरह से कार्य करेगी। विधि व्यवस्था पर ज्यादा ध्यान होगा। संगठित अपराध रोकना प्राथमिकता



होगी। राजधानी में क्राइम कंट्रोल के साथ ट्रैफिक व्यवस्था पर भी विशेष नजर होगी। हर इलाके के छोटे से बड़े अपराधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। जिला में तैनात

डीएसपी और थानेदार एक टीम के तहत काम करेंगे। उन्होंने कहा की राजधानी में कई चुनौतियां हैं। कहा कि महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिए 24 घंटे उपलब्ध हूं।

राज्यपाल को ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन में आने का निमंत्रण



खबर मन्त्र व्यूरो

रांची। आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब एवं कश्यप मेमोरियल आई बैंक के एक प्रतिनिधि मंडल ने शनिवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राज्यपाल को संस्था द्वारा किये गए कार्यों की एक स्मारिका भी भेंट की गई। प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल को 14 सितंबर को आयोजित होने वाले ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन में आने का न्योता दिया। साथ ही रन फॉर विजन में प्रयुक्त

होने वाली नेत्रदान महादान से संबंधित टी-शर्ट भी प्रदान दी। अब तक 801 कॉर्निया का किया गया प्रत्यारोपण : सदस्यों ने राज्यपाल को अवगत कराया की संस्था नेत्र दान एवं नेत्र प्रत्यारोपण के क्षेत्र में राज्य में बेहतर काम कर रही है। कश्यप मेमोरियल आई बैंक द्वारा 2022 से अब तक 154 कॉर्निया प्रत्यारोपण किया गया है। पिछले 5 साल में 340 कॉर्निया प्रत्यारोपण किया गया है। अब तक कुल एक 801 कॉर्निया प्रत्यारोपण किये गए हैं।

राज्य सरकार की टीम मनरेगा-पीएम आवास योजनाओं की जांच करने के लिए जायेगी पलामू

एजेंसी (हि.स.)। राज्य सरकार की एक टीम मनरेगा, पीएम आवास योजना ग्रामीण, श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित अन्य ग्रामीण विकास की योजनाओं की जांच के लिए 11 सितंबर से पलामू जिले का दौरा करेगी। मिल रही गड़बड़ियों की शिकायतों के बाद सरकार ने वहां अनुसमर्थन दल को भेजने का फैसला लिया गया है।

विभाग की संयुक्त सचिव शैल प्रभा कुजूर के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम पलामू जिले का दौरा करेगी। 14 सितंबर तक पलामू जिले के विभिन्न प्रखंड व पंचायतों में मनरेगा योजना का स्थल निरीक्षण करेगी। अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों की प्रमति की भी समीक्षा की जायेगी। ग्रामीण विकास विभाग ने टीम के दौरे को देखते हुए जिले के उपायुक्त और उपविकास आयुक्त को पत्र लिखा है और टीम के दौरे के दौरान अधिकारियों- कर्मियों को उपस्थित रहने को कहा है।

स्पीकर और वित्त मंत्री करेंगे 5000 से अधिक निजी स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को सफल बनाने में जुटी है पासवा की टीम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पासवा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने रविवार को आयोजित होने वाले शिक्षक सम्मान समारोह के तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आज राज्य का सबसे बड़ा शिक्षक सम्मान समारोह आर्यभट्ट सभागार मोरबादी में आयोजित होगा। उसे ब्यु सम्मान समारोह की तैयारी के लिए झारखंड पासवा की पूरी टीम पूरी तरह से तैयार है। तैयारी की समीक्षा और आर्यभट्ट सभागार में तैयारी का जायजा लेते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस भव्य आयोजन में झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो मुख्य अतिथि रहेंगे। झारखंड के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव शिक्षक सम्मान समारोह का दीप प्रचलन कर उद्घाटन करेंगे। रांची



विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा एवं डीएवी मैनेजिंग कमिटी के पूर्व निदेशक एलआर सैनी इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहेंगे। इसके साथ ही झारखंड के प्रत्येक जिले से पासवा

के पदाधिकारी एवं झारखंड के प्रत्येक जिले से निजी विद्यालयों के शिक्षक इस सम्मान समारोह में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने सम्मान समारोह का समय सांघी बताते हुए कहा कि सम्मानित होने वाले

शिक्षकों के लिए ऑन साइट रजिस्ट्रेशन के लिए कांटर बनाए गए हैं। ऑन साइट रजिस्ट्रेशन भी सुबह 8:30 बजे से प्रारंभ रहेगा। झारखंड के प्रत्येक जिले से आने वाले शिक्षकों की बड़ी संख्या को

ध्यान में रखते हुए प्रातः 10 बजे से ही शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम प्रारंभ होगा। तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए पासवा कोर कमिटी के सुषमा केरकेता, फलक फातिमा, रशीद अंसारी, मेहुल कुमार दुबे, संजय कुमार, राशिद अंसारी, मोजाहिद इस्लाम, अमीन अंसारी, फलक फातिमा, मेहुल दुबे, चारुबाला, अनिकेत कुमार, शुभम कुमार, अभाष कुमार, माणिक पाठक, मनीष पाठक, पीयूष कुमार, आशुतोष भारती, संजय तिकी, त्रिभुष सिन्हा, विशाल कुमार, प्रथम कुमार, अजहर आलम, फिजा नसीम, नेहा सिंह, हीतेष कुमार, राकेश प्रजापति, काजल कुमारी, अनुष्का कुमारी, श्रुति कुमारी, आसमा, मो. उस्मान सहित संपूर्ण पासवा कोर कमिटी विशेष रूप से उपस्थित थे।

पीएलएफआई नक्सली दसाय पूर्ति गिरफ्तार क्षेत्र में दहशत फैलाकर करता था वसूली

खबर मन्त्र संवाददाता

खूंटी। खूंटी पुलिस ने पीएलएफआई के सक्रिय नक्सली दसाय पूर्ति उर्फ गेडे को गिरफ्तार किया है। दसाय पूर्ति इलाके में संगठन के विस्तार में लगा हुआ था। वह क्षेत्र में लगातार छोटे बड़े सभी व्यापारियों से लेवी की वसूली कर क्षेत्र में दहशत कायम किये हुए था। पुलिस के लिए चुनौती बने दसाय पूर्ति के पास से पुलिस को एक देसी कच्चा, 8 एमएम के 6 जिंदा कारतूस, चंदा काटने वाला रशीद, नगद 5200 रुपये, एक पीस वॉकी-टॉकी का हैंडसेट, एक पिठू वैग, एक चटाई और दैनिक उपकरणों में लाए जाने वाला सामान साबुन, तेल, खेनी आदि बरामद किया। 40 दिनों में 17 गिरफ्तार खूंटी पुलिस ने एक अभियान चलाकर 40 दिनों के भीतर पुलिस ने लंबू दस्ते का 17 नक्सली सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी 17 नक्सली सदस्य दसाय पूर्ति उर्फ गेडे के इशारे पर मुरहु इलाके में कार्य कर रहे थे। गिरफ्तार नक्सली दसाय पूर्ति के



खिलाफ खूंटी चाईबासा और रांची जिले के थानों में लगभग आधे दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। खूंटी एसपी अमन कुमार ने बताया कि दसाय पूर्ति क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने के लिए एफ लड़कों को संगठन से जोड़कर अपराध की ओर धकेलने में जुटा हुआ था। गुप्त सूचना के आधार पर दसाय पूर्ति की गिरफ्तारी हुई। एसपी अमन ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि बंदावा का परिया कमांडर अपने दस्ता सदस्यों के साथ उडिकेल, तपिंगसारा और एतरे के जंगली क्षेत्रों में किसी बड़ी

वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना पर अभियान एसपी रमेश कुमार के निदेशन में डीएसपी अमित कुमार के नेतृत्व में जिला पुलिस एवं सीआरपीएफ 94 बटालियन के पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल को शामिल कर छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा मुरहु थाना क्षेत्र के एतरे टोला के अलटण्डा के जंगल में सर्च अभियान के दौरान एक को खदेड़कर पकड़ा गया जबकि अन्य नक्सली सदस्य भागने में कामयाब रहे।

इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन में लगेगा विस्टाडोम कोच, 13 से होगी नियमित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड के रांची रेल डिवीजन में न्यू गिरिडीह-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस में विस्टाडोम कोच लगेगा। इस तरह का प्रयोग पहली बार किसी ट्रेन में हो रहा है। यह कोच न्यू गिरिडीह-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस में लगाई जा रही है। 12 सितंबर को स्पेशल ट्रेन का उद्घाटन होगा। 13 सितंबर से ट्रेन रेगुलर चलेगी। फिलहाल यह ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग बरकाकाना, मेसरा, टाटीसिलवे के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बरकाकाना, मूरी, टाटीसिलवे होकर चलेगी।



खिड़कियां हैं। इससे यात्री को साइड के साथ ऊपर की तरफ के दृश्य देखने में भी आसानी होगी। कोच में 42 से 44 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसकी सीटों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह 180 डिग्री पर घूम सकेंगी। इसके अलावा शानदार पुश बैक होगी।

18617 रांची से ये होगा टाइम टेबल

रांची प्रस्थान 06:05 बजे, टाटीसिलवे आगमन 06:23 बजे प्रस्थान 06:25 बजे, मेसरा आगमन 06:42 बजे प्रस्थान 06:44 बजे, बरकाकाना आगमन 08:05 बजे प्रस्थान 08:10 बजे, हजारीबाग टाउन आगमन 09:08 बजे प्रस्थान 09:13 बजे, कोडरमा आगमन 10:30 बजे प्रस्थान 11:00 बजे, महेशपुर हाल्ट

आगमन 11:20 बजे प्रस्थान 11:22 बजे, धनवार आगमन 11:40 बजे प्रस्थान 11:42 बजे, जमुआ आगमन 12:03 बजे प्रस्थान 12:05 बजे एवं न्यू गिरिडीह आगमन 13:00 बजे होगा।

18618 न्यू गिरिडीह से ये होगा टाइम

न्यू गिरिडीह प्रस्थान 14:00 बजे, जमुआ आगमन 14:30 बजे प्रस्थान 14:32 बजे, धनवार आगमन 14:58 बजे प्रस्थान 15:00 बजे, महेशपुर हाल्ट आगमन 15:28 बजे प्रस्थान 15:30 बजे, कोडरमा आगमन 16:30 बजे प्रस्थान 17:00 बजे, हजारीबाग टाउन आगमन 17:55 बजे प्रस्थान 18:00 बजे, बरकाकाना आगमन 19:00 बजे प्रस्थान 19:05 बजे, मेसरा आगमन 20:35 बजे प्रस्थान 20:37 बजे, टाटीसिलवे आगमन 21:05 बजे प्रस्थान 21:07 बजे एवं रांची आगमन 21:30 बजे होगा।

आवास बोर्ड के अध्यक्ष ने बोर्ड की भू-संपदाओं का किया निरीक्षण



खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने बोर्ड के अधिकारियों के साथ रांची प्रमंडल अंतर्गत हाउसिंग बोर्ड की भू संपदाओं का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। इस क्रम में उन्होंने हरमू हाउसिंग, अरगोड़ा व बरियातू हाउसिंग कॉलोनी का दौरा किया। बरियातू स्थित पहाड़ के समीप वाली बोर्ड की खाली भूखण्ड संख्या 12, भूखण्ड संख्या 1 एवम आवासीय व्यवसायिक भूखण्डों का जायजा लिया और बोर्ड की भूमि पर नए दुकान कई सामुदायिक भवन जो बन कर तैयार है उनका भी

निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल्द बंद पड़े दुकान और सामुदायिक भवन की लॉटरी करवाई कर जरूरतमंद लोगों को देने का काम करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कई ऐसे भी भूखंड जिनका गैरकानूनी तरीके से अतिक्रमण किया गया है उन सब को जल्द खाली करवा कर 2011 वाले आवंटियों को जल्द आवंटन करने का काम किया जाय। रांची प्रमंडल भ्रमण कार्यक्रम में अध्यक्ष संजय लाल पासवान के साथ बोर्ड के सदस्य अभिलाष साहू, बोर्ड के सचिव, मुख्य अभियंता, विधि पदाधिकारी सहित प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता और कनीय अभियंता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सोमवार को तीज व्रत और शिव पार्वती का पूजन श्रेयस्कर : पं. रामदेव

रांची। 17 सितंबर रविवार को विश्वकर्मा पूजा, 18 सितम्बर सोमवार हरितालिका तीज और 19 सितम्बर मंगलवार को गणेश चतुर्थी है। 17 सितम्बर से सौर आश्विन मास शुरू हो जाएगा। इसी दिन विश्वकर्मा पूजन होगा। तृतीय तिथि रविवार सुबह 9.31 से सोमवार 10.27 तक है। हस्ता नक्षत्र भी रविवार सुबह 9.43 से शुरू होगा, जो सोमवार सुबह 11.15 तक है। पं रामदेव पाण्डेय के अनुसार इसलिए सोमवार को तीज व्रत और शिव पार्वती का पूजन श्रेयस्कर है। मंगलवार को गणेश चतुर्थी व्रत है, जो 20 सितंबर को ऋषि पंचमी होगी। 21 सितंबर को लोलार्क षष्ठी है। 25 सितंबर सोमवार को कर्मा एकादशी होगा। 28 सितंबर गुरुवार को अनंत चतुर्दशी होगा। 29 सितंबर शुक्रवार को भादो पूर्णिमा है और महालाल्या आरंभ हो रहा है। 30 सितंबर से 14 अक्टूबर तक आश्विन कृष्ण पक्ष अर्थात पितृव्रत होगा। 6 अक्टूबर को जीउतिथी व्रत होगा।

एपीपी मुख्य परीक्षा में सुबोध लॉ वलासेस की कनक सफल

रांची। शहीद चौक स्थित सुबोध लॉ क्लासेस की छात्रा कनक ने बिहार एपीपी मुख्य लिखित परीक्षा में सफल घोषित की गई है। इस परीक्षा का परिणाम शुक्रवार को घोषित किया गया है। संस्थान के निदेशक सुबोध कुमार ने कनक एवं अन्य सफल छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई एवं साक्षात्कार परीक्षा की तैयारी गंभीरता से करने की सलाह दी। उन्होंने साक्षात्कार परीक्षा के लिए पुराने और नये क्रिमिनल लॉ को तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन करने की सलाह दी। निदेशक ने छात्रों को मनी लॉइंग एक्ट को भी विस्तृत ढंग से, पढ़ने की सलाह दी। निदेशक ने छात्रों को झारखंड न्यायिक परीक्षा की मी फॉर्म 21 सितम्बर के पहले भरने की सलाह दी।



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत माईकल्स प्ले स्कूल, पंडरा, रांची द्वारा नंद उत्सव पर 9 सितंबर को विद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा श्री कृष्ण के बाल लीलाओं के भिन्न रूपों, झांकियों को अदभुत एवं मनोभावन रूप से दर्शाया गया, जिसे उपस्थित

अभिभावकों और शिक्षिकाओं ने सराहा। इन झांकियों में विशेष रूप से तीन से पांच वर्ष के बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या वंदना बहल ने बच्चों को भगवान श्री कृष्ण की बाल-लीलाओं का प्रमुख रूप से उल्लेख करते हुए बच्चों को जन्माष्टमी पर्व का महत्त्व बताया। देवकी और वासुदेव के रूप में आद्या भगत और आयांश, यशोदा और नंद के रूप



में दिव्यांशी और कार्तिक कुवर, सैनिकों के रूप में आदित्य कुमार और प्रथम प्रकाश, देवताओं के रूप में युवराज कुमार, आदित्य कुमार तिवारी, रुद्र कुमार, अंजित ओझा और लक्ष्य कुमार, कृष्ण के रूप में प्रथम कुमार और तेजस कुमार, शिवा श्री (राधा), दिशांक घोष (कंस) ने मथुरा और गोकुल का दृश्य प्रस्तुत किया। कक्षा प्री केजी और प्रेप के सभी बच्चों ने

अपने मोहक नृत्य से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रिंकी पांडे, नीती रानी, ऋचा चोपड़ा, चैताली, कोमल श्री, दिपमाला विश्वास, शिल्पा बेदी तथा विद्यालय की इंचार्ज तृप्ती प्रसाद का विशेष योगदान रहा। उप प्रधानाचार्य रिशिका बहल ने और प्राचार्या वंदना बहल ने सभी अभिभावकों को नंद उत्सव की शुभकामनाएं दीं।

अवैध खनन व जमीन हस्तांतरण कर आदिवासी क्षेत्रों की पहचान मिटाने की हो रही साजिश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जय आदिवासी केंद्रीय परिषद के तत्वावधान में आदिवासियों की ज्वलंत मुद्दे को लेकर पुराने विधानसभा परिसर में एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप, कोलेबिरा विधायक नमन विस्मन कांगाड़ी, अविधेयता सुभाशीष सोरेन, प्रोफेसर रामचंद्र उरांव, वाल्टर कॉडूना, संजय

आर्टिकल 13 (3) - क में आदिवासियों को रूढ़ि प्रथा को विधि का विशेष बल प्राप्त है। आदिवासी अपने क्षेत्रों में स्वशासन का अधिकार हैं जिसमें पांचवी व छठी अनुसूची के अंतर्गत कोई भी सामान्य कानून अधिनियम लागू नहीं है। बावजूद इसके आदिवासी क्षेत्रों में अवैध माइनिंग, जमीन हस्तांतरण, गैर पेसा एक्ट के तहत लागू कर आदिवासी क्षेत्रों, उनकी विशेष पहचान, प्रावधानों, उनकी संस्कृति और सभ्यताओं को खत्म

करने की साजिश लगातार हो रही है। आदिवासियों को फर्जी केस मुकदमे में फसा कर जेल में डाल दिया जाता है वहीं उनकी हत्या बलात्कार अपहरण विस्थापन पलायन उनके क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण हो रहा है जिसे लेकर पूरे देश में आदिवासी समाज के प्रति जागरूक अभियान चलाकर आदिवासियों के खिलाफ हो रहे साजिश को खत्म करना होगा। कार्यक्रम प्रातः 9:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक चली। इस कार्यक्रम

जय आदिवासी केंद्रीय परिषद ने आदिवासियों के हक और अधिकार पर की चर्चा

में महिला नेत्री निरंजना हेंरेज टोपो मुख्य भूमिका रही वहीं सहायक के रूप में हलधर चंदन पाहन विकी पाहन रंजीत उरांव आनंद तांबा जगदीश पाहन कुलभूषण डुंगडुंग दामोदर सिंघु महादेव पाहन राम पाहन झरिया उरांव अजय टोपो करमा लिंडा बाबूलाल महली बुधवा उरांव बसंती कुजूर निकोलस एक्का आदि और इस कार्यक्रम में झारखंड के कई प्रखंड पंचायत और जिलों से सैकड़ों लोग शामिल हुए।

संत जेवियर्स कॉलेज में ई-कचरा संग्रह बिंदु शुरू

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हुल्लाडेक रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड ने संत जेवियर्स कॉलेज के सहयोग से छात्रों, टीचिंग, नॉन-टीचिंग स्टाफ सदस्यों को उनके पुराने, टूटे एवं अप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिकल कचरे का समाधान प्रदान करने के लिए एक ई-कचरा संग्रह बिंदु की शुरुआत शनिवार को की गयी। इस मौके पर संत जेवियर्स कॉलेज के हुल्लाडेक रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ ई-कचरा से सम्बंधित एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर हुल्लाडेक



रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि, कॉलेज के प्राचार्य फा. डॉ. नबोर लकड़ा, फा. डॉ. रोबर्ट

प्रदीप कुजूर, फा. डॉ. अजय अरुण मिंज एवं फा. डॉ. प्रभात केनेडी सौरंग उपस्थित थे।



वाहन के धक्के से बिजली का पोल गिरा
पिस्कानगड़ी। रांची गुमला राजमार्ग 23 में स्थित ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल के समीप एक बिजली के पोल को भीती रात अज्ञात वाहन ने टोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया इसके बाद भी इस पोल पर 11 हजार वोल्ट एवम एलटी टार का करंट प्रवाहित हो रहा है। इसके सूचना स्थानीय लोगों ने कई बार एसडीओ, जेई और बिजली विभाग के मिस्त्री को दी। इसके बाद भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे लोग काफी परेशान हैं। ग्रामीणों ने जल्द पोल को बनवाने की मांग की है।

समर्पण का पर्याय है गुरु-शिष्य परंपरा
ठाकुरगांव। न्यू ऑक्साईड स्कूल बुद्धबागी में शिक्षक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के निदेशक राशिद अंसारी रहे। विद्यालय के उप प्रधानाध्यापक रतन नाग फैयाज खान करहा नाज ने मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। इस अवसर पर हजीना खातून ने कहा गुरु शिष्य की परंपरा प्राचीन काल में ही सम्पूर्ण एवं आदर्श का पर्याय है। वहीं सलमा खातून ने कहा गुरु का शाब्दिक अर्थ होता है अंधकार को मिटाना तबस्सुम खातून ने कहा उसे मार्ग के समान होता है जो खुद देखे रहकर से शिष्य को मजिल तक पहुंचाते हैं। सफ़ीक अहमद ने बच्चों के लिए गीत प्रस्तुत किया।

उमवि महावीर नगर में मना हाथ धुलाई दिवस
खलारी। उत्कर्मित मध्य विद्यालय महावीर नगर के प्रांगण में विभागीय निदेशकनुसार प्रधानाचार्य रंजु साहू के नेतृत्व में हाथ धुलाई दिवस मनाया गया। खाना खाने से पहले और और शौच के बाद हाथ साबुन से हाथ धोने को बताया गया। साथ ही स्वच्छता से संबंधित अन्य जानकारी दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सहायक शिक्षक राजेश कुमार साहू, अरुणा उरांव, रसाईया कमला देवी, रतनी उराईन का सराहनीय योगदान रहा।

ऑटो पलटने से चार महिलाएं घायल
मांडर। फोरलेन मुख्य पथ पर स्थित तिग्गा काम्लेवस ब्राम्बे के निकट शनिवार दोपहर में हुए सड़क दुर्घटना में चार महिलाएं जख्मी। सुरसा निवासी फरहाना खातून और कुलसुम बेगम बसकी की रजिया खातून एवं मसमानो की सुमन मिंज ऑटो में बैठ कर ब्राम्बे में महिला समिति की बैठक में शामिल होने जा रही थी। इसी क्रम में एक बाइक सवार को बचाने के क्रम में ऑटो असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया। इनमें से कुलसुम बेगम और रजिया खातून को प्राथमिक उपचार के बाद रिस्स रेफर कर दिया गया।

बरहे गांव में अखंड हरिकीर्तन शुरू
चान्हो। थाना क्षेत्र के बरहे गांव स्थित देवी मंडप में 24 घण्टे के अखंड हरी कीर्तन की शुरुआत शनिवार सुबह दस बजे की गई। कंटामुत रसधारा कृतन मंडली कट्या की अर्पणार्थी में आयोजित इस 24 घण्टे के अखंड कृतन में आस पास के दर्जनों गांव के महिला और पुरुष कीर्तन मंडलियों द्वारा कीर्तन किया गया।

सुतियाबेगड़ इंड मेला को लेकर कमेटी गठित
पिटोरिया। सुतियाबेगड़ इंड मेला पड़हा समिति की बैठक रजौत टोप्पो की अध्यक्षता में मेला परिसर में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नई समिति का चुनाव किया गया। ये मेला का कार्यभार संभालेंगे।

बल्ब चोरी करने से करता रहा इनकार, पीट कर ले ली जान

ग्रामीणों ने छह घंटे जाम की सिकिदिरि ओरमांड़ी सड़क

खबर मन्त्र संवाददाता

सिकिदिरि। बल्ब चोरी करने के आरोप में दो युवकों को इतना पीटा गया कि उसमें से एक की मौत हो गई। वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे की है। नीलकांठ प्रसाद ने अपने घर के बाहर बने नवनिर्मित होटल में लगे एलईडी बल्ब चोरी करने का आरोप लगाते हुए उमेश मुंडा और बबलू मुंडा को



सड़क जाम कर रही महिलाओं को समझाती महिला पुलिस और इनसेट में मृतक युवक का फोटो।

थाना ले जाने के नाम पर उसके घर से उठाकर अपने घर ले गया। पत्नी के साथ मिलकर नीलकांठ दोनों को

लाठी से पीटने लगा। दोनों युवक लगातार बोलते रहे कि हमने बल्ब की चोरी नहीं की है, लेकिन पिटाई

जारी रही। इसके बाद उमेश मुंडा पिटाई से नीलकांठ के घर के समीप गिर गया। नीलकांठ ने बबलू मुंडा

राजनीतिक दल के नेता पहुंचे जामस्थल

विभिन्न राजनीतिक दल के नेता जामस्थल पहुंचकर घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषी को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। इनमें भाजपा नेता जैलेन्द्र कुमार, विधायक प्रतिनिधि दिनेश प्रमाणिक, सांसद प्रतिनिधि सुजीत कुमार, कांग्रेस प्रमुख सोमनाथ मुंडा, रामपदो महतो, मुखिया राजेंद्र बेदिया, पंसस बिनोद रजवार, अजगुत करमाली, पंचू तिकी, तुलसी खरवार, रमेश मुंडा आदि शामिल हैं।

आरोपी के घर में ग्रामीणों ने की तोड़फोड़

आक्रोशित ग्रामीणों ने हत्या के आरोपी नीलकांठ के घर में तोड़ फोड़ किया। घर के बाहर नवनिर्मित होटल को भी तोड़ दिया। पुलिस और बुद्धिजीवी लोगों के समझाने के बाद मामला नियंत्रित हुआ। वहीं लाठी-डंडे की पिटाई से बबलू के पीट, हाथ और पैर में मार से गंभीर घायल बन गए हैं। जामस्थल पर शाम करीब पांच बजे बबलू के बेहोश होने पर पुलिस ने उसे रिस्स भेज दिया है।

को उसने भगा दिया। इधर घायल बबलू मुंडा ने बताया कि उसके जाने के बाद नीलकांठ ने उमेश मुंडा के शव को घर के पीछे बारी की घनी झाड़ी में फेंक दिया। घटना के बाद मृतक उमेश के परिजन उसकी दिन भर खोजबीन करते रहे। परिजनों द्वारा नीलकांठ से पूछने पर उसने बताया कि उमेश कहीं चला गया है। अंततः शुक्रवार की रात 10 बजे

परिजन इसकी शिकायत लेकर थाना पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नीलकांठ को पकड़ कर थाने ले गई। शनिवार की सुबह करीब 10 बजे उमेश के पिता दुबे मुंडा और परिवर्जननीलकांठ के घर पहुंचे और खोजबीन की तो उमेश का शव नीलकांठ प्रसाद के घर के पीछे बारी में देखा। पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

विधायक और सीओ ने किया सहयोग

खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने प्रतिनिधि के रूप में दिनेश प्रमाणिक को भेजकर 20,000 रुपए, अनगड़ा सीओ ने सीआईओ को भेजकर 10,000 रुपए व सिकिदिरि थाना प्रभारी सत्यप्रकाश रवि ने 10,000 रुपए का सहयोग राशि मृतक की पत्नी को सौंपा है।

पत्नी ने दर्ज कराया केस
मृतक की पत्नी मुनी देवी ने नीलकांठ प्रसाद के खिलाफ पति उमेश मुंडा का अपहरण और हत्या करने का आरोप लगाते हुए सिकिदिरि थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पेशे से मजदूरी करने वाला मृतक उमेश के दो छोटे बच्चे हैं। उसकी पत्नी मुनी देवी रक्षा बंधन में अपने मायके गई हुई थी। सूचना मिलने पर वह शनिवार को पहुंची। उसके पहुंचते ही महिलाएं आक्रोशित हो गईं।

रातू : करम पूर्व संध्या समारोह 16 को, थिरकेंगे युवक और युवतियां

शेख मुजिबुल

रातू। प्रकृति पर्व करमा पूजा महोत्सव 26 सितंबर को होगा। प्रखंड मुख्यालय में 16 की शाम करम पूर्व संध्या समारोह मनाया जायेगा। जोर.शोर से इसकी तैयारी की जा रही है। क्षेत्र के गांवों में बैठक कर प्रचार-प्रसार किये जा रहे हैं। हजारों की संख्या में ग्रामीण व पंचायत प्रतिनिधियों का जुटान होगा। करमा गीतए संगीत व नृत्य पर युवक-युवतियां मांदर की थाप पर थिरकेंगे। समारोह में आदिवासी कला व संस्कृति को झलक देखने को मिलेगी। इस दौरान प्रमुखकर बीडीओ, सीओ, थानेदार, उप प्रमुख, जिप सदस्य, मुखिया,

पटेंगे सरना झंडा

चौदह सितंबर तक दलादिली, हाजी चौक, कटहल मोड़, झिरी, कमड़े, झखराटांड, चट्टी, कुबाटोली, मरियाटांड, मखमन्द्रो, मुरगू, केवला मोड़, बाजपुर व मलमाहू आदि चौक-चौराहे सरना झंडा से षट् जायेंगे। कार्यक्रम की मनोहारी छटा देखते ही बनेगी। इसके लिये कमेटी का गठन किया गया है। मुखिया व सरपंच पंचायत के कार्यक्रम प्रभारी बनाये गये हैं।

सरपंच, राजनीतिक दलों के नेता, सामाजिक अगुआ, वरिष्ठ नागरिक, गांवों के पाहन, कोटवार, महतो व पईनभरा सम्मानित किये जायेंगे। खोड़हा टीमें भी पुरस्कृत की जायेंगी।

अशिक्षा और नशापान समाज के लिये अभिशाप श्रीगणिनाथ गोविंद जी महाराज के जन्मोत्सव में उमड़ी भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। श्री गणिनाथ गोविंद जी महाराज के 16वें जन्मोत्सव में भारी भीड़ उमड़ी। बाबा गणिनाथ मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन एंटी क्रप्सन ब्यूरो के विशेष लोक अभियोजक अशोक कुमार गुप्ता, आईपीएस अजय कुमार, व्यवहार न्यायालय के वरीय अधिवक्ता अजित कुमार गुप्ता व ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश कुमार ने गोविंद जी के चित्र पर माल्यार्पण और ध्वजारोहण कर किया। श्री गुप्ता ने देहेज प्रथा, अशिक्षा व नशापान को समाज के लिये अभिशाप बताया और महिला व युवाओं से जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। इसके



रातू में मंचासीन अतिथि व ट्रस्ट के पदधारी।

इन्होंने निभायी भूमिका

निपुल मृगाल, प्रकाश कुमार गुप्ता, दिलीप कुमार गुप्ता, रामदयाल साहू, अजय प्रसाद, दिनेश कुमार गुप्ता, अजय कुमार साहू, वितरज कुमार, शंभू प्रसाद गुप्ता, अनन्पूर्णा देवी, एबी प्रसाद, प्रेमचंद प्रसाद, अमित कुमार गुप्ता, शंकर प्रसाद गुप्ता, अजय कुमार साहू, रजौत कुमार, अहिल्या देवी, मनकू साहू, दिनेश कुमार, विकास कुमार, महदेव प्रसाद, रमाकांत गुप्ता व सुनील कुमार आदि।

उपरान्त बाबा की पूजा-अर्चना की गयी। हवन व आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। शिव शक्ति

जाग्रण मंत्र के कलाकारों ने भजन प्रस्तुत किये। पूजा अनुष्ठान सुनील प्रसाद ने कराया।

उरगुगू के मवेशी बाजार को कराया बंद

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के उरगुगू बाजार में अवैध रूप से लग रहे मवेशी बाजार को शनिवार को पुलिस ने बंद करा दिया। पुलिस के इस कार्रवाई से क्षेत्र के ग्रामीणों में हर्ष है। जानकारी के अनुसार उरगुगू में अवैध रूप से लगने वाले मवेशी बाजार को लेकर डीआईजी, एसएसपी व ग्रामीण एमपी को शिकायत मिली थी। थाना प्रभारी कृष्णा कुमार ने कहा कि आलाधिकारियों के निर्देश पर उक्त मवेशी बाजार को बंद कराया गया है। जानकारी के अनुसार उरगुगू बाजार से मवेशियों को खरीद कर दलालों द्वारा तस्करी की जाती है।

ट्रक मालिकों की हड़ताल कल से

ओरमांड़ी। प्रखंड क्षेत्र से गिट्टी, ईटा व बोल्लड में चलने वाले ट्रक व हाईवा का परिचालन सोमवार से बंद होने जा रहा है। ट्रक एसो. ओरमांड़ी के अध्यक्ष कृष्णा साहू की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। ट्रक हाईवा संचालकों ने कहा वे सभी आरटीओ, डीटीओ, एमवीआई, माईनिंग व रांची जिला के सभी थाना से परेशान हैं। बैठक में आह्वान किया गया कि सोमवार को सुबह 7.30 बजे सभी अपने-अपने वाहन के साथ अंचल मैदान पहुंचें।

कुंदी की टीम को हरा रानीखटंगा फुटबॉल क्लब ने जीता टूर्नामेंट

प्रखंडस्तरीय एसएसपी कप फुटबॉल टूर्नामेंट

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत आयोजित प्रखंडस्तरीय एसएसपी कप फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच में शनिवार को रानीखटंगा फुटबॉल क्लब ने कुंदी फुटबॉल क्लब को एक गोल से पराजित कर टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। कुंदी मैदान में खेले गये फाइनल मैच काफी रोमांचक रहा। दोनों ही टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर सकी तो रेफरी ने टाईब्रेकर का सहारा लिया। टाई ब्रेकर में

रानीखटंगा की टीम ने कुंदी फुटबॉल क्लब को एक गोल से पराजित किया। टूर्नामेंट में कुल नौ टीमों ने भाग लिया। पुरस्कारों का वितरण पूर्व मंत्री सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधू तिकी व विधायक शिल्पी ने कहा तिकी ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर सीओ राईम लकड़ा, थाना प्रभारी अमित प्रशांतए रमेश महली अबरार इमामए मंजर आलमए फिरोज अख्तरए विष्णु महलीए रहमान अंसारी व अजय गोप अहमद शामिल थे।

जमीन दलालों के विरोध में हुआ था ट्रिपल मर्डर

बेदिया विकास परिषद करेगा उच्चस्तरीय जांच की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांड़ी। 31 अगस्त को थाना क्षेत्र के देवनजरा गुंजा में हुई ट्रिपल मडर मामले को लेकर शनिवार को बेदिया विकास परिषद की एक बैठक हुई। इसमें मौत के बाद अन्नाथ हुए मृतकों के तीनों मासूम बच्चों आद्युष राज बेदिया, दिव्या कुमारी व आदित्य राज बेदिया की सुरक्षा व भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में उपस्थित आजसू पार्टी के जिला महासचिव रामधन बेदिया ने कहा घटना को लेकर गांव में समाज के कई लोग भी डरे सहमें हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना की उच्च स्तरीय जांच करारकर कार्रवाई की मांग की जाएगी। वहीं परिषद के अध्यक्ष



बेदिया समाज की बैठक में बोलते रामधन बेदिया।

बैठक में थे शामिल

बैठक में रामफल बेदिया, बुधराम बेदिया, रामधन बेदिया, सोमनाथ बेदिया, झलकु बेदिया, रामदयाल बेदिया, सोमनाथ बेदिया, रमेश बेदिया, सोहराई बेदिया, जीतेन्द्र बेदिया, रविकांत बेदिया, शिवदेव बेदिया, मिटु बेदिया, रामलखन बेदिया, बिबल बेदिया शामिल थे।

शंकर बेदिया ने कहा सिर्फ पशु के फसल खा जाने पर तीन की हत्या को स्वीकारा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा गुंजा क्षेत्र में चल रहे अवैध माईनिंग को लेकर वर्चस्व की लड़ाई और समाज की जमीन को बहला फुसला कर बिक्री करने का विरोध करने पर यह घटना हुई

है। बैठक में समाज को अन्य वक्ताओं ने आरोपितों पर कानून कार्रवाई करने की बात कही। संचालन कमलेश्वर बेदिया ने किया। बाद में समाज का प्रतिनिधिमंडल ओरमांड़ी सीओ से मिले और गांव जाकर बच्चों को आर्थिक सहायता मुहैया कराया।

मांडर विधायक ने किया नल जल योजना का शिलान्यास

इटकी। मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिकी ने शनिवार को प्रखंड के कुंदी, इटकी पूर्वी व इटकी पश्चिमी पंचायत में नौ करोड़ की लागत से बनने वाले नल जल योजना का शिलान्यास किया। मौके पर विधायक तिकी ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जलापूर्ति योजना से पंचायत के घर घर को जोड़ा जाएगा। ग्रामीण इस योजना के कार्य को अपने देख रेख में बेहतर ढंग से कराये। उन्होंने कहा कि लोगों में राजनीतिक व मानसिक जागरूकता से ही समाज बेहतर तरीके से आगे बढ़ेगा। विभाग के अधिकृत विजय मिंज ने जानकारी दी कि कुंदी में 1129 घरए इटकी

पूर्वी के खोरखा टोली में 950 घर व इटकी पश्चिमी के सिथार टोली में 1250 घरों को सर्वे में चिन्हित किये गये हैं। तीनों पंचायत को एक क्लस्टर में रखा गया है। क्लस्टर में नौ करोड़ की लागत से कुल 3329 घरों को नल जल योजना से जोड़ा जायेगा। कार्यक्रम में बीडीओ गौतम प्रसाद साहू प्रमुख किरण उरांवए उप प्रमुख परवेज आलम फ्रांसिस्का केरकेडूा निर्मला भेंगरा रीता देवीए रमेश महलीए अजय अबरार इमाम रहमान अंसारी मंजर आलम बलराम गोप सुनील मिंज आबिद परवेज ताहिर अंसारी व अजय गोप अहमद अंसारी सहित अन्य शामिल थे।

लगन के साथ कड़े परिश्रम से मिलती है अलग पहचान

खबर मन्त्र संवाददाता

लापुंग। प्रतियोगिता के इस दौर में विद्यार्थियों को भीड़ में अलग पहचान के लिए कड़े परिश्रम तथा लगन की आवश्यकता पड़ती है। आपके अंदर कुछ अलग प्रतिभा ही आपको भीड़ में अलग पहचान बनाती है। उक्त बातें शनिवार को आदिवासी बाल विकास विद्यालय गड्डिपा सरसा में आयोजित शिक्षक दिवस सह मेधा विद्यार्थी सम्मान समारोह 2023 के दौरान बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी



टॉपर छात्र को सम्मानित करते पूर्व मुखिया संतोष तिकी।

सह विधायक प्रतिनिधि संतोष तिकी ने कही। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के मैट्रिक टॉपर छात्र

छात्राओं को सम्मरोहपूर्वक सम्मानित किया गया। विद्यालय में 92: अंक लाकर मैट्रिक टॉपर बने

कार्यक्रम में थे मौजूद

इस मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष गंदुर लोहरा ए कोषाध्यक्ष तुलसी भगतए दीपशिखा देवीए सुमति लिंडा ए बसंत मिजए सहायक शिक्षक सेवक सिंहए इंदरेव सिंहए महेंद्र महतोए विकास महतोए नंदलाल सिंहए गुनेश्वर सिंहए रामकुमार भगतए कृष्णा विनित सहित कई लोग मौके पर मौजूद थे।

दशरथ लोहरा तथा उसके पिता सुनील लोहरा को मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक प्रतिनिधि सह देवगांव पंचायत के पूर्व मुखिया संतोष तिकी ने सम्मानित किया इस मौके पर छात्र.छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में प्रेरणादायक गीतए नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुत कर

लोगों का मन मोह लिया। इस मौके पर संतोष तिकी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्र.छात्राओं का हौसला बढ़ता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक जीवन सिंह ने किया। वहीं संचालन 10 वीं के छात्र ज्ञान रंजन लोहरा ने किया।

सामदेष्टा का कार्यालय आई0आर0बी0-04, लातेहार।

--अल्पकालीन निविदा सूचना--

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि, आई0आर0बी0-04, लातेहार में सरकारी पुलिस वाहनों के हड्ड/पदा की लाईफ लम्बे समय हो जाने के कारण पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। जिसके कारण वाहनों की सही रख-रखाव हेतु नये हड्ड/पदा की सिलाई एवं फिटिंग करने की आवश्यकता है, जिसकी निविदा सूचनापट्ट के माध्यम से आमंत्रित किया जाता है, जिसका अल्पकालीन निविदा सूचनापट्ट के माध्यम से आमंत्रित किया जाता है।

क्र0 सं0	वाहन का नाम	अभियुक्ति
1	टाटा 407 ट्रक	प्रतिवाहन
2	05 टनर	प्रतिवाहन

अतः इच्छुक अपूर्णिकर्ता दिनांक-22/09/2023 तक अपना निविदा परिवहन शाखा आई0आर0बी0-04, लातेहार कैम्प- न्यू पुलिस केंद्र, लातेहार में समय-11:00 बजे पूर्व0 तक सील बन्द लिफाफा में सम्पत्तित कर सकते हैं। निविदा दिनांक-23/09/2023 को समय-11:00 बजे निविदा दाता के सम्म परिहहन शाखा आई0आर0बी0-04, लातेहार में खोली जायगी। अनुमोदन के परधत्त किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।
निविदा की शर्तः-
1. निविदा झारखण्ड नृत्य वाहित कर अधिनियम-2005 के अन्तर्गत निबधित हो।
2. प्रतिपान का GST होना अनिवार्य है।
3. किसी भी परिस्थिति में अधिमराशि भुगतान नहीं किया जाएगा।
4. निविदा को संशोधित करने एवं बिना कोई कारण बताये निविदा को रद्द करने का अधिकार अयोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित होगा।
5. निविदा 01(एक) वर्ष के लिए होगा तथा अनुमोदन किये गये प्रतिपान का कार्य सतोषाजनक पाये जाने पर कार्य अवधि का विस्तारण किया जा सकता है।
6. निविदादाता क्व की जाने वाली वस्तुओं का दर सीलबन्द लिफाफा में उपलब्ध करायेगे। प्रतिपान का नाम पता, मोबाईल नं0 के साथ अंकित होगा।
नोटः-इन सभी शर्तों को पूरा नहीं करने वाले निविदादाता का निविदा मान्य नहीं होगा।
समादेष्टा
PR 306541 (Police) 23-24 (D)



समय

संवाद

जब भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को 14 सितंबर को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था भारतीय संविधान और कानून शुरू में अंग्रेजी में लिखे गए थे जब तक कि देश के लोग एक आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को जोड़ने के लिए नहीं आगे बढ़े थे। यह निर्णय 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ और भारतीय संविधान के आर्टिकल 343 के तहत देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया। जबकि भारत में 22 अनुसूचित भाषाएं हैं, उनमें से केवल दो आधिकारिक भाषाएं हैं हिंदी और अंग्रेजी।

विश्व में सम्मान पाती और आगे बढ़ती हिंदी

एनके मुरलीधर

हिंदी देश की मूल भाषा है। हिंदी मजदूरों की भाषा, फिल्मों की भाषा, आजादी की लड़ाई की भाषा है। हिंदी पढ़ी की आर्थिक संपन्नता के साथ हिंदी पूरी दुनिया में बढ़ रही है। प्रसिद्ध राजनेता देवराज अंस कहा करते थे कि मैं अच्छी हिंदी नहीं बोल पाया इस कारण कभी प्रधानमंत्री की प्रतिस्पर्धा में मुझे आत्मविश्वास ही नहीं आया। आप अगर भारत में बेहतर करना चाहते हैं तो आज कम से कम बेतहर हिंदी में संवाद की योग्यता विकसित कर लें।

वर्तमान सरकार ने तकनीकी विषयों में हिंदी को स्थापित करने का प्रयास किया है यह कितना सफल होगा यह अभी कहना उचित नहीं है लेकिन संत विनोबा भावे की एक उक्ति सही है कि आप हिंदी, अंग्रेजी और एक क्षेत्रिय भाषा के लिये बनें हैं। आपके दो कान अंग्रेजी और क्षेत्रिय भाषा है लेकिन आपका मुख हिंदी रहे तो आप संपूर्ण हो जाते हैं।

देश में हिंदी दिवस समारोह विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है और विभिन्न स्कूल, कॉलेज और कार्यालय इस दिन को मनाते



के लिए विशेष कार्यक्रम तैयार करते हैं। हिंदी दिवस का जश्न पहली बार 1949 में शुरू हुआ था जब भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को 14 सितंबर को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था भारतीय संविधान और कानून शुरू में अंग्रेजी में लिखे गए थे जब तक कि देश के लोग एक आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को जोड़ने के लिए नहीं आगे बढ़े थे। यह निर्णय 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ और भारतीय संविधान के आर्टिकल 343

के तहत देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया। जबकि भारत में 22 अनुसूचित भाषाएं हैं, उनमें से केवल दो आधिकारिक भाषाएं हैं हिंदी और अंग्रेजी।

देश में हिंदी दिवस समारोह विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है और विभिन्न स्कूल, कॉलेज और कार्यालय इस दिन को मनाते हैं। हिंदी दिवस का जश्न पहली बार 1949 में शुरू हुआ था जब भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को 14 सितंबर को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया था भारतीय संविधान और कानून शुरू में अंग्रेजी में लिखे गए थे जब तक कि देश के लोग एक आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को जोड़ने के लिए नहीं आगे बढ़े थे। यह निर्णय 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ और भारतीय संविधान के आर्टिकल 343

कई उल्लेखनीय लोगों ने पुष्टि की है कि हमारे बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक देश से एक भाषा को राष्ट्रीय भाषा घोषित करने से भारत की मूल्य प्रणाली सही नहीं होगी।

स्वतंत्रता के युद्ध से ही, देश के लिए एक भाषा का आह्वान किया गया था। विभिन्न राज्यों के मंत्रियों ने हिंदी को देश के लिए संचार की भाषा के रूप में स्वीकार किए जाने का सुझाव दी थी। भारत के उत्तरी भाग के अलावा, पश्चिमी भारत के राज्यों ने हिंदी के साथ-साथ उनकी मूल भाषा बोली और समझी। लेकिन भारत के दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी राज्यों ने हिंदी को एक विदेशी भाषा के रूप में पाया।

यही कारण है कि स्वतंत्रता के बाद हिंदी को भारत की राष्ट्रीय भाषा घोषित नहीं किया गया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुसार, हिंदी भाषा के प्रसार को बढ़ावा देना केंद्र सरकार का कर्तव्य है, ताकि वह भारत की समग्र संस्कृति के सभी तत्वों के लिए अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। हिंदी को देश की राजभाषा घोषित किए जाने के दिन ही हर साल हिंदी दिवस मनाया जा सकता है, हालांकि, बहुत से लोग हिंदी को राष्ट्रभाषा भी मानते हैं। भारत में राष्ट्रभाषा नहीं है और

त्याग और वैराग्य के प्रतीक हैं भगवान राम

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

धर्म की कथा मनोरंजक होने के साथ प्रेरणादायक होती है। कथाओं में जो गूढ़ रहस्य होते हैं उन्हें समझने की आवश्यकता है। राम कथा में जितने भी पात्र हैं उनके गुणों को अपने अंदर उतारने की आवश्यकता है। हनुमान के भाव को समझने के लिए जिस प्रकार हनुमान के दिल में राम, लक्ष्मण और सीमा को बताया जाता है वह एक बड़ा उदाहरण है। राम त्याग के प्रतिक थे, लक्ष्मण वैराग्य के प्रतिक और सीता सेवा की प्रतिक थीं। हनुमान के हृदय में त्याग, वैराग्य और सेवा कूट-कूट कर बरा था यही इस बात का संकेतात्मक उदाहरण है। आज समाज में त्याग, वैराग्य और सेवा भाव की कमी है। हनुमान की पूजा का अर्थ इन सभी गुणों का अपने अंदर स्थापना करना है। यह कैसे संभव है? यह तब संभव है जब हम इन गुणों से युक्त संत-महात्माओं की संगत करें। उनका अनुसरण करें। त्याग के बिना समाज नहीं चल सकता है। जीवन के क्रम में वैराग्य भाव आना भी आवश्यक है। लक्ष्मण जैसा वैराग्य जिन्हें कोई आवश्यकता नहीं थी कि जंगल जाये लेकिन वे राम की त्याग और सीता की सेवा का सम्मान किया। भारतीय परम्परा में भक्ति और वैराग्य का महत्व है। सामाजिक जीवन में आज भी पुरानी परम्परा ज्वाला मान्य हैं। विवाह परम्परा में लड़की को पिता लड़का के लिए अपनी पुत्री दान करता है और वह सब कुछ छोड़कर पति के घर आ जाती है। भारतीय महिलाओं के इसी त्याग के कारण



समाज को मजबूती मिली है। वैराग्य परम्परा में भी सन्यासी सब कुछ छोड़कर गुरु आश्रम में आ जाते हैं। भक्ति और ज्ञान भी समय काल और स्थितियों के अनुसार बदला है। ब्रह्म विद्यालय की चर्चा करते हुये उन्होंने कहा कि छत्रा से यह भक्ति परमहंस दयाल जी के माध्यम से टेरी वर्तमान पंजाब तक प्रसारित हुई। पंजाब में विकसित हुई और फिर काशी होती हुई बक्सर आ गई। अठारहवीं सदी के मध्य से अब तक लगातार संत महात्माओं, ब्रह्म ज्ञानियों की परम्परा में सन्यासी बनते रहे। भक्ति का सबसे सरल और सुगम मार्ग होने के साथ कोई भी कर्म कांड स्वीकार नहीं किया गया। सन्यास का अर्थ समाज से दूर होना या भागना नहीं है। सन्यास का अर्थ समाज में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का प्रचार प्रसार करते हुये जीव की मुक्ति के लिए उन्हें प्रेरित करना है। पूरी दुनिया में भारत से ही संत परम्परा फैली है। भौतिक साधनों का अंत नहीं है लेकिन जीव और जीवन का अंत होता है। इसलिए जीवन के अंत को भवहीन और चिंता से ज्ञान के बल पर ही मुक्ति पायी जा सकती है।

(ब्रह्म विद्यालय एवं आश्रम छोटका राजपुर, बक्सर, बिहार शाखा कुटी रांची)

तुलसी साहित्य के अन्यतम अध्येता - फादर कामिल बुल्के



विनोद सिंह गहरवार

तैसेहिं सुकबि कबित बुध कहहीं। उपजिहिं अनत अनत छबि लहहीं।। की युक्ति को अक्षरशः चरितार्थ करने वाले, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संस्कृति के अलौकिक अग्रदूत, रामचरित मानस के अन्यतम अध्येता, गोस्वामी तुलसीदास एवं महर्षि वाल्मीकी के आदर्शों को इस धरा-धाम पर

प्रसारित-प्रचारित करने वाले सिद्धहस्त लेखक तथा सर्वधर्म समभाव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने वाले सच्चे सुचेता, हिन्दी साहित्य के मूर्धन्य साहित्यकार फादर कामिल बुल्के का जन्म 01 सितंबर, 1909 को बेल्जियम के रम्सकपैल गाँव में भले ही हुआ था पर उनको लोक कविता के रूप में मिला। सच पूछो तो वे एक शिक्षक के रूप में ईसाई धर्म के प्रचार प्रसार के लिए भारत आए थे। पर हिंदी की दिव्यता और रामचरितमानस की पवित्रता से इतना प्रभावित हुए कि सब कुछ छोड़कर मीरा की तरह पायोजी मैंने राम रतन धन पायो का अनुशीलन कर विज्ञान के शिक्षक होकर भी हिंदी से प्रेम करने लगे। उनका हिंदी प्रेम इतना परवान चढ़ा कि 1947 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हिंदी

साहित्य में एम०ए० फिर वही से माता प्रसाद गुप्त के मार्गदर्शन में 1949 में राम कथा के विकास विषय पर पी० एच०डी० किये जो बाद में राम कथा उत्पत्ति: और विकास किताब के रूप में चर्चित हुई। इसके बाद तो वे राम कथा में इतना रम गए कि... तुलसी सर नाम गुलामु है राम को जाको रुचे सो कहै कछु कोऊ मागि के खैबो मसीत को सोइबो लैवे को एकु न देवै को दोऊ के मंगल पथ के मंगल पथिक बन राम कथा, मुक्तिदाता तथा मानस कोमुदी जैसी पुस्तकों की रचना की। अंग्रेजी हिन्दी कोश हिन्दी साहित्य को उनकी अनुपम देन है। फादर बुल्के के हृदय में

रामचरित मानस के प्रति अथाह सागर उमड़ता रहता था, जो आज भी हिन्दी साहित्यनुरागियों के लिए चरणामृत का काम कर रहा है। उसका पान कर आज भी लोग धन्य- धन्य हो रहे हैं। उनके महान व्यक्तित्व और कृतित्व को पढ़ने के बाद ऐसा लगता है कि, जो संकल्प, अटूट, निष्ठा और निस्वार्थ समर्पण तुलसी दास जी के हृदय में राम के लिए थी, वही निष्ठा फादर बुल्के के हृदय में रामचरित मानस के लिए थी.... हम चाकर रघुवीर के, पटौ लिखो दरबार। अब तुलसी का होहिगे, नर के मनसबदार।। अर्थात्, अगर चाकरी ही करनी है, तो रघुनाथ की करनी है, किसी और की नहीं। ठीक यही स्थिति फादर बुल्के के साथ थी। उन्हें भी समस्त

मानवता की सेवा राम चरित मानस के माध्यम से जीवनपर्यंत करनी थी इसलिए वे धर्म के संकरे चारदीवारी से बाहर निकल, रपरहित सरिस धर्म नहीं भाईरको अपनाया जो रामचरित मानस का बीज मंत्र है वो ये मान कर चले कि परमार्थ रामचरित मानस के बिना नहीं किया जा सकता, बात भी सही है..... राम नाम अलम्ब बिना, परमार्थ की आस। बरसत बारिद बुंद गही, चाहत चढ़न आकाश।। इसलिए उन्होंने राम चरितमानस का केवल अध्ययन ही नहीं किया बल्कि उस पर शोध किया, आत्म मंथन किया और मंथन के उपरांत निकले अमृत को जन-जन तक बांटने की कोशिश की वि हमें उपदेश देते हैं कि, यदि सुख की प्राप्ति करनी है या मानवता की सेवा करनी है

तो मानस को छोड़ कहीं अन्यत्र जाने की जरूरत नहीं है। जिस तरह से चातक अपने पुत्र को, अपने कुल धर्म की शिक्षा देता है, कि उनके कुल की मयार्दा है कि स्वाति नक्षत्र के जल के सिवाय वे किसी दूसरे जल से अपनी प्यास नहीं बुझा सकते। इसी तरह हम रामचरितमानस के सिवाय किसी अन्यत्र के द्वारा अपने अध्यात्मिक, नैतिक सांस्कृतिक, सामाजिक या मानवीय उद्देश्यों की प्यास नहीं बुझा सकते।..... सुतहि सिखावहीं, आन धर्म जिन लेहु। मेरे कुल की बानि है, स्वाति बूंद से नेहु।। राम चरित मानस रूपी स्वाति बूंद से नेह रखने वाले, चातक, फादर बुल्के को कोटि-कोटि नमन। (केम्ब्रियन स्कूल रांची)

नए अछूत

वासुकीनाथ पाण्डेय

हमको देखो हम सवर्ण हैं भारत माँ के पुत हैं, लेकिन दु:ख है अब भारत में, हम सब 'नए अछूत' हैं;

सारे नियम सभी कानूनों ने, हमको ही मारा है; भारत का निमाता देखो, अपने घर में हारा है; नहीं हमारे लिए नौकरी, नहीं सीट विद्यालय में; ना अपनी कोई सुनवाई, संसद में, न्यायालय में; हम भविष्य थे भारत माँ के, आज बने हम भूत हैं; बेहद दु:ख है अब भारत में; हम सब 'नए अछूत' हैं;

'दलित' महज आरोप लगा दे, हमें जेल में जाना है; हम-निर्दोष, नहीं हैं दोषी, ये सबूत भी लाना है; हम जिनको सत्ता में लाये, छुरा उन्हींने भोका है, हमले कानूनों की भट्टी, में हम सब को झोका है; किसको चुनें, किन्हें हम मत दें?

सारे ही यमदूत हैं; बेहद दु:ख है अब भारत में; हम सब 'नए अछूत' हैं;

प्राण त्यागते हैं सीमा पर, लड़ कर मरते हम ही हैं; अपनी मेधा से भारत की, सेवा करते हम ही हैं; हर सवर्ण इस भारत माँ का, एक अनमोल नगीना है; अपने तो बच्चे बच्चे का, छपन इंची सीना है; भ्रम हमारी महाकाल से, लिपटी हुई भभूत है; लेकिन दु:ख है अब भारत में, हम सब 'नए अछूत' हैं..

देकर खून पसीना अपना, इस तुल्यता को सींचा है; दूबा देश रसातल में जब, हमने बहारे खींचा है; हमने ही भारत भूमि में, धर्म-ध्वजा लहराई है; सोच हमारी नभ को चूमे बातों में गहराई है; हम हैं त्यागी, हम बैरागी, हम ही तो अवधूत हैं; बेहद दु:ख है अब भारत में, हम सब 'नए अछूत' हैं (समाज के सभ्य बंधुओं को समर्पित ?

अवसादग्रस्त लोगों को दिखानी होगी सही राह

(विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस/10 सितंबर विशेष) योगेश कुमार गोयल दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से द्वाविश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन (आईएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिनों एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या को रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2023 की थीम है द्वाकिरिगिंग होप थ्रू एक्शन। इस थीम का उद्देश्य अपने काम के जरिये लोगों के बीच हम सब 'नए अछूत' हैं। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदाक कदम उठा बैठते



हैं। लोगों में जीवन से निराशा होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। कोरोना काल में लोगों में हताशा और निराशा ज्यादा बढ़ी, जिससे आत्महत्या का प्रतिशत भी लगातार बढ़ा। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2021 में भारत में

आत्महत्या के मामलों को लेकर द्वाभारत में आकस्मिक मौतें जब आत्महत्याएं-2021 में रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक 2021 में देश में 164033 लोगों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या करियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। इस रिपोर्ट से साफ है कि कोरोना के कारण आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव, पारिवारिक कलह, रिश्तों में टूटन तथा बीमारी से परेशानी सहित कई अन्य कारणों के चलते देश में 2021 में आत्महत्या का आंकड़ा 2020 के मुकाबले करीब 7.2 फीसदी बढ़ा। 2020 में 153052 लोगों ने आत्महत्या की थी। मनोचिकित्सकों के मुताबिक इंसान को कोरोना ने शारीरिक रूप से जितना बीमार किया, उससे कहीं ज्यादा मानसिक तनाव दिया है। छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को करियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं।

संस्थापक स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक, प्रकाशक

मंजू सिंह

द्वारा चित्रांदा, बोधेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक

अविनाश ठाकुर*

फोन : 95708-48433

पिन: -834006

e-mail

khabarmantra-city@gmail.com

R.N.I.No.

JHAHIN2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

आग से जलते जंगल और नकली बारिश

अभिषेक कुमार सिंह

वृत्तीय राज्य उत्तराखंड से एक बार फिर प्राकृतिक आपदा के समाचार हैं। इस बार आपदा बाढ़, अत्यधिक बारिश, बर्फ और भूस्खलन की नहीं, बल्कि दवानल के घघक उठने की है। हर साल की तरह इस बार भी मार्च-अप्रैल का सूखा सीजन आते ही यहां के बड़े इलाके में जंगल आग की लपटों में धिर गए हैं। दावा किया जा रहा है कि इस राज्य में लगभग 1.5 हज़ार हेक्टेयर भूमि पर लगे वनों को विनाशक आग स्वाहा करने को आमादा है। संकट सिर्फ जंगलों के खत्म हो जाने का नहीं है, बल्कि इससे वन्य जीव-जंतुओं, बहुमूल्य वनस्पतियों, इमारती लकड़ी के अलावा समूचे पर्यावरण और जैव विविधता के खतरे में पड़ जाने का है। यही कारण है कि इस मामले का संज्ञान लेते हुए उत्तराखंड हाईकोर्ट

ने राज्य सरकार से त्वरित कार्रवाई करने और जरूरी होने पर कृत्रिम वर्षा का सहारा लेने की बात कही है। वैसे तो जंगल की आग थामने के कई उपाय हैं। सरकारें और वन विभाग उन्हें अमल में लाने और दवानल पर अंकुश रखने का दावा भी करते रहे हैं, लेकिन कृत्रिम वर्षा से जंगल की आग रोकने का विचार अपेक्षाकृत नया माना जाएगा क्योंकि देश में अभी इसके उदाहरण आम तौर पर नहीं मिले हैं।

इस विषय पर एक जनहित याचिका दायर की गई। इस याचिका पर स्वतः संज्ञान लेते हुए उत्तराखंड हाईकोर्ट ने वैसे तो कई उपायों पर अमल नहीं होने को लेकर राज्य सरकार को कठपंरे में खड़ा किया। जैसे, यह पूछा कि वर्ष 2017 में उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग के दौरान राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) द्वारा जारी 12 बिंदुओं वाले दिशानिर्देशों पर आज तक अमल क्यों नहीं

पर्यावरण

हुआ। अदालत ने इन दिशानिर्देशों को 6 महीने में लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही वनानि से निपटने के लिए स्थायी व्यवस्था करने का सुझाव देते हुए राज्य सरकार से पूछा कि क्या वह इस आग पर काबू पाने के लिए कृत्रिम वर्षा तकनीक का सहारा ले सकती है। इस सुझाव पर अमल की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए अदालत ने यह सावधानी बरतने को भी कहा कि कहीं कृत्रिम वर्षा से राज्य की भौगोलिक अवस्था पर कोई असर तो नहीं पड़ेगा। अदालत की इस सुझाव की सराहना की जानी चाहिए क्योंकि उसने उत्तराखंड की भौगोलिक संरचना को ध्यान में रखते हुए ही कृत्रिम वर्षा तकनीक की आजमाइश के संबंध में सलाह दी है। इस समझदारी की जरूरत इसलिए है

क्योंकि कई अन्य देशों (खासतौर से चीन) के उदाहरणों का हवाला देकर हमारे देश में कृत्रिम वर्षा कराने की मांग अक्सर की जाती रही है। इसके लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के प्रोजेक्ट पर आईआईटी ने तैयारी पूरी कर ली थी। कृत्रिम बारिश कराने के लिए इसरो (इंडियन साइंस एंड रिसेर्च ऑर्गेनाइजेशन) से एयरक्राफ्ट मिलने और आईएमडी (भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र) से डाटा आईआईटी कानपुर को उपलब्ध कराने का दावा भी किया गया था। कहा जा रहा था कि कृत्रिम बारिश की मदद से हवा के जहरीले कणों की सफाई कर दी जाएगी, जिससे यहां की हवा सांस लेने के योग्य हो जाएगी। हालांकि इस योजना पर अमल नहीं हो सका, लेकिन अब यह विचार एक बार फिर उत्तराखंड हाईकोर्ट द्वारा जंगल की आग बुझाने के संदर्भ के साथ चर्चा में आ गया है।

क्योंकि कई अन्य देशों (खासतौर से चीन) के उदाहरणों का हवाला देकर हमारे देश में कृत्रिम वर्षा कराने की मांग अक्सर की जाती रही है। इसके लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के प्रोजेक्ट पर आईआईटी ने तैयारी पूरी कर ली थी। कृत्रिम बारिश कराने के लिए इसरो (इंडियन साइंस एंड रिसेर्च ऑर्गेनाइजेशन) से एयरक्राफ्ट मिलने और आईएमडी (भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र) से डाटा आईआईटी कानपुर को उपलब्ध कराने का दावा भी किया गया था। कहा जा रहा था कि कृत्रिम बारिश की मदद से हवा के जहरीले कणों की सफाई कर दी जाएगी, जिससे यहां की हवा सांस लेने के योग्य हो जाएगी। हालांकि इस योजना पर अमल नहीं हो सका, लेकिन अब यह विचार एक बार फिर उत्तराखंड हाईकोर्ट द्वारा जंगल की आग बुझाने के संदर्भ के साथ चर्चा में आ गया है।

अब ऐसे पढ़ेगी बेटा आगे ...



कार्टून वर्ल्ड

साभार कार्टूनवर्ल्ड डॉटकॉम

स्पीड न्यूज

राधा गोविंद विवि में शिक्षक सम्मानित



रामगढ़। राधा गोविंद विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में शनिवार को शिक्षक ह्वे सम्मानित। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. रंजन कुमार, अनिल कुमार केसरी, पवन कुमार सहित अन्य व्याख्यातागण और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। समारोह का शुभारंभ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। शिक्षकों के सम्मान में विद्यार्थियों द्वारा कई रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी की गई।

सेमीफाइनल में पहुंचा रजरप्पा प्रोजेक्ट



रजरप्पा। कुदरुकला के महथा बगीचा मैदान में आयोजित झारखंड प्रतिभा फुटबॉल टूर्नामेंट के तहत रजरप्पा प्रोजेक्ट बनाम पतरातू के बीच रोचक मुकाबला हुआ। जिसमें रजरप्पा प्रोजेक्ट की टीम 2-0 से विजय हुई। इसके बाद दूसरा मैच मगनपुर बनाम डबलावेड़ा के बीच खेला गया। जिसमें मगनपुर की टीम ने 2-0 से जीत हासिल की। तत्पश्चात सेकंड राउंड का खेल रजरप्पा बनाम मगनपुर के बीच खेला गया, जिसमें रजरप्पा की टीम तीन गोल से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंचा। रामगढ़ प्रखंड के उपप्रमुख पुनीता देवी ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि गांव क्षेत्रों में इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन होने से युवाओं को अपने प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिलता है।

आत्महत्या का प्रयास गलत कदम : डॉ सिद्धार्थ



भुरकुंडा। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर शनिवार को श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन रिनापास के मनोचिकित्सक डॉ सिद्धार्थ सिन्हा, स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया व काउंसलर मुखार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ सिन्हा ने कहा कि अयसाद, मानसिक विकार, नशे का सेवन, अत्यधिक तनाव, सामाजिक या पारिवारिक अलगाव आदि वजहों से लोग आत्महत्या जैसे कदम उठा लेते हैं। आत्महत्या का प्रयास गलत कदम है। इसे रोकने के लिए मनुष्य के अंदर इन लक्षणों को पहचान कर उसे उवटरे के संपर्क में लाना आवश्यक है, ताकि समय पर उसका इलाज हो सके।

भाजपा-आजसू को जनता ने दिया जवाब : बेदिया

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह झारखंड राज्य परिषद प्रधिकार सदस्य संजीव कुमार बेदिया ने दुमरी उप चुनाव में पार्टी प्रत्याशी बेबी देवी की जीत पर बधाई देते हुए इसे जनता का जीत बताया है।

उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व पार्टी के कदावर नेता रहे पूर्व शिक्षा मंत्री स्व जगरनाथ महतो द्वारा राज्य में अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाने पर जनता ने अपनी मुहर लगाकर भाजपा-आजसू गठबंधन को मुंहतोड़ जबाब दे दिया है। यह जीत विकास का परिणाम है। श्री बेदिया ने कहा कि आने वाले 2024 के लोकसभा व विधानसभा चुनाव में बीजेपी व आजसू को जनता पूरी तरह नकार देगी। यह जीत आने वाले चुनाव में इंडिया गठबंधन की पूरे देश में जीत के लिए नया संदेश भी देगा। इधर बेबी देवी की जीत पर झामुआ सहित सहयोगी दलों में खुशी की लहर है। लोग मिठाई बांटकर खुशी जता रहे हैं। हर्ष व्यक्त करने वालों में ग्यास खान, संजय वर्मा, मुकेश राउत, उदय मालाकार, इमामुल अंसारी, हरिलाल बेदिया, योगेंद्र यादव, वीरेंद्र यादव, नंदकिशोर मुंडा सहित दर्जनों लोग शामिल हैं।

चिकोर पैक्स में क्षतिपूर्ति के लिए 551 किसानों ने दिया आवेदन



भुरकुंडा (रामगढ़)। चिकोर पैक्स कार्यालय भुरकुंडा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2018 एवं 2019 के लंबित क्षतिपूर्ति राशि आवेदन भरने के लिए किसानों की भीड़ लगी हुई है। शनिवार को भी आवेदन भरने के लिए दर्जनों किसानों की भीड़ उमड़ी रही। उवत जानकारी देते हुए चिकोर पैक्स अध्यक्ष शैलेश कुशवाहा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2018 एवं 2019 का किसानों के खाते में राशि भेजी जानी है। इसके लिए सबों को किसान घोषणा पत्र जमा करना है। उन्होंने बताया कि चिकोर पैक्स में अब तक 551 किसानों का आवेदन जमा किया जा चुका है।

लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भाजपा को करें मजबूत : बाबूलाल

भाजपा की संकल्प यात्रा पहुंची हजारीबाग विधानसभा, नगवां में मरांडी का हुआ अभूतपूर्व स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। भाजपा की संकल्प यात्रा शनिवार को हजारीबाग पहुंची। जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में लुटेरे दलालों और बिचौलियों की सरकार चल रही है। 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा को मजबूत करें। हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा की संकल्प यात्रा का मकसद हेमंत हटाओ-झारखंड बचाव है। हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि सुबह से बारिश होने के बावजूद



संकल्प यात्रा में हमारा जन सैलाब इस बात की गवाही दे रहा है कि राज्य की गठबंधन सरकार से जनता त्रस्त है। मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल ने कहा कि भाजपा की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रही है। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि झारखंड के आने वाले उम्मीद की

किरण के रूप में बाबूलाल मरांडी को जनता देख रही है। बरही के पूर्व विधायक मनोज यादव ने कहा कि जिस प्रकार संकल्प यात्रा में जनता का सैलाब है निश्चित रूप से वह आने वाले समय में वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकेगा। मौके पर सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

इससे पहले जिला स्कूल के मैदान में भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में मरांडी सहित अन्य नेताओं का किया गया स्वागत। उन्होंने कहा कि झारखंड में नेतृत्व परिवर्तन की लहर संकल्प यात्रा में बखूबी दिख रही है। बीजेपी के पक्ष में जनता ने मन बना लिया है।

बाबा गणीनाथ गोविंद जी का वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मना

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। पटेलनगर भुरकुंडा स्थित मारवाड़ी धर्मशाला में शनिवार को मध्यदेशीय विकास समिति के तत्वावधान में श्रीश्री 1008 श्री बाबा गणिनाथ गोविंद जी का वार्षिक महोत्सव धूमधाम व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इसकी शुरुआत पुरोहित आएन प्रसाद ने पूरे विधि-विधान किया। श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। समारोह का शुभारंभ मध्यदेशीय विकास समिति के अध्यक्ष रमेश प्रसाद गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षा पर जोर देते हुए अपनी बच्चियों को उच्च शिक्षा दिलाने, संस्कार सहित समाज की एकजुटता बनाए रखने की अपील की। बच्चियों व बच्चों ने एक से



बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। इस दौरान आकर्षक झांकी भी निकाली गई। सफल प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा मेडल, ट्रॉफी व उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूजा समिति के अध्यक्ष डब्लू गुप्ता, उपाध्यक्ष रमन गुप्ता, सचिव विक्की गुप्ता, सहसचिव संजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता, सह कोषाध्यक्ष अनंत गुप्ता, मीडिया प्रभारी अभिषेक गुप्ता, रोहित गुप्ता, पिंटू गुप्ता सहित समाज के दर्जनों लोगों का विशेष योगदान रहा।

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। मलकोको में झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी ने रोजगार मेला लगाया। मलकोको पंचायत के 18 से 35 साल के युवा युवतियों को प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार हेतु रजिस्ट्रेशन कराया गया। रोजगार मेला की अध्यक्षता मुखिया संघ अध्यक्ष सह स्थानीय मुखिया विजय कुमार यादव ने किया।

इस कार्यक्रम के विषय में विस्तृत जानकारी बोंगा आईटीआई के प्राचार्य चन्दन सिंह समेत विभिन्न शिक्षकों के द्वारा दिया गया। जिसका पुनः काउंसलिंग 12 सितंबर को समय 12 बजे से शाम 5 बजे तक मलकोको पंचायत भवन में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी युवक युवती छूट गए हैं वे लोग 12 सितंबर को समय 12 बजे से 5 बजे तक पहुंचकर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं और रोजगार पा सकते हैं। इस कार्यक्रम में

मलकोको में कौशल विकास योजना के तहत रोजगार मेला



सुचिता कुमारी, जगदीश महतो, ममता कुमारी, कविता कुमारी ट्रेनर के रूप में उपस्थित हुए।

मुखिया विजय यादव ने कहा कि रोजगार मेला से स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में एआईएमआईएम बरही विधानसभा प्रभारी सूरज दास, उपमुखिया प्रतिनिधि फिरोज निजामी, शिक्षक मो अजहरुदीन, डीलर जहूर अंसारी, वार्ड सदस्य नोवेश्वर रविदास, सुरेन्द्र पासवान, ग्राम बेलादोहर से पूनम देवी सहित अन्य लोग शामिल हुए।

मुखिया के आवेदन पर पंचायती राज निदेशक ने लिया संज्ञान

खबर मन्त्र संवाददाता

केरेंडारी। पांडु मुखिया सकीबा खातून के सौंप गए ज्ञान पर पंचायती राज निदेशक ने संज्ञान लेते हुए जिला उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हजारीबाग के नाम पत्र जारी किया है। पंचायती राज उप निदेशक ने संदीप दुबे ने पत्र में कहा है कि पंचायती राज निदेशक के निर्देशानुसार उपयुक्त विषय में कहना है कि हजारीबाग जिला के केरेंडारी प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पांडु के पंचायत भवन तोड़ जाने के पूर्व पंचायत के मुखिया सकीबा खातून समेत अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त

पंचायत भवन तोड़ने से पूर्व नये बनाने का दिया निर्देश



अभ्यावेदन के आलोक में पंचायत भवन तोड़े जाने के पूर्व नए पंचायत भवन की निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाए। अभ्यावेदन में लिखा है कि पंचायत भवन तोड़े जाने के पूर्व संबोधित विभाग से एनओसी प्राप्त कर लिया जाय।

पंचायत भवन तोड़े जाने के फल स्वरूप संबोधित विभाग ऐजेंसी/कंपनी से क्षतिपूर्ति राशि और शिफ्टिंग चार्ज प्राप्त कर ली जाय। नए पंचायत भवन निर्माण हेतु भूमि की पहचान कर पंचायत भवन निर्माण सुनिश्चित की जाय। अभ्यावेदन में उल्लेखित है कि ग्राम पंचायत पाण्डु के सभी गांव पूर्ण विस्थापित नहीं है। अतः पंचायत भवन का निर्माण हेतु स्थल का चयन संबोधित ग्राम पंचायत के अंतर्गत ही कराई जाय। ग्राम पंचायत के पंचायत सचिवालय से संबोधित कार्य के संपादन हेतु संबोधित मुखिया की सहमति से वैकल्पिक व्यवस्था /भवन सुनिश्चित किया जाय।

अधिकारी की लालफीताशाही से जनता त्रस्त

विष्णुगढ़। प्रखंड में एक अफसर को लेकर फिर से हलचल है। इस अफसर की कार्यशैली से त्रस्त जनता हुंकार भरने की तैयारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक अधिकारी की लालफीताशाही और अनकड़े व्यवहार से जनता परेशान है। अंदरखाने से जो चर्चा छन के सामने आ रही है उससे पता चल रहा है कि उनकी कार्यशैली के कारणा विष्णुगढ़ में माफिया राज को बढ़ावा दिया जा रहा है। अफसर साहब खुद ऑफिस समय पर पहुंचे या ना पहुंचे लेकिन उनके गुर्गों स-समय ऑफिस पहुंचकर उनका कार्य अच्छे से संचाल रहे हैं। सबसे मजेदार बात यह है कि उन्होंने अपने एक रिश्तेदार को कार्यालय में कार्य करवाने के

लिये एजेंट बनाया हुआ है। ये रिश्तेदार ही उनकी बही-खाता को संचाल रहे हैं। जानकार बताते हैं कि रिश्तेदार जो हैं वे कार्यालय के बाबुओं के कुर्सी के बगल में हर दिन बैठ कर विभाग के कार्य को मॉनिटरिंग करते हैं। उनके आदेश के बिना विभाग की कोई फाइल पास नहीं हो सकती है। बताया जाता है कि अफसर साहब की पहुंच और पावर का आलम यह है कि बड़े अधिकारी भी इनके खिलाफ एक्शन लेने से कतराते हैं। विभाग में कार्य करने वाले स्टाफ भी उनके कार्यशैली से काफी नाराज हैं। ग्रामीणों ने कहा कि स्थिति में अफसर सुधार नहीं हुई तो बहुत जल्द इस अफसर के खिलाफ बड़ा आंदोलन होगा।

गजिनाथ की जयंती मनावेगा वैश्य समा

हजारीबाग। हजारीबाग। संत शिरोमणि कुल देवता बाबा गजिनाथ गोविंद का पूजन समारोह एवं जयंती 23 सितंबर को श्री मध्यदेशीय वैश्य हलवाई पंचायत जिला इकाई मनाएगा। समारोह का आयोजन मुनका बगीचा धर्मशाला में किया जाएगा। अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि समारोह को लेकर एक कमिटी का गठन किया गया है। इसमें राजेश गुप्ता, प्रीत गुप्ता, कुलदीप कृष्णा, संजीव कुमार गुप्ता आदि शामिल हैं।

जर्जर भवन में बच्चे पढ़ने को विवश

बरकाकाना। केंद्रीय व राज्य सरकार द्वारा सभी बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराई जाने को लेकर शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2010 लागू किया गया। ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा प्राप्त हो सके। जिसे लेकर सरकार द्वारा शिक्षा विभाग को लाखों करोड़ों रुपए आवंटित की जाती है। रामगढ़ जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण पतरातू प्रखंड के अंतर्गत आने वाले आदिवासी बहुल क्षेत्र सिद्धवार गांव में देखने को मिला। जहां राजकीय प्राथमिक विद्यालय में वर्ग 1 से लेकर 5 तक के बच्चों को शिक्षा दी जाती है। इस विद्यालय में कुल 155 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण बच्चे जर्जर विद्यालय भवन में



जमीन पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करने को विवश है। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य जयश्री बेदिया द्वारा बताया गया कि विद्यालय में कुल चार कमरा है। तीन कमरों में बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। जबकि एक कमरा में बच्चों को कंप्यूटर का ज्ञान दिया जाता है। चार कमरों में से एक कमरा जर्जर अवस्था में है। जिसमें बरसात के दिनों में पानी टपकता रहता है। मात्र दो कमरों में 155 बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में कोशिश की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी शिकायत शिक्षा विभाग के

विद्यालय के कमरे से टपकता है बरसात का पानी, खुले आसमान के नीचे बनता है मध्याह्न भोजन

पदाधिकारी को दिए जाने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। विद्यालय के रसोइयों ने बताया कि बच्चों के लिए मध्यान भोजन खुले आसमान के नीचे बनाने पर विवश है। बरसात में मध्यान भोजन बनाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बच्चों को पानी भर रास्ता से गुजर कर विद्यालय पहुंचने पर विवश हैं। क्या कहते हैं जिला शिक्षा अधीक्षक : जिला शिक्षा अधीक्षक से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस तरह के समस्या के संबंध में मेरे संज्ञान में नहीं आया है। इस संबंध में जांच करवा कर बच्चों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

एक नजर में

इचाक : निःशुक्ल डेंटल जांच शिविर

इचाक। प्रखंड के डाडीघाघर पंचायत के फुकन्दी चौक में मुखिया नंदकिशोर कुमार उर्फ नन्दू मेहता के प्रयास से निःशुक्ल डेंटल जांच शिविर लगा। जांच शिविर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस एंड हॉस्पिटल के द्वारा लगाया गया। शिविर में 8 चिकित्सकों की टीम जांच किया। जिसमें सुबह करीब साढ़े 10 बजे से शाम 3 बजे तक 70 रोगियों की जांच की गयी। इसमें दांत की सफाई, दांत निकलना, रक्त चाप, मधुमेह, की जांच हुई। जिन चिकित्सकों की टीम भाग लिया उनमें डॉ निषाद गवाली, डॉ सोन्या राज, श्रेया प्रयाग, डॉ अविनाश कृष्णा, डॉ सीमा परवीन, डॉ सैमा नवरोज, डॉ रिंतिका प्रसाद एवं डॉ पार्वती कुमारी शामिल थे।

विधायक ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

बरही। प्रखंड अंतर्गत करियातपुर पंचायत के शिवपुर में विधायक उमाशंकर अकेला ने 100 केवीए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। मौके पर विधायक श्री अकेला ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली लोगों के लिए अनिवार्य है। इसके नही रहने से जीवन की सभी गतिविधियां ठप हो जाती है। इसके बिना जीना बहुत कठिन है। मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, पेयजल एवं स्वास्थ्य विधायक प्रतिनिधि सह स्थानीय मुखिया मनोज कुमार, विधायक प्रतिनिधि मो वारिस, राजू राणा, बिरेंद्र यादव, मनोज यादव, पुराण राम, मोहन प्रजापति, ललन राणा, अजय प्रजापति, राजीव रंजन सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

बरही। कांग्रेस झारखंड प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा मंजूर अंसारी का बरही चौक पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। साथ ही दुमरी विधानसभा उपचुनाव में इण्डिया गठबंधन के जीत पर पटाखे फोड़कर खुशी मनाया। अंसारी ने कहा कि दुमरी अभी झांकी है 2024 बाकी है। देश में पूरी तरह से इंडिया गठबंधन तैयार है। मौके पर मुमताज खान, मुख्तार खान, जावेद रजा, रुस्तम अली प्रदेश सचिव, कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, इकबाल रजा सहित अन्य लोग शामिल थे।

पीएचइडी के कई योजनाओं का निरीक्षण

बरही। पीएचइडी विभाग के विभिन्न योजनाओं बरही बीडीओ क्रिस्टीना रिचा इंदवार ने स्थल निरीक्षण करने उपोक व विजेया पंचायत के विभिन्न गांव में पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान बीडीओ ने पीएचइडी से जल नल निर्माण को लेकर निरीक्षण करते हुए कई प्रकार की कमियां पाई उन्हीं विभिन्न योजनाओं में खामी नजर आई जिसके तहत कनीय अभियंता को मुख्यरूप से दिशा निर्देश दिया। साथ ही बीडीओ ने जल-नल योजना को लेकर संवेदक को कई दिशा निर्देश दिया। उनके साथ उप प्रमुख देवलाल कुशवाहा, सहायक अभियंता जेई विमल, जेई आसिफ अकरम, जेई बिरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

बहेरा पंचायत में पांच सुकर का वितरण

चरही। चूरपु प्रखंड के ग्राम पंचायत बहेरा में मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत सुकर पालन के लिए लाभुक मिना देवी पति सुरेश महतो के बीच पांच सुकर का वितरण किया गया। यह वितरण बहेरा मुखिया के द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि सुकर पालन करने से अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। बहेरा पंचायत मुखिया देवकी महतो, भ्रमणशील चुरपू चिकित्सक पदाधिकारी राजेश कुमार, डॉ. राजेश कुमार वर्मा, मीनू सिंह, महेश कुमार, श्यामलाल महतो, अजरुदीन सहित लाभुक उपस्थित थे।

चरही में गणेश महोत्सव को लेकर बैठक

चरही। गणेश महोत्सव को धुमधाम से मनाने को लेकर शनिवार को बैठक की गई। इस संबंध में हर पहलू पर चर्चा की गई। इसके लिए समिति का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष प्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष गौतम सोनी, सचिव विनाद टाकुर, उप सचिव संतोष रविदास, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार साहू, उप कोषाध्यक्ष सिंदू वर्मा, पूजा प्रभारी शिवानंद तिवारी और शंकर सोनी, साज-सज्जा प्रभारी सिंदू वर्मा, गौतम सिंह, शंकर सोनी, संतोष रविदास तथा व्यवस्थापक प्रमुख रवि मिश्रा, मनीष एवं राकेश बाबा को सर्वसम्मति से चयन किया गया।

मुखिया ने किया आंगनबाड़ी व स्कूल का निरीक्षण

दारू। दारू पंचायत के मुखिया सुनील कुमार उर्फ भोला के द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र एवं राजकीय मध्य विद्यालय दारू कन्या का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र के सैठिका और सहायिका को बताएं कि मेनू के हिसाब से बच्चों को खाना देना है और जो मेनू चार्ट है उसकी पारदर्शिता होनी चाहिए। मुखिया के द्वारा राजकीय मध्य विद्यालय दारू कन्या में पढ़ाई के संबंध में भी प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों से मिल कर बच्चों की पढ़ाई पर शक्ति बरतने को कहा और उपस्थित को लेकर भी चर्चा किया। स्कूल में मध्यान भोजन जो दिया जाता है वह चार्ट मेनू के हिसाब से बच्चों को दिया जाए।

झारखण्ड राज्य ग्रामीण पथ विकास प्राधिकरण (JSRRDA)

एफ०एफ०पी० भवन, तृतीय तल्ला, धूर्वा, राँची - 834004, झारखण्ड

अल्पकालीन ई-पुनःनिविदा आमंत्रण सूचना (2nd Call)

PR No.- 304820 Dated : 17.08.2023

अल्पकालीन ई-पुनःनिविदा संख्या:- 73/2023-24 दिनांक :- 08.09.2023

मुख्य अभियंता, जे०ए०स०आर०आर०डी०ए०, राँची द्वारा निम्नविवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	आवेदन/विधेयक संख्या / फोडर संख्या	प्रकार का नाम	कार्य का नाम	अंक में (लाख में)	अंतर में (रुपये में)	कार्य सम्पत्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	JH-M-JAM-04/2023-24	नासा	1 शरदा से मुदाह तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 3.050 कि०मी०)	1074.012	दस करोड़ पौचस लाख एक हजार दो सौ 83 लाख	09 महीना
		नासा	2 कुरकीह से गवाकीह तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 3.250 कि०मी०)			
		नासा	3 मोहनपुर डेमट्टी पथ से चिट्टेढोडी तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 1.500 कि०मी०)			
		नासा	4 मोहनपुर डेमट्टी पथ से निम्बरा तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 3.250 कि०मी०)			
		नासा	5 कोवलीताल से लतुवकीह तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 3.090 कि०मी०)			
		नासा	6 बरकीह से सिमलकुडी तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 1.900 कि०मी०)			
		नासा	7 मुनरीया से सीतलकुडी तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 2.000 कि०मी०)			
		नासा	8 मुनरीया से बानुपुर तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 1.950 कि०मी०)			
		नासा	9 मुनरीया से सिंदूरकीहोडी तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 1.350 कि०मी०)			
		नासा	10 बंगलाहा मुनरीया मेन रोड टेराकोरिया से टेराकोरिया या तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 2.000 कि०मी०)			
		नासा	11 डेसलटोड से बेरलकुडी तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 3.400 कि०मी०)			
		नासा	12 मोहनबक से डगमारवाट तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 4.530 कि०मी०)			
		नासा	13 मुनरीया से हरिलाला तक पथ का विधेयक मरम्म्ती कार्य। (लं० - 3.450 कि०मी०)			

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:- 12.09.2023
3. ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:- 20.09.2023 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. (क) मुख्य अभियंता, जे०ए०स०आर०आर०डी०ए०, राँची, एफ०एफ०पी० भवन, तृतीय तल्ला, धूर्वा, राँची - 834004, झारखण्ड (ख) जिला निरक्षण कक्ष, राँची अथवा (ग) जिला निरक्षण कक्ष, जामताड़ा में से किसी भी कार्यालय में निविदा शुल्क एवं अग्रपान की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:- 21.09.2023 अपराह्न 3.30 बजे तक।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रपान की राशि राईड पोस्ट के माध्यम से भी मुख्य अभियंता, जे०ए०स०आर०आर०डी०ए०, राँची, एफ०एफ०पी० भवन, तृतीय तल्ला, धूर्वा, राँची - 834004, झारखण्ड को भेजा जा सकता है। यह निविदाकार की जिम्मेवारी होगी कि स्वीडोस्ट के माध्यम से भेजा जाने वाला निविदा शुल्क एवं अग्रपान की राशि निर्धारित तिथि एवं समय(21.09.2023 अपराह्न 3.30 बजे तक) से पूर्व प्राप्त हो जाय। अंतिम तिथि एवं समय से पूर्व प्राप्त निविदा शुल्क एवं अग्रपान की राशि पर ही विचार किया जायेगा।
6. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:- 22.09.2023 अपराह्न 3.30 बजे।
7. निविदा अग्रपान करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:- मुख्य अभियंता का कार्यालय, जे०ए०स०आर०आर०डी०ए०, राँची, एफ०एफ०पी० भवन, तृतीय तल्ला, धूर्वा, राँची - 834004, झारखण्ड।
8. ई-निविदा प्रकोष्ठ का पुराना सं-
9. निविदा शुल्क झारखण्ड राज्य में अवस्थित भारतीय स्टेट बैंक /राष्ट्रीयक बैंक /अनुसूचित बैंक द्वारा निर्गत बैंकड्राफ्ट के रूप में जो कार्यालयक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जामताड़ा के पक्ष में एवं जामताड़ा में मुगलतय जमा करना होगा जो लोटाया नहीं जायेगा।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jarkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।
मुख्य अभियंता जे०ए०स०आर०आर०डी०ए०, राँची।
PR 306490 Rural Work Department(23-24)D

महत्वपूर्ण खनिज और टिकाऊ भविष्य की ओर भारत की राह



प्रह्लाद जोशी

केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री

स्वच्छ ऊर्जा का रख

करने में

महत्वपूर्ण खनिजों की अहमियत के संबंध में आम सहमति बढ़ती जा रही है। गोवा में जी-20 ऊर्जा परिवहन मंत्रियों की बैठक के परिणाम दस्तावेज में ऐसे महत्वपूर्ण खनिजों और सामग्रियों की विश्वसनीय, जिम्मेदार और टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखला बनाए रखने की आवश्यकता पर ध्यान दिया गया है। जो खनिज उपयोग की दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं और जिनका कोई व्यवहार्य विकल्प नहीं होता, लेकिन जो देश की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होते हैं, उन्हें प्रायः महत्वपूर्ण खनिजों के रूप में परिभाषित किया जाता है। कोबाल्ट, लिथियम, सिलिकॉन, ग्रेफाइट और दुर्लभ मुद्रा तत्व (आर्सेन) जैसे महत्वपूर्ण खनिजों का उपयोग सौर मॉड्यूल, पवन टर्बाइन और बैटरी जैसी स्वच्छ प्रौद्योगिकियों में किया जाता है। इन प्रौद्योगिकियों के उपयोग से 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म बिजली क्षमता और 2030 तक उत्सर्जन-तीव्रता को 2005 के स्तर से 45 प्रतिशत कम करने के भारत के संधारणीय या सतत लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिल सकती है। इसलिए ये खनिज आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं और इन्हें आधुनिक सभ्यता की बुनियाद करार दिया जा सकता है।

स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की बढ़ती मांग के

कारण विभिन्न महत्वपूर्ण खनिजों के वैश्विक खनन में तेजी आई है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के सहयोग से मंत्रालय द्वारा संचालित एक अध्ययन के अनुसार, 2016 और 2022 के बीच लिथियम, आर्सेन और कोबाल्ट जैसे प्रमुख खनिजों के वार्षिक उत्पादन में क्रमशः 240 प्रतिशत, 134 प्रतिशत, और 67 प्रतिशत वृद्धि हुई। कोबाल्ट, तांबा और निकल जैसे खनिजों के मामले में, वर्तमान खनन उत्पादन पहले से ही वैश्विक भंडार के 2 प्रतिशत से अधिक है। हालांकि, महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं जटिल हैं और व्यापार संबंधी सरोकारों, भू-राजनीतिक कारकों और प्राकृतिक आपदाओं जैसे अप्रत्याशित व्यवधानों के प्रति असुरक्षित हो सकती हैं। हमारी आयात निर्भरता कम करने, राष्ट्रीय सुरक्षा सुदृढ़ बनाने और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए घरेलू मूल्य श्रृंखला विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाना महत्वपूर्ण है।

आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार अन्वेषण, प्रसंस्करण, उपयोग और रीसाइक्लिंग पर ध्यान देने सहित घरेलू महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 में 2015, 2020, 2021 और हाल ही में 2023 में किए गए प्रमुख परिवर्तनों के माध्यम से समय-समय पर किए गए संशोधनों के जरिए नीतिगत सुधार लाए गए हैं। उत्पादन के घरेलू स्रोत बढ़ाने के लिए खान मंत्रालय ने 2015 में नई नीलामी व्यवस्था आरंभ कर पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से खदान विकास के लिए



खनन पट्टे (एमएल) और समग्र लाइसेंस (सीएल) प्रदान किए। इसके अलावा, राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (एनएमईटी) महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण में सहायता कर रहा है और निजी एजेंसियों को भी अन्वेषण गतिविधियों के लिए धन प्राप्त करने के लिए सूचीबद्ध किया जा रहा है। एमएमडीआर

संशोधन अधिनियम, 2023 भी गहराई में पाए जाने वाले तथा महत्वपूर्ण खनिजों के लिए अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) के प्रावधान को शामिल कर खनन की सुविधा देता है। इसने लिथियम सहित 6 खनिजों को 12 परमाणु खनिजों की सूची से हटा भी दिया है। सहकारी संघवाद के लिए एक मिसाल

कायम करते हुए सरकार ने संबंधित राज्य सरकारों के लिए राज्यस्व प्राप्ति सुनिश्चित करते हुए 24 महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित रियायतों की विशेष रूप से नीलामी करने का उत्तरदायित्व लिया है। इस उपाय से राज्य सरकार की राज्यस्व प्राप्ति में सुधार होगा, जिससे उनकी राजकोषीय स्थिति को बढ़े

पैमाने पर प्रोत्साहन मिलेगा।

घरेलू व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के अलावा बहुपक्षीय और द्विपक्षीय संबंधों के माध्यम से सहयोगपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय प्रयास लचीली महत्वपूर्ण खनिज मूल्य श्रृंखला के निर्माण में मदद कर सकते हैं। लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सामूहिक कार्रवाई महत्वपूर्ण है और सरकार महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में सक्रिय रूप से नई साझेदारियां और गठबंधन बना रही है जैसे -खनिज सुरक्षा साझेदारी (एमएसपी) में भारत का प्रवेश, ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ईसीटीए) तथा खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (केएबीआईएल)का चिली और अर्जेंटीना जैसे देशों में खनिज अधिग्रहण के अवसर तलाशने का प्रयास करना।

जी-20 में हुई चर्चा के अनुरूप, महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में नवाचार, पर्यावरण, सामाजिक और शासन व्यवस्था (ईएसजी) और सकुलैरिटी को सम्मिलित करते हुए स्वैच्छिक उच्च-स्तरीय सिद्धांत भारत के महत्वपूर्ण खनिजों को भविष्य के लिए सुरक्षित करने के हमारे प्रयासों को और ज्यादा मजबूती प्रदान करेंगे।

भारत की जी-20 की अध्यक्षता के तहत प्रधानमंत्री का एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का विजन साझा भविष्य के लिए उत्सर्जन में कमी और जलवायु परिवर्तन शान से संबंधित हमारे साझा लक्ष्यों के महत्व को रेखांकित करता है। भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान किया गया आरंभिक कार्य महत्वपूर्ण खनिजों के संबंध में हमारे काम को मजबूती प्रदान करेगा, जिसकी बदौलत भारत नेतृत्वकारी भूमिका निभाएगा।

एसबीआई के अधिकारियों ने वेतन सुधार , पांच दिनी कार्य सप्ताह पर की चर्चा

भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ, पटना मण्डल, विद्यापति भवन, विद्यापति मार्ग, पटना में शनिवार को सदस्य संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि कार्मरेड दीपक कुमार शर्मा, महासचिव, श्री कमलाकर सिंह, अध्यक्ष कॉम अमरेश विक्रमादित्य महासचिव एवं अधिकारी संघ पटना मंडल के अन्य नेतृत्व कर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अधिकारी संघ के सभी पदाधिकारी एवं पटना तथा आसपास से विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों से आए लगभग 500 अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री दीपक कुमार शर्मा, महासचिव, ने जहां आज के

समय में मजबूत ट्रेड यूनियन की महत्ता पर जोर दिया वहीं राष्ट्रीय स्तर पर, एआईएसबीओएफ पटना द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों का ब्योरा दिया। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि किस प्रकार अधिकारियों के परिश्रम से हमारा बैंक रिकॉर्ड मुनाफा दर्ज कर रहा है, हम सब अपने बैंक को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बैंक बनाने के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कार्यों की सराहना करने के लिए केन्द्रीय वित्त मंत्री महोदया को धन्यवाद भी दिया तथा साथ ही साथ बैंकों के निजीकरण सम्बन्धी घोषणाओं पर पुनर्विचार करने का अनुरोध भी किया। उन्होंने बताया कि बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वेतन पुनरीक्षण 01.11.2022 से

प्रतीक्षित है तथा इस सम्बन्ध में संघों की वार्ता चल रही है जिसमें अधिकारी संगठन ऐंबोक का नेतृत्व कॉम रूपम राय, अध्यक्ष अकरइडक द्वारा किया जा रहा है। कॉम शर्मा के अनुसार बैंकिंग क्षेत्र में बैंक कर्मियों के कार्य जीवन संतुलन के लिए पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किया जाना समय की मांग है तथा इस सम्बन्ध में संघों एवं कइअ के बीच वार्ता पूरी हो चुकी है एवं यह प्रस्ताव अभी वित्त विभाग केंद्र सरकार के समक्ष विचारार्थ है। उन्होंने माननीय वित्त मंत्री से इसे जल्द लागू करने का आवाहन भी किया।

श्री कमलाकर सिंह, अध्यक्ष ने सभी सदस्यों को संतुष्टि रहने का एवं मिल कर कार्य करने का

संदेश दिया तथा अपने बैंक को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाने हेतु आवाहन भी किया। उन्होंने कहा की ये हमारी एकता और मेहनत का ही परिणाम है कि आज भारतीय स्टेट बैंक रिकॉर्ड लाभ कमा भारतीय बैंकिंग व्यवस्था के शिखर पर है। उन्होंने बैंक के लिए और संगठन के लिए समान रूप से ईमानदारी पूर्वक कार्य करने पर बल दिया।

श्री अमरेश विक्रमादित्य, महासचिव ने सभी उपस्थित सदस्यों को साधुवाद देते हुए एक मजबूत संघ के निर्माण में उनके योगदान को रेखांकित किया। कॉम अमरेश ने बताया की अधिकारी संघ पटना मंडल अपने सदस्यों के हितों के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कॉम दीपक कुमार शर्मा का आभार

प्रकट किया कि उन्होंने मंडल नेतृत्व के आमंत्रण को स्वीकार किया तथा हमारा मार्गदर्शन करने पटना की सभा में आये। उन्होंने श्रमिक संघों एवं आम आदमी के सर्वांगिक विकास के लिए एक मजबूत ट्रेड यूनियन कि आवश्यकता पर बल दिया। सदस्यों को सजगता एवं अनुशासन से अपने कार्यों को संपादित करने कि सलाह दी। उन्होंने आने वाले दिनों में बैंकिंग जगत कि चुनौतियों का संगठित होकर मुकाबला करने पर भी बल दिया। महासचिव ने वहाँ उपस्थित सदस्यों कि परेशानियों एवं सुझावों को भी सुना एवं उनके उचित समाधान एवं निर्वहन का भी प्रयास किया।

सभा के अन्य वक्ताओं में केंद्रीय समिति सदस्य श्री

अरिजित बोस, श्री अनिल कुमार यादव एवं श्री शिवधार लाल प्रमुख रहे। सभा में अन्य केंद्रीय समिति सदस्य श्री संजीत सुमन, श्री रंजन कुमार सिंह, श्री लक्ष्मी नारायण पासवान, श्री प्रशांत कुमार मिश्रा, श्री मुकेश कुमार, श्री सुधाकर सिन्हा, श्री प्रदीप रजक, श्री रजनीश श्रीवास्तव, श्री विजय कुमार भारती भी उपस्थित रहे। मंच का सञ्चालन कॉम निकेश नंदन द्वारा किया गया। सभा के उपरांत भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ, पटना मण्डल के द्वारा, सामाजिक दायित्व के अंतर्गत शारदा संघ विद्यालय में गरीब और बेसहारा बच्चों कि पढ़ाई में सहयोग के लिए 50 स्टडी टेबल का वितरण भी किया गया।

स्वास्थ्य बीमा भारत में क्यों महत्वपूर्ण है ?



पियंका चन्दा

इस दौड़ती-भागती दुनिया में निरंतर बढ़ते तनाव कारण विशेषकर भारत में विभिन्न प्रकार की हेल्थ संबंधी परेशानियाँ पनपने लगी हैं। लाखों लोग यहाँ हृदय रोग संबंधी, श्वास संबंधी, जन्मजात विकार और इन्फेक्शन संबंधी बीमारियों के शिकार होते जा रहे हैं।

यह देखते हुए कि भारतीय विभिन्न गंभीर प्रकार की बीमारियों को किंगडू के सरलता से आ जाते हैं, क्या आपने स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के विषय में कुछ सोचा है? हेल्थ केयर की बढ़ती लागत के कारण वित्तीय परेशानियाँ भी बढ़ सकती हैं। इस स्थिति से उबरने का सबसे अच्छा उपाय एक अच्छी हेल्थ बीमा पॉलिसी का कर्न करना होता है।

हेल्थ बीमा सुरक्षा
बीमा कंपनियाँ विभिन्न प्रकार की योजनाओं के माध्यम से अधिकतम सुरक्षा और लाभ प्रदान करती हैं। इन सुरक्षाओं में अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद के खर्च, डे केयर खर्च और रहने के खर्च आदि शामिल होते हैं। भारत में अधिकतर निम्न दो प्रकार के हेल्थ बीमा प्लान मिलते हैं :

इंडेमिनिटी प्लान
इन योजनाओं में बीमा धारक द्वारा किए गए वास्तविक खर्चों का भुगतान किया जाता है। इसके अंतर्गत आप बीमा अवधि में एक से अधिक बार अपनी पूरी सुरक्षा के बराबर की राशि को प्राप्त कर सकते हैं। इंडेमिनिटी हेल्थ बीमा में नीचे दिये गए खर्च शामिल किए जाते हैं:

अस्पताल के कमरे का किराया
ऑपरेशन थियेटर चार्ज
डॉक्टर की फीस
अस्पताल में भर्ती से पहले और बाद के खर्च
एक मुश्त लाभ पॉलिसी
इस प्रकार की पॉलिसी में एमर्जेंसी की स्थिति में सारी बीमा राशि एक बार में ही दे दी जाती है। उदाहरण के लिए यदि हेल्थ बीमा में गंभीर

बीमारी सुरक्षा शामिल है और यदि आप किसी समय आपको इस बीमारी के बारे में पता लगता है तब आपको इससे संबंधित समस्त लाभ एक साथ ही मिल जाएंगे। इस प्लान का उद्देश्य उन खर्चों में वित्तीय सहायता देना है जो निम्न रूप में हो सकते हैं:

फिजियोथेरेपी या दूसरे रीहेबिलिटेशन प्रोसीजर
गंभीर बीमारियों की स्थिति में मोनिटरिंग डिवाइस
फॉलोअप मेडिकल टेस्ट और जांचें
सप्लीमेंट्स
बीमारी में जरूरत पड़ने वाला मेडिकल फर्नीचर या घर में किटा जाने वाला सुधार **बीमा योजना के लाभ वित्तीय स्थायित्व**
एमर्जेंसी में होने वाले मेडिकल खर्चें घर के बजट को बिगाड़ने के लिए काफी होते हैं। अकसर इसमें सारी बचत खत्म हो जाती है या फिर कभी-कभी तो कुछ संपत्ति भी बेचनी पड़ सकती है। लेकिन जब आप एक हेल्थ प्लान लेते हैं तब आपको बीमारी के समय वित्तीय स्थायित्व का आश्वासन मिल जाता है।

सबसे अच्छा इलाज:
पर्याप्त धन पास में न होने पर हो सकता है आपको इलाज में कोई समझौता करना पड़ सकता है। लेकिन जब आपके पास एक अच्छी हेल्थ बीमा योजना होगी तब आप किसी भी बीमारी की अवस्था में अच्छे से अच्छे इलाज का पूर्ण आश्वासन भी मिल सकता है।

बीमा योजनाओं में चयन
विभिन्न बीमा कंपनियाँ भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमा योजनाएँ देती हैं। भारत में इनकी संख्या इतनी अधिक है कि लेने के समय अच्छा खासा असमंजस की स्थिति भी हो जाती है। एचडीएफसी एरगो के पास विभिन्न प्रकार की बीमा योजनाएँ हैं। आप अपनी जरूरत के अनुसार किसी भी एक अच्छी बीमा योजना का यहाँ से चयन कर सकते हैं।

हेल्थ सुरक्षा का लाभ उठाएँ जिससे आप हेल्थ बीमा के सभी लाभ उठा सकें क्योंकि अपनी और अपने परिवार की बीमारी के विकट सुरक्षा करना ही आपके द्वारा की गई सबसे अच्छाई इनवेस्टमेंट हो सकती है।

(लेखिका निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनी की अधिकारी हैं।)

संविधान सभा में भिड़ गये थे अंबेडकर और कामत, देश को ऐसे मिला नाम

अभिनव आकाश

डॉ. आंबेडकर ने सदन को कई बार याद दिलाया कि सभ्यता संबंधी बहस अनावश्यक है क्योंकि भारत नाम का सदस्यों ने विरोध नहीं किया है। कामथ के हस्तक्षेप के जवाब में उन्होंने कहा कि हम अभी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या इंडियार के बाद रभारतर शब्द आना चाहिए। अब तक हम देश को भारत और इंडिया दोनों ही नामों से बुलाते थे। लेकिन क्या अब सिर्फ भारत ही हो जाएगा और इंडिया हट जाएगा? इस बात की खूब चर्चा है कि संसद के विशेष सत्र में मोदी सरकार संविधान से इंडिया शब्द हटाने का प्रस्ताव ला सकती है। हमारे देश के दो नाम हैं। पहला भारत और दूसरा इंडिया। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में लिखा है, इंडिया दैट इज भारत। इसका मतलब हुआ कि देश के दो नाम हैं। हम गवर्नमेंट ऑफ इंडिया भी कहते हैं और भारत सरकार भी। भारत के संविधान का अनुच्छेद 1 क्या बनेगा, इस पर संविधान सभा में जोरदार बहस हुई। किसने क्या कहा और अनुच्छेद कैसे अपनाया गया?

भारत' या 'इंडिया' पर विभिन्न तर्क

अनुच्छेद 1 पर पहली बहस 17 नवंबर, 1948 को शुरू होनी थी। हालांकि, गाँवेंद बल्लभ पंत के सुझाव पर नाम पर चर्चा को बाद की तारीख के लिए स्थगित कर दिया गया। 17 सितंबर, 1949 को डॉ. बीआर अंबेडकर ने प्रावधान का अंतिम संस्करण सदन में प्रस्तुत किया, जिसमें

'भारत' और 'इंडिया' दोनों शामिल थे। कई सदस्यों ने 'इंडिया' के इस्तेमाल के खिलाफ खुद को व्यक्त किया, जिसे उन्होंने औपनिवेशिक अतीत की याद के रूप में देखा। जबलपुर के सेठ गोविंद दास ने भरत को भारत से ऊपर रखना पसंद किया। कई सदस्यों की एक लोकप्रिय मांग यह भी रेखांकित करना थी कि इंडिया रअंग्रेजी भाषा में भारत का विकल्प है। इंडिया, यानी भारत कि किसी देश के नाम के लिए सुंदर शब्द नहीं है। उन्होंने कहा, हमें "भारत को विदेशों में भी इंडिया के नाम से जाना जाता है" शब्द डालना चाहिए था। हरि विष्णु कामथ ने आयरिश संविधान का उदाहरण देते हुए तर्क दिया कि 'इंडिया' शब्द केवल भारत का अनुवाद है।

यदि सदन में माननीय सहकर्मी 1937 में पारित आयरिश संविधान का हवाला देने का कष्ट करेंगे, तो वे देखेंगे कि आयरिश फ्री स्टेट आधुनिक दुनिया के उन कुछ देशों में से एक था, जिसने स्वतंत्रता प्राप्त करने पर अपना नाम बदल लिया था। उन्होंने कहा कि इसके संविधान का चौथा अनुच्छेद भूमि के नाम में परिवर्तन का उल्लेख करता है। कामथ ने कहा कि आयरिश मुक्त राज्य का संविधान कहता है कि राज्य का नाम आयर है, या, अंग्रेजी भाषा में आयरलैंड है। संयुक्त प्रांत के पहाड़ी जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले हरगोविंद पंत ने स्पष्ट किया कि उत्तरी भारत के लोग भारतवर्ष चाहते हैं और कुछ नहीं। पंत ने तर्क दिया कि जहाँ तक ??'भारत' शब्द का सवाल है, ऐसा लगता है कि सदस्यों को, और वास्तव में मैं यह समझने में



असफल हूँ कि क्यों, इसके प्रति कुछ लगाव है। हमें जानना चाहिए कि यह नाम हमारे देश को विदेशियों द्वारा दिया गया था, जो इस भूमि की समृद्धि के बारे में सुनकर इसके प्रति आकर्षित हुए थे और हमारे देश की संपत्ति हासिल करने के लिए हमसे हमारी स्वतंत्रता छीन ली थी। यदि हम, फिर भी, 'भारत' शब्द से चिपके रहते हैं, तो यह केवल यह दिखाएगा कि हमें इस अपमानजनक शब्द से कोई शर्म नहीं है जो विदेशी शासकों द्वारा हम पर थोपा गया है।

प्राचीन सन्दर्भ

दास ने तर्क दिया कि विष्णु पुराण और ब्रह्म पुराण में 'भारत' का उल्लेख है। अन्य लोगों ने

कहा कि सातवीं सदी के चीनी यात्री ह्वेन त्सांग ने देश को भारत कहा था। दास ने कहा कि लेकिन अपने देश का नाम भारत रखकर हम ऐसा कुछ नहीं कर रहे हैं जो हमें आगे बढ़ने से रोकेंगा। हमें वास्तव में अपने देश को ऐसा नाम देना चाहिए जो हमारे इतिहास और हमारी संस्कृति के अनुरूप हो। दास ने एक पुस्तिका का भी उल्लेख किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह साबित करने का एक प्रयास था कि इंडियार, रभारतर से अधिक प्राचीन है। मैं चाहता हूँ कि यह रिकॉर्ड में होना चाहिए कि यह गलत है। इंडियार और इंडेर का अर्थ अग्नि है। दास ने कहा कि इंडेनियार का इस्तेमाल आग के विशेषण के

रूप में किया गया है और इंडार आवाज का प्रतीक है। कामथ ने संभावित नामों के रूप में भारत या भारतवर्ष या भारतभूमि का सुझाव दिया जो धर्मग्रंथों से लिया गया है। इतिहासकारों और भाषाशास्त्रियों ने इस देश के नाम विशेषकर भारत नाम की उत्पत्ति के विषय में गहराई से विचार किया है। वे सभी इस भारत नाम की उत्पत्ति के विषय में एकमत नहीं हैं। कुछ लोग इसका श्रेय दुष्यन्त और शकुन्तला के पुत्र को देते हैं, जिन्हें रईसवर्मन् या सर्व-विजेता के नाम से भी जाना जाता था और जिन्होंने इस प्राचीन भूमि पर अपना आधिपत्य और राज्य स्थापित किया था। उनके बाद इस भूमि को भारत के नाम से जाना जाने लगा।

आंबेडकर का परहेज

डॉ. आंबेडकर ने सदन को कई बार याद दिलाया कि सभ्यता संबंधी बहस अनावश्यक है क्योंकि भारत नाम का सदस्यों ने विरोध नहीं किया है। कामथ के हस्तक्षेप के जवाब में उन्होंने कहा कि हम अभी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या इंडिया के बाद भारत शब्द आना चाहिए। जब किशोरी मोहन त्रिपाठी ने विस्तार से बताया कि कैसे भारत शब्द हर किसी को भारत के अतीत के गौरव की याद दिलाता है, तो अंबेडकर ने पूछा कि क्या यह आवश्यक है। प्रस्ताव पारित होने से पहले उन्होंने कहा कि अभी बहुत काम किया जाना बाकी है।



स्पीड न्यूज

विशेषज्ञ डॉ स्वाति 13 को गुमला में

गुमला। महिला रोग विशेषज्ञ डॉ स्वाति लाल 13 सितंबर को पालकोट रोड स्थित नीलेश मेडिकल हॉल में रोगियों की जांच करेंगे। यह जानकारी दिलीप नीलेश ने दी है।

झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर : एनोस एतका



लोहरदगा। शहर के कुंजलाल भवन में झारखंड पार्टी का एक दिवसीय जिला सम्मेलन कार्यक्रम किया गया। इसके मुख्य अतिथि झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री एनोस एतका थे। साथ में पार्टी की केंद्रीय कमेटी के कई नेता भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गयी। राज्य में झारखंड पार्टी के विस्तार को लेकर लगातार झारखंड पार्टी द्वारा अलग अलग जिलों के जिला सम्मेलन आयोजित की जा रही है और लोगों से मिल पार्टी से जुड़ने का अपील की जा रही है। झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री एनोस एतका ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड की जो स्थिति पहले थी आज भी वही है। वर्तमान में झारखंड में भ्रष्टाचार चरम पर है और झारखंड को लूटने का कार्य किया जा रहा है।

प्रश्नमंच में बबली, रौशन, रोशनी प्रथम



लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय में विषय सह प्रश्नमंच का आयोजन किया गया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में 12वीं विज्ञान में बबली कुमारी, रोहित कुमार साहू और रोशन उरांव ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। 12वीं कला में रोशनी उरांव, चंदन महतो व पूनम कुमारी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। 11वीं विज्ञान में प्रथम स्थान रोशन उरांव, द्वितीय स्थान नैतिक राज व तृतीय स्थान अर्पुा कुमारी ने प्राप्त किया। 11वीं कला में किरण कुमारी, आर्कांशा पाण्डेय और अभय साहू ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य उत्तम मुखर्जी ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रश्नमंच प्रतियोगिता में सभी विषयों से प्रश्न पूछे गए ताकि आगामी परीक्षाओं की तैयारी बच्चे अच्छी तरह से कर सकें ताकि जैक 2024 की परीक्षा में बेहतर परिणाम आये। कार्यक्रम में प्रीति कुमारी गुप्ता, नीतू कुमारी, रेणु कुमारी, रश्मि साहू, यशोदा कुमारी, ऋद्धि मिश्रा, स्नेहा शर्मा, चेतना प्रिया, आरती भगत, कविता कुमारी, रिशेश कुमार पाठक और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

घाघरा में संकल्प यात्रा की तैयारी को लेकर भाजपाइयों ने की बैठक



घाघरा। भारतीय जनता पार्टी का 19 सितंबर को घाघरा में होने वाली संकल्प यात्रा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के आगमन की तैयारी को लेकर शुक्रवार को शाम 4:30 बजे भाजपाइयों ने बैठक भाजपा कार्यवाह घाघरा में बैठक की। जिसमें भाजपा नेता सह सीसीएल के डायरेक्टर अरुण उरांव और भाजपा नेता प्रदीप सिंह मौजूद रहे। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा की तैयारी को लेकर कई चर्चाएं हुईं। कार्यकर्ताओं को अधिक संख्या में लोगों को भाजपा की नीति और सिद्धांतों को लोगो को बता कर उन्हें समझाते हुए उक्त कार्यक्रम में शामिल होने की बात कही। भाजपा नेता अरुण उरांव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में संकल्प यात्रा का कार्यक्रम को सफल बनाया है। खंभिया के विजय उरांव ने भारतीय जनता पार्टी का सदस्य ग्रहण किया दोनों नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी का पट्टी पहना कर सदस्यता ग्रहण करवाया। मौके पर घाघरा मंडल अध्यक्ष शरमा किशोर पाठक, गोपाल गोप, भाजयुमो अध्यक्ष आशीष सोनी, पपू गुप्ता, विपिन बिहारी सिंह, भिखारी भगत, भाजपा नेता आशोक उरांव, तितु उरांव, अमित ठाकुर, रामनरन साहू, बबलू अंसारी, अरुंजय सिंह, पंसास सीमा देवी आदि भी थे।

जंगली हाथियों का आतंक जारी

चैनपुर। प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों लोग हाथियों के आतंक से परेशान हैं। वन विभाग भले ही हाथियों को भगाने की बात कहती है पर सच्चाई कुछ और ही है। इन दिनों प्रखंड क्षेत्र के सुकमा, बरटोली, कोनकेल झड़गांव सहित कई जगहों पर हाथियों का उत्पात लगातार देखने को मिल रहा है। लोग हाथियों के डर से रतजगा करने को मजबूर हैं। ताजा मामला चैनपुर प्रखंड मुख्यालय के सिलफडी गांव का है। जहां जंगली हाथियों ने किसान बोनीफास कुजूर पिता स्व सिलबानुस कुजूर के घर को ध्वस्त कर दिया।

शहीद के घर से किये मिट्टी संग्रह

घाघरा। प्रखंड मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी का मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत शनिवार को दोपहर 4:30 बजे शहीद देवनारायण भगत के घाघरा स्थित घर से शहीद की मां नीलू भगत से मिट्टी ली। मौके पर भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सह रंजी महापौर आशा लकड़ा मुख्य रूप से मौजूद रही। आशा लकड़ा ने कहा कि यह मिट्टी मेरा मिट्टी मेरा देश कार्यक्रम के तहत शहीदों के घर वहां अन्य प्रमुख व्यक्ति के घर से मिट्टी संग्रह किया जा रहा है जो दिल्ली राजपथ में अमृत वाटिका बनाया जाएगा इसका प्रधानमंत्री द्वारा सभी संग्रह मिट्टी को अमृत वाटिका के लिए शुभारंभ करेंगे।

महुआडांड थाना पुलिस से रिटायर शिक्षक की हत्या का किया उद्घेदन, हत्या का तीनों आरोपी गिरफ्तार कलयुगी बेटे ने सुपारी देकर करायी थी पिता की हत्या

खबर मन्त्र संवाददाता

महुआडांड। संपत्ति बंटवारा कराने को लेकर कलयुगी बेटे ने ही सुपारी देकर अपने ही पिता रिटायर शिक्षक क्लेमेंट लकड़ा की हत्या कराई थी। इस बात का खुलासा प्रेस कांफ्रेंस कर महुआडांड एसडीपीओ राजेश कुजूर ने किया। एसडीपीओ राजेश कुजूर ने बताया कि गत 22 जुलाई को महुआडांड थाना क्षेत्र अंतर्गत धवईटोली निवासी सेवा निवृत्त शिक्षक क्लेमेंट लकड़ा की हत्या कर दी गई थी। हत्या का खुलासा तकनिकी अनुसंधान एवं लोकेशन ट्रेस से जरिए हुई। अनुसंधान के क्रम में यह बात



प्रकाश में आयी की मृतक सेवा निवृत्त शिक्षक क्लेमेंट लकड़ा तथा उनके बड़े पुत्र मनोज लकड़ा के बीच जमीन जायदाद एवं पेशन का बंटवारा को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा

था। इस संबंध में पुछताछ में स्वीकारा कि बयान में मनोज लकड़ा ने बताया कि घर का जमीन जायदाद एवं पेशन को पूरा अंश में नाम कराना चाह रहे थे। जमीन जायदाद एवं पेशन

हत्या का उद्घेदन करने में इनकी रही सराहनीय भूमिका

संपत्ति बंटवारा कराने को लेकर कलयुगी बेटे के द्वारा सुपारी देकर अपने ही पिता रिटायर शिक्षक क्लेमेंट लकड़ा की हत्या कराने का उद्घेदन करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने में महुआडांड एसडीपीओ राजेश कुजूर,

सर्किल इंस्पेक्टर धर्मदेव पासवान, थाना प्रभारी रतन टुडू, एसआई मो. जफर अंसारी, एसआई अजय कुमार दास, एसआई संजय रतन आदि का सराहनीय प्रयास रहा। जिनके बदौलत ही इतने बड़े हत्याकांड का खुलासा हो पाया।

बटवारे में क्लेमेंट लकड़ा एवं छोटा भाई यूजीन प्रभात लकड़ा को इसमें बाधा मानते थे। इसलिए इन दोनों को रास्ते से हटाना चाह रहे थे। एसडीपीओ राजेश कुजूर ने बताया कि मनोज लकड़ा ने सुनियोजित तरीके से सर्वप्रथम अपने पिताजी क्लेमेंट लकड़ा की हत्या करवाने के लिए करीब 28 वर्ष पिता देवनाथ राम के

वाले अपने दोस्त अशोक राम पिता नन्कु राम से एख लाख बीस हजार रूपए में सौदा किया। अग्रिम के तौर पर मनोज लकड़ा ने अशोक राम को छोपादोहर में बुलाकर बीस हजार रूपए दिया। तब अशोक राम ने मनोज लकड़ा के कहने अनुसार अपने दोस्त हामी के ही रहनेवाले जितेंद्र राम उम्र करीब 28 वर्ष पिता देवनाथ राम के

साथ मिलकर रेकी कर सेवानिवृत्त शिक्षक क्लेमेंट लकड़ा की धारदार हथियार (गड्ढासा) से वार कर हत्या कर दिया। महुआडांड थाना पुलिस ने हत्या के आरोपी तीनों व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है वहीं उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार (गड्ढासा) एवं एक मोबाइल को भी बरामद कर जप्त कर लिया है।

झालजमीरा में आयोजित चार दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट में गंगेया बना चैंपियन अनुशासन व प्रतिबद्धता से खेले तो लक्ष्य जरूर मिलेगा : सुखदेव

खबर मन्त्र संवाददाता

सेन्हा। प्रखंड के झालजमीरा गांव में नवयुवक संघ जेएफसी क्लब के द्वारा आयोजित चार दिवसीय आठवीं स्वर्णाय सारु पाहन फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन समारोह पूर्वक हुआ। जिसमें गंगेया बनाम दतरी के बीच फाइनल मैच खेला गया। गंगेया 1-0 से चैंपियन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक सह लोहरदगा जिला फुटबाल संघ के



खिलाड़ियों के साथ अतिथि।

अध्यक्ष सुखदेव भगत थे। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर आयोजन समिति के द्वारा उकाण पारंपरिक ढंग से भव्य स्वागत किया गया। फाइनल मैच प्रारंभ होने से पूर्व मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों

के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुखदेव भगत ने कहा कि खेल आपसी भाईचारे को प्रगाढ़ करता है क्योंकि इसमें सभी वर्गों का सहभागिता होती है।

खबर मन्त्र संवाददाता

खबर मन्त्र संवाददाता गढ़वा। गढ़वा में लगभग 56 करोड़ रूपए की लागत से 10 जर्जर सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य किया जाएगा। ग्रामीण कार्य विभाग झारखंड सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। शीघ्र ही इन सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित किया जाएगा। जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सभी सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य किया जा रहा है। इन सड़कों में 12 करोड़, 71 लाख, तीन हजार, 400 रूपए की लागत से 21.75 किलोमीटर

सनातन के खिलाफ आपत्तिजनक बयान पर बोकारो में धरना-प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। विभिन्न हिन्दू संगठनों के लोगों ने सनातन धर्म के विषय में आपत्तिजनक वक्तव्य देने के खिलाफ सेक्टर-4 स्थित सिटी सेंटर में हिन्दू राष्ट्र जागृति आंदोलन के तहत धरना-प्रदर्शन का आयोजन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। उक्त बयान को लेकर तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड्गे तथा द्रमुक के सांसद ए राजा के विरोध में अपराध प्रविष्ट कर उन पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई। भारतीय मजदूर संघ के कृष्ण रॉय ने कहा कि आपत्तिजनक बयान देनेवाले तीनों ही संवैधानिक पदों पर हैं और तब भी उन्होंने ऐसी ओछी व भद्दी टिप्पणी

की। इससे हिन्दू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तथा पूरे देश में रोष का वातावरण है। हिन्दू जनजागृति समिति के पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत राज्य समन्वयक शंभू गवारे ने कहा कि ऐसी बयानबाजी कर उक्त नेताओं ने समाज में धार्मिक तनाव एवं संघर्ष की स्थिति पैदा की है, इसलिए इन तीनों पर डेटस्पीच के प्रकरण में आपराधिक मामला चलना चाहिए। इन सभी पर आपराधिक दंड संहिता 1973 की धारा 196 के अंतर्गत मुकदमा चलाया जाए और यथाशीघ्र कड़ी कार्रवाई हो। मौके पर राजेश दुबे संजीव कुमार ;विश्व हिंदू परिषद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशांत अरुण केसरी एवं रंजीत प्रसाद अनुरंजन कुमार आदि मौजूद रहे।

भारत की प्रगत्या ने कजाकिस्तान की नर्गली नेजरेक को ड्रॉ खेलने पर मजबूर किया

खबर मन्त्र व्यूरो

जमशेदपुर। जेआरटी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे टाटा स्टील एशियन जूनियर ओपन एंड गर्ल्स चैंपियनशिप 2023 के दूसरे दिन खेल का क्लासिकल प्रारूप शुरू हो गया है। इस प्रतियोगिता में लगभग 110 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिसमें 9 से 15 सितंबर के बीच कुल 9 राउंड का खेल खेले जायेगे, जिसमें प्रत्येक पक्ष में 90 मिनट + 30 सेकंड की वृद्धि का टाइम कंट्रोल होगा। चैंपियनशिप के क्लासिकल प्रारूप का उद्घाटन आईएसडब्ल्यू के प्रबंध निदेशक अभिजीत अविनाश नानोती ने पूर्वी सिंहभूम जिला शतरंज संघ के सचिव एन के तिवारी के साथ शतरंज बोर्ड पर औपचारिक रूप से पहली चाल के साथ किया। रेटिंग के आधार पर क्लासिकल प्रारूप में फिडे के बैनर तले खेल रहे अंतरराष्ट्रीय मास्टर ग्रेबनेव



एलेक्सो, भारत के श्रीहरि एलआर और भारत के रोहित कृष्णा एस जैसे शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी चैंपियनशिप के ओपन वर्ग में भाग ले रहे हैं। जबकि लड़कियों की श्रेणी में कजाकिस्तान की नर्गली

नेजरेके, सलोनिका साइना और भारत की बोमिनी मौनिका अश्वया जैसी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में हिस्सा लिया है। टूर्नामेंट के ओपन वर्ग के पहले राउंड में इंटरनेशनल मास्टर ग्रेबनेव एलेक्सो ने पहले बोर्ड पर सफेद मोहरों के साथ खेल शुरू करते हुए भारत के एडिरेड्डी अर्जुन को हराया। दूसरे बोर्ड पर काले मोहरों से शुरूआत कर खेलते हुए इंटरनेशनल मास्टर श्रीहरि एलआर ने भारत के भरदिया हर्ष को हराया। तीसरे बोर्ड पर सफेद मोहरों से शुरूआत कर खेलते हुए इंटरनेशनल मास्टर रोहित कृष्णा ने वृष्ण चौहान को हराया। लड़कियों के वर्ग में पहले बोर्ड पर बेहद रोमांचक खेल देखने को मिला जब भारत की प्रगत्या ने कजाकिस्तान की नर्गली नेजरेके को ड्रॉ खेलने पर मजबूर कर दिया। खेल 31 चालों तक जारी रहा और खिलाड़ी झू पर सहमत हो गये।

राष्ट्रीय लोक अदालत: 753 वादों के निष्पादन के साथ 1,66,52,091 रुपये की राजस्व प्राप्ति

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में इस वर्ष के तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन के सौजन्य से सिविल कोर्ट परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डालसा



कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

छह बेंचों का गठन किया गया था। बेंच संख्या 1 में बिजली से संबंधित केस के निस्तारण के लिए प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में, बेंच संख्या 2 में मोटर वाहन दुर्घटना, परिवारिक विवाद, सिविल अपील जैसे वादों के केस निपटारे के लिए अरविंद

कुमार जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय के नेतृत्व में गठित किया गया। बेंच संख्या 3 मोटर वाहन अर्थनिश्चय के केस वाणिज्य सर्टिफिकेट केस आदि के लिए वरीय न्यायाधीश अर्चना कुमारी के नेतृत्व में, बेंच संख्या 4 सुलहनीय डॉडिक वादों के लिए चंदन सीजीएम के नेतृत्व में गठित किया गया।

खबर मन्त्र संवाददाता विभिन्न बेंचों के त्रण संबंधी समस्याओं, बीएसएल आदि के लिए व्यापिक दंडाधिकारी सुचिता निधि तिका के नेतृत्व में बेंच संख्या 5 का गठन किया गया था। जबकि उच्चोत्तक संबंधित मामलों के लिए बेंच संख्या 6 का गठन नन्दलाल प्रसाद के नेतृत्व में किया गया था। इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 753 केसों का निष्पादन किया गया जबकि 1,66,52,091 रूपए की वसूली अर्थदंड के रूप में की गई। निस्सालित किए गए वादों में कुल 244 वाद विभिन्न न्यायालयों में लौटते हैं। लोक अदालत के उज्ज्वल संचालन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार अपनी पूरी टीम के साथ कुसुद 2 राष्द्र गान एवं ध्वजवाह झापन के साथ वक् के पहरे राष्ट्रिय लोक अदालत का समापन किया गया।

56 करोड़ की लागत से 10 जर्जर सड़कों का होगा निर्माण, मिली स्वीकृति सरकार के कार्य और परिणाम दोनों दिख रहे हैं : मंत्री मिथिलेश ठाकुर

खबर मन्त्र संवाददाता

खबर मन्त्र संवाददाता गढ़वा। गढ़वा में लगभग 56 करोड़ रूपए की लागत से 10 जर्जर सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य किया जाएगा। ग्रामीण कार्य विभाग झारखंड सरकार ने इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। शीघ्र ही इन सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य पूर्ण कर जनता को समर्पित किया जाएगा। जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सभी सड़कों का सुदृढ़ीकरण कार्य किया जा रहा है। इन सड़कों में 12 करोड़, 71 लाख, तीन हजार, 400 रूपए की लागत से 21.75 किलोमीटर

लंबी सड़क रंका प्रखंड में एनएच 343 सिकरदाहा से जोलांग (बहाहरा स्कूल) तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य, रंका-खपोर मुख्य पथ से सेवाडीह मुख्य पथ वाया छात्रावास रमशन घाट तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य, 13 करोड़, 92 लाख, 69 हजार, 900 रूपए की लागत से 16.455 किमी रमकंडा प्रखंड में चुटिया बलीगढ़ पीएमजीएसवाई पथ दुर्जन से रमकंडा भंडरिया पीडब्ल्यूडी पथ बैरिया भाया बरवा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य, मेराल प्रखंड में एल 028 से बोकेया तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य, 14 करोड़, 87 लाख, 56 हजार, तीन सौ रूपए की लागत से 19.23 किमी मेराल प्रखंड

में टी 02 से गेरुआसोती से कोटाम तक, रमकंडा प्रखंड में एल 021 सबाने से चुपरी तक, एल 031 उदयपुर से पुनदाग तक, रंका-रमकंडा पीडब्ल्यूडी पथ केरवा से गासेदाग पीडब्ल्यूडी पथ वाया कुटी तक, मेराल प्रखंड में एल 054 टी 04 से अघौरी तक तथा 14 करोड़, 62 लाख, 22 हजार तीन सौ रूपए की लागत से 18.48 किलोमीटर टी 04 चिनिया खुथुआ मोड़ पीडब्ल्यूडी रोड बंदू से दुधवल कनहर नदी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य किया जाएगा। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि गढ़वा की काफी लंबे समय से जर्जर हो चुकी इन 10 सड़कों का कायाकल्प किया जा रहा है।

कार्यक्रम की सफलता बृथ कार्यकर्ता पर निर्भर: सांसद

चैनपुर पाला। चैनपुर

प्रखंड क्षेत्र के पानेरीबांध के शिवा बरी रिसोर्ट में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की साथ बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक ने की तथा संचालन मंडल अध्यक्ष शशि भूषण पांडे ने किया। पार्टी की यह बैठक आगामी 13 सितंबर को चैनपुर में होने वाले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के संकल्प यात्रा को सफल बनाने के लिए की गई। इस अवसर पर सांसद बीडी राम ने कहा कि यह आम सभा नहीं बल्कि कार्यकर्ता सम्मेलन होगा। इस कार्यक्रम की सफलता बुध कार्यकर्ता पर निर्भर करती है। डा.एलनगंज विधानसभा क्षेत्र की विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि कार्यकर्ताओं की इच्छा शक्ति, मनोबल और होसला से ही कोई भी कार्यक्रम सफल होता है। कार्यकर्ताओं की होसला और विश्वास की बिना कोई पार्टी आगे नहीं बढ़ सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता पूरे मनोबल और हदता के साथ अपनी बूथ स्तर पर कार्य करता है। झारखंड में राशन पेंशन सहित कई योजनाओं की हालात गंभीर है। आज सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है।



सरयू राय ने स्वास्थ्य सुविधाओं का जाना हाल

मेदिनीनगर। झारखण्ड

विधानसभा के सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के सभापति सरयू राय व समिति के अन्य सदस्य शनिवार को मेदनीनगर पहुंचे। स्थानीय परिसरन भवन में समिति ने जिला स्तरीय पदाधिकारियों संग बैठक की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे समिति के सभापति सरयू राय ने स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, खनन विभाग, पर्यटन विभाग पुलिसिंग हाउसिंग, आपूर्ति विभाग, कल्याण विभाग, विद्युत विभाग, भवन निर्माण विभाग उत्पाद विभाग, शहरी एवं ग्रामीण विकास विभाग समेत अन्य विभागों द्वारा संचालित किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। स्वास्थ्य विभाग के तहत कॉरपोरेशन के माध्यम से प्राप्त दवाइयों की उपयोगिता के बारे में जानकारी ली गयी। राय ने कॉरपोरेशन द्वारा उपलब्ध करायी गयी दवाइयों की मैनुफैक्चर डेट एवं एक्सपायरी डेट आदि के बारे में पूछा। साथ ही मेडिकल इक्विपमेंट की आवश्यकता, सदर अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं, एंबुलेंस की अद्यतन स्थिति तथा उनका परिचालन आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी।

झरिया राजा तालाब में मछली पालन शुरू

खबर मन्त्र संवाददाता

झरिया। झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह के पहल पर झरिया के एतिहासिक राजा तालाब में मछली पालन शुरू। मत्स्य विभाग द्वारा बकरीहट्टा मोड़ स्थित राजा तालाब में शनिवार को मछली बिक्री केन्द्र की शुरूआत हुई। जिला मत्स्य पदाधिकारी उषा किरण ने विधिवत फीता काटकर बिक्री केन्द्र का उद्घाटन किया। इस दौरान धनबाद मत्स्य प्रसार पदाधिकारी संतोष उरांव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। बता दे कि झरिया के ऐतिहासिक राजा तालाब के सौंदर्यीकरण के बाद सबसे बड़ा सवाल इस प्राचीन तालाब की देखरेख करने का था। पिछले कई वर्षों से स्थानीय लोग तालाब में मछली पालन व बिक्री का मांग झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह



उद्घाटन करतीं विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह।

से कर रहे थे। मछली बिक्री केन्द्र की शुरूआत होने से मछुआरों में आश की किरण दिखा। धनबाद मत्स्य प्रसार पदाधिकारी संतोष उरांव ने बताया कि स्थानीय समिति के सहयोग से मछलियों के आहार की व्यवस्था की जाएगी। मछलियों की बिक्री व पालन से मछुआरों को रोजगार मिलेगा। मत्स्यजीवी सहयोग समिति की देखरेख में मछली पालन किया जा रहा है। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य रूप से मत्स्य जीवी सहयोग समिति झरिया नगर निगम के सदस्य अजय निषाद, अर्जुन निषाद, विजय निषाद, चिकनी निषाद, रोशन निषाद, रंजीत निषाद के साथ कई मछुआरे मौजूद थे।



एसकेएमयू में कैम्प

प्लेसमेंट होगा 11 सितंबर को

दुमका। सिंदो कान्हू, सुर्म् विश्वविद्यालय परिसर में 11 सितंबर को कैम्प प्लेसमेंट का आयोजन होगा। इसकी जानकारी विश्वविद्यालय प्रवक्ता दीपक कुमार दास ने दी। उन्होंने बताया कि कैम्प प्लेसमेंट में रिलायंस निगम लाइफ इंसोरेंस कंपनी लिमिटेड, एआरडीएम और सीनियर एआरडीएम पद के लिए योग्य स्नातक उतीर्ण छात्र-छात्राओं का चयन होगा। कैम्प प्लेसमेंट में स्नातकोत्तर विभाग में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं भाग लेंगे।

सात लोगों पर बिजली चोरी का केस दर्ज, 54 हजार लगा जुमाना

चक्रधरपुर। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के निर्देश पर विद्युत विभाग चक्रधरपुर ने शहरी क्षेत्र में बिजली चोरी के रोकथाम को लेकर छापेमारी अभियान चलाया। जिसमें सात लोगों को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाया गया। दोषी व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत चक्रधरपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के साथ आर्थिक जुमाना भी लगाया गया है। सभी सातों दोषियों पर लगभग 54 हजार रुपए का जुमाना लगाया गया है। जानकारी के अनुसार छापेमारी अभियान सहायक अभियंता भामा पद टट्टू व कनीय अभियंता अजय हंस के नेतृत्व में चलाया गया।

डोभा बनाये जाने के मामले में पोकलेन मशीन जब्त

कोडरमा। डोभांच प्रखंड अंतर्गत बरियारडीह वन क्षेत्र में जल छाजन विभाग द्वारा वन भूमि में पोकलेन मशीन से डोभा बनाए जाने के मामले में कार्रवाई करते हुए वन विभाग ने पोकलेन मशीन को जब्त किया है। जब्त पोकलेन मशीन डोभांच के मसनोडीह निवासी संतोष कुमार वर्णवाल का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार सूचना पर जैसे ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो पोकलेन चालक वनकर्मियों को देख पोकलेन छोड़ फरार हो गया। मामला चार दिन पूर्व का बताया जा रहा है। जानकारी अनुसार जल छाजन विभाग द्वारा एक निजी जमीन में डोभा का निर्माण कराया जा रहा था। इसी निर्माण के दौरान पोकलेन से वन भूमि के भी कुछ हिस्से में डोभा बनाया जा रहा था और कुछ भूमि में खुदाई की मिट्टी को भी रखा जा रहा था। जब इसकी गुप्त सूचना वन विभाग को मिला तो जानकारी मिलने पर रंजर रविंद्र कुमार के नेतृत्व में विभाग की टीम वहां पहुंची और कार्रवाई की।

जंगल से एक व्यक्ति का शव बरामद

कोडरमा (कोडरमा)। तिलैया थाना क्षेत्र स्थित झारखंड बीएड कॉलेज के नजदीक जंगल से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। शव के पास से मिले आधार कार्ड के अनुसार मृतक की पहचान बिहार के नालंदा जिले के डुमरांव गांव के रहने वाले मनीष कुमार के रूप में की गई है। संदेहास्पद रिश्ते में जंगल में शव होने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची तिलैया थाना की पुलिस जांच में जुट गई है और मौके के जंगल का पता लगाने का प्रयास कर रही है। जिस जगह युवक का शव बरामद किया गया है, वहां पेड़ पर गमछ से फांसी का फंदा भी बनाया हुआ है। मृतक के गले पर फांसी के निशान भी बने हुए हैं। हालांकि शव पेड़ के नीचे से बरामद किया गया है, ऐसे में पुलिस युवक की हत्या और आत्महत्या दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है।

अवैध रूप से बालू परिवहन कर रहे ट्रैक्टर जात

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत सरमाटांड रेलवे स्टेशन के समीप सीओ ओमप्रकाश बड़ाइक शनिवार की सुबह अवैध रूप से बालू परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर को जप्त किया है। बताते चलें कि प्रशासन की गाड़ी देख ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर भागने में सफल रहा। अग्रिम कार्रवाई हेतु खनन विभाग को लिखा गया है। मौके पर सीओ के साथ एसआई जगप्रकाश सिंह सहित कई पुलिस जवान मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 8764 वादों का किया गया निष्पादन, 57 करोड़ से अधिक की हुई वसूली

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह-समझौता से 8764 वादों का निष्पादन करते हुए 57,69,91,318 रुपये की वसूली हुई। लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में नालसा, नई दिल्ली व झालसा, रांची के निर्देशानुसार आयोजित हुई। लोक अदालत की अध्यक्षता प्राधिकार अध्यक्ष सह प्रधान जज अनिल कुमार मिश्रा ने किया। इसकी जानकारी देते हुए प्राधिकार सचिव विश्वनाथ भगत ने न दिया। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में कुल आठ बेंचों का गठन कर आपसी सुलह-समझौता कर



8764 वादों का निपटारा करते हुए 57,69,91,318 रुपये की वसूली की गई। बेंच नंबर 1 से फैमिली जज संजय कुमार सिंह, सीनियर सिविल जज, द्वितीय ऋत्विक्का सिंह एवं अध्यक्ष राधे मंत्री उपस्थित हुए। बेंच नंबर 2 से डीजे वन रमेश चंद्र, सीनियर सिविल जज चतुर्थ उत्तम सागर राणा एवं अधिवक्ता सरोज गोन, अधिवक्ता उपस्थित हुए। बेंच नंबर 3 से डीजे श्री लक्ष्मण प्रसाद एवं जेएम वन शैलेंद्र कुमार नापित एवं अधिवक्ता नीरज कुमार दीक्षित उपस्थित हुए। बेंच नंबर 4 से

चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा जेवरात बरामद कर चार को गिरफ्तार भेजा जेल



खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। चोरी की बड़ी वारदात को दुमका पुलिस शनिवार को उद्भेदन करने में सफल रही। नगर थाना पुलिस चोरी के समान बरामद करते हुए एक नाबालिग समेत चार चोर को नगर थाना पुलिस गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दी। गिरफ्तार आरोपियों में थाना क्षेत्र के बन्दरजोरी गांव निवासी रोहित हरि, शंकर चालक एवं टिन बाजार स्थित बैजू वर्मा एंड संस गोल्डन अलंकार दुकान के मालिक रोहित राज वर्मा उर्फ गोल्डी है। हालांकि एक अन्य आरोपी बीमारी का बहाना बना फूलों झानो मेडिकल

कॉलेज अस्पताल में हुआ भर्ती। बरामद सामग्री में मोबाईल, सोने का एक लॉकेट, आर्टिफिशियल हार के 4 सेट, दो सोने का नथ, दो हजार नगदी समेत चोरी में प्रयुक्त सबल पुलिस जप्त करने में बरामद करने में सफल रही। इसकी जानकारी प्रेसवाला कर एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार ने समाहरणालय कार्यालय स्थित एसपी कार्यालय में दी। एसपी ने बताया कि बीते तीन सितंबर को मिनी बस स्टैंड में सैलून संचालक के घर से लाखों के जेवरात समेत नगदी चोरी का मामला दर्ज हुआ। नगर थाना क्षेत्र के बन्दरजोरी में हुई चोरी की घटना में पुलिस तीन



अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर छात्रबीन में जुट गई थी। सैलून संचालक पंकज सिंह ने लिखित शिकायत में बताया था कि अज्ञात लोगों ने दो सोने का चैन, तीन अंगूठी, तीन आर्टिफिशियल हार, दो जोड़ी, 2 सोने का लॉकेट, दो स्मार्ट वाच, गैस सिलेंडर, कीमती कपड़े समेत 50 से 60 हजार नगदी की चोरी हो गई है। पुलिस मामला दर्ज कर छात्रबीन में जुट गई थी। नगर थाना पुलिस को यह सफलता एसडीपीओ सदर मो नूर मुस्तफा के नेतृत्व मिली। उद्भेदन में नगर थाना प्रभारी अरविंद्र कुमार समेत पुलिस बल का सराहनीय प्रयास रहा।

छात्र-छात्राओं ने एक दिवसीय क्षेत्र भ्रमण किया



खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। आज गोड्डा कॉलेज के वनस्पति विभाग के यूजी और पीजी के छात्र और छात्राओं ने तिलकामांडी कृषि महाविद्यालय पुर्सिया गोड्डा में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्र-छात्राओं के इस दल को प्रभारी प्राचार्य सह इन्मू अध्ययन केंद्र 3601 के समन्वयक डा० विवेका नंद सिंह ने इन ए पी के तहत शैक्षणिक भ्रमण को महत्वपूर्ण बताते हुए प्रामाण किया। विद्यार्थियों ने कृषि महाविद्यालय विलकी व्हाइट मशरूम के उत्पादन की विधि, औषधियुक्त गिलोय की गुणात्मक शिक्षा, मुदा विज्ञान के उपकरणों को इस्तेमाल करने की

विधि वनस्पति रोगों की जानकारी तथा डेयरी और कीट विज्ञान संबंधित तकनीकी शिक्षा प्राप्त की। कृषि महाविद्यालय के डीन डा० अमृत कुमार झा ने इससे मिलने वाले फायदे के विषय में विस्तार से बताया कि इससे रोजगार और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम खुलेंगे। कृषि महाविद्यालय के अन्य विभागों के विशेषज्ञों डा० मुकेश कुमार सिंह, डा० परितोष कुमार, डा० रंजना देवी, डा० अंजुम, डा० निर्मला कुमारी ने कृषि संबंधित विषयों पर जानकारी दी। ये यात्रा भ्रमण कृषि विद्यालय के विभागाध्यक्ष डा० सच्ची स्नेहा एवम प्रयोग प्रदर्शक उमाशंकर दास के निर्देशन में संपन्न हुई।

चक्रधरपुर में ट्रांसमिटे डेवलपमेंट फाउंडेशन ने बांटी 50 सदस्यों में स्कूटी, बाइक एवं सहायता राशि सपोर्ट इंडिया डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत हुआ समारोह का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

चक्रधरपुर। शनिवार को चक्रधरपुर शहर के पोड़ाहाट स्टेडियम में ट्रांसमिटे डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा संचालित सपोर्ट इंडिया डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत पश्चिमी सिंहभूम जिला इकाई के तत्वावधान राशि वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन एनजीओ के डायरेक्टर विजय पंडित, नेशनल कॉऑर्डिनेटर नदीम



और नेशनल सपोर्ट टीम के सदस्य साबिर अहमद, शकील अली, रोहित राणा, अनिल राज, बालम चोहान, अनिल नुनिया, नितेश,

सीजेएम धर्मेन्द्र कुमार सिंह, जेएम वन सार्थक शर्मा एवं अधिवक्ता धर्मवीर मिश्रा उपस्थित हुए। बेंच नंबर 5 से एसोजेएम एस.पी. ठाकुर, एसडीजेएम जितेंद्र राम एवं अधिवक्ता प्रदीप कुमार सिंह उपस्थित हुए। बेंच नंबर 6 से जेम वन विजय कुमार यादव, अधिवक्ता कामोद नारायण झा एवं पंकज कुमार गुप्ता, अधिवक्ता उपस्थित हुए। बेंच नंबर 7 से जेएम वन परिधि शर्मा, कार्यपालक दंडाधिकारी न्युर कुमार एवं अधिवक्ता प्रवीर कुमार दुबे उपस्थित हुए। बेंच नंबर 8 से जिला उपभोक्ता, फोरम, अध्यक्ष सुरेश चंद्र जायसवाल, सदस्य लीलामणि मारण्डी एवं चंद्रन बर्नार्थी उपस्थित हुए। आयोजित राष्ट्रीय लोक

अदालत में मुख्य रूप से परिवारिक वाद, दुर्घटना वाद, लैंड एक्विजिशन, एम ए सी टी, सिविल अपील, क्रिमिनल अपील, बैंक रिकवरी, लीगल मेट्रोर्लाजी एक्ट, क्रिमिनल केस, माईनिंग केस, प्री लिटिगेशन मैटर, पुलिस एक्ट, माइनर एक्ट, एक्सक्यूटिव केस, सर्टिफिकेट केसेस, कंज्यूमर फोरम केसेस का निपटारा हुआ। लोक अदालत में कुल आठ बेंचों से 8764 वादों का समझौते के आधार पर निष्पादन करते हुए कुल 57,69,91,318 रुपए की राशि का समझौता किया गया। इसके अलावे 12,649 लाभुकों को विभिन्न योजनाओं में 6,57,01,46,095 रुपयों का लाभ दिया गया।

माक्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के किसान सभा द्वारा धरना प्रदर्शन



खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। ठाकुर गांगटी प्रखंड कार्यालय के समक्ष शनिवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के किसान सभा ठाकुर गांगटी प्रखंड इकाई द्वारा महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में धरना देकर प्रदर्शन किया गया।

विभिन्न वक्ताओं ने मुख्य रूप से माकपा लोकल कमिटी सदस्य अशोक साह, दशरथ मंडल, मेतीऊर रहमान, बारीक खान, भोला प्रसाद साह, रघुवीर मंडल आदि ने धरना सभा को संबोधित किया। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए अनाज समेत 14

आवश्यक वस्तुओं का दिया जाना सुनिश्चित करने, डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस पर लगाए गए तमाम टैक्स वापस लेने, मनरेगा के जरिए मनरेगा में आवंटन बढ़ाने, बेरोजगारी भत्ते के लिए एक केंद्रीय योजना का कानून बनाने, शहरी इलाकों के लिए एक रोजगार गारंटी योजना घोषित करने, राज्य और केंद्र सरकार के तमाम खाली पदों पर अविरोध बहाली करने सहित 15 सूत्री मांग पत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी को सौंपा।

धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायत के सैकड़ों कार्यकर्ता किसान मजदूर ग्रामीण शामिल थे।

बिहार के पैक्स से मिलेगा धान-चावल के साथ पेट्रोल भी

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। पैक्स पर धान-चावल और खाद की बिक्री-खरीद की जाती है, लेकिन अब आप पैक्स से पेट्रोल भी खरीद सकते हैं। पैक्सों का कारोबारी दायरा बढ़ाने के लिए शुरूआत की जा रही है। इसी कड़ी में राज्य के पैक्सों का कंप्यूटराइजेशन हो रहा है। साथ ही कॉमन सर्विस सेंटर, राशन दुकान, खाद दुकान सहित सभी तरह के कारोबार करने के लिए उचित व्यवस्था की जा रही है। अब इन चीजों से एक कदम आगे पैक्सों पर पेट्रोल की भी बिक्री होने वाली है। इसके लिए सहकारिता विभाग ने पंप खोलने के इच्छुक पैक्सों से 27 सितंबर तक आवेदन करने को कहा गया है। इसके लिए कुछ मानकों का पालन करना होगा। इसके लिए पैक्सों सहकारिता पदाधिकारियों को पत्र भेजा है। विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इच्छुक और मानक पूरा करने वाले पैक्सों को आवेदन करवाएं। पैक्स उन्हीं जगहों के लिए आवेदन कर सकते हैं, जहां पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से रिटेल आउटलेट की रिक्तियां निकाली गई हैं। रिटेल डीलरशिप के लिए पैक्सों को स्वतंत्रता



सेनानियों वाली श्रेणी यानी सीसी-2 में रखा गया है। इसी श्रेणी के हिसाब से पैक्सों को पेट्रोल पंप के नियमों में छूट दी जाएगी। पेट्रोल पंप खोलने के लिए पैक्सों के पास सड़क किनारे निर्धारित जमीन होनी चाहिए। पैक्स लीज पर भी जमीन ले सकता है। इसके अलावा पैक्स के पास बड़ी पूंजी का होना भी जरूरी है। नियमित रिटेल और ग्रामीण रिटेल खोलने के लिए अलग-अलग मानक हैं। नियमित रिटेल आउटलेट राष्ट्रीय और राज्य रिटेल पंप खोलने के लिए रुचि दिखा रहे हैं।

सभी पैक्स अध्यक्ष उसी जगह के लिए आवेदन कर सकते हैं, जहां पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा रिक्तियां जारी की गई हैं। रिक्तियों की जानकारी पेट्रोलियम कंपनियों के पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू पेट्रोल पंप डीलर चयन डॉट इन से ले सकते हैं। सभी कंपनियों की रिक्तियां अलग-अलग हैं। इसके बाद कई जिलों से पैक्स अध्यक्षों ने रुचि दिखाई है। बिहार में 8463 पैक्स हैं और इनमें सीतामढ़ी, गोपालगंज, गया, पटना आदि जिलों के पैक्स पेट्रोल पंप खोलने के लिए रुचि दिखा रहे हैं।

झारखंड राज्य अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज आज

गढ़वा। गढ़वा जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित झारखंड राज्य अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन 10 सितंबर को किया जाएगा। प्रतियोगिता की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रतियोगिता का उद्घाटन दोपहर 12 बजे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर करेंगे। शहर के चिनिया रोड स्थित होटल पञ्चावती के हॉल में आयोजन समिति के अध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी राज महेश्वरम व सचिव आलोक मिश्रा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में झारखंड के सभी जिलों के फुटबॉल खिलाड़ी भाग लेंगे। उद्घाटन मैच गढ़वा बनाम चतरा के बीच खेला जाएगा।

पेज 1 का शेष

आतंकवाद के सभी...
विदेश मंत्री एस जयशंकर घोषणापत्र मजबूत, टिकाऊ, समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह एसडीजी पर प्रगति में तेजी लाने का प्रयास करता है और तदनुसार एक कार्य योजना लेकर आया है। उन्होंने आगे कहा कि यह एक स्थायी भविष्य के लिए हरित विकास समझौते की परिकल्पना करता है। यह स्थायी विकास के लिए जीवनशैली पर उच्च-स्तरीय सिद्धांतों, हाइड्रोजन के वैश्विक सिद्धांतों, टिकाऊ लचीली नीली अर्थव्यवस्था के लिए चेन्नई सिद्धांतों और खाद्य सुरक्षा और पोषण पर डेक्कन सिद्धांतों का समर्थन करता है। भारत के राष्ट्रपति पद का संदेश 'एक पृथ्वी, एक परिवार और हम एक भविष्य साझा करते हैं। यह हमारे लिए विशेष संतुष्टि की बात है कि अफ्रीकी संघ एक स्थायी सदस्य है। इससे पहले पीएम मोदी ने जी20 विश्व सम्मेलन में घोषणा की थी कि नयी दिल्ली लीडर्स समिट डिक्लोरेशन पर सहमति बन गयी है। हमारी टीम की कड़ी मेहनत के कारण घोषणा पर आम सहमति बन सकी।

सबका साथ सबका विकास...

आज जी -20 के अध्यक्ष के रूप में भारत दुनिया से वैश्विक विश्वास की कमी को विश्वास और निर्भरता में बदलने का आह्वान करता है। यह हम सभी के लिए एक साथ आगे बढ़ने का समय है। उन्होंने कहा कि यह समय सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को लेकर चुनौतियों से निपटने का वन सकता है। चुनौतियां चाहे उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन की हो, पूर्व और पश्चिम के बीच की दूरी की हो, भोजन और ईंधन के प्रबंधन की हो, आतंकवाद, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा या जल सुरक्षा की हो, हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए इन सबका ठोस समाधान ढूँढना होगा। कार्यवाही शुरू करने से पहले पीएम मोदी ने कहा कि मैं मौरवक में भ्रूंकप के कारण जानमाल के नुकसान पर अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूँ। हेमेल प्रार्थना करते हैं कि सभी घायल जल्द से जल्द ठीक हो जायें। इस कठिन समय में मौरवको को हर संभव सहायता प्रदान करूँगा। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर संकट का सामना करेंगे। विश्व में पैदा हुआ नया संकट: पीएम मोदी ने कहा कि विश्व में विश्वास का नया संकट पैदा हो गया है। जी20 सम्मेलन के पहले दिन पीएम मोदी ने कहा कि पूरा विश्व नया समाधान मांग रहा है। यही वह समय है जब पुरानी समस्याएं हमसे नई चुनौतियां मांग रही हैं और इसीलिए हमें अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए आगे बढ़ना चाहिए। एक मानव-केंद्रित इष्टिकोण से यदि हम कोविड-19 को हरा सकते हैं, तो हम युद्ध के कारण उत्पन्न विश्वास की कमी पर भी विजय पा सकते हैं। हम मिलकर सबसे पहले इस विश्वास के इस वैश्विक संकट को एक विश्वास, एक भरोसे में बदलें। यह हम सभी के साथ मिलकर चलने का समय है। और इसलिए, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र हम सभी के लिए एक पथ प्रदर्शक बन सकता है। भारत मंडप में भारत की अध्यक्षता में 19 देश, यूरोपीय संघ, 9 विशेष मेहमान देश, तीन क्षेत्रीय और 11 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेता शिरकत कर रहे हैं। एक पृथ्वी की थीम पर आयोजित सत्र में अफ्रीकी संघ को औपचारिक रूप से पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल किया गया! उन्होंने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल हो, उत्तर दक्षिण का विभाजन हो, पूर्व एवं पश्चिम की दूरी हो, खादा, ईंधन एवं उर्वरक का प्रबंधन हो, आतंकवाद एवं साइबर सुरक्षा हो, स्वास्थ्य, ऊर्जा एवं जल सुरक्षा को! वर्तमान के साथ ही, आने वाली पीढ़ियों के लिए, हमें इन चुनौतियों के ठोस समाधान की तरफ बढ़ना ही होगा।

ड्रग्स के केस में आठ साल...

प्रार्थी बिना किसी जुर्म के 8 साल से जेल में है, एनसीबी खुद इस केस को फर्जी बता रही है, ऐसे में इस केस को निरस्त किया जाये। बता दें कि प्रार्थी ने अपने खिलाफ रांची में एनसीबी द्वारा दर्ज कराये केस को निरस्त करने, इस मामले में संबंधित रांची की अदालत द्वारा एक अप्रैल 2016 को लिये गए संज्ञान आदेश को निरस्त करने एवं बिना जुर्म के जेल में 8 साल बिताने को लेकर 50 लाख मुआवजा की दिलावे का आग्रह कोर्ट से किया था। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने पैरवी की। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया की एनसीबी के अधिकारियों ने फर्जी तरीके से मंगा सिंह सहित दो के खिलाफ वर्ष 2015 में रांची में प्राथमिकी दर्ज की थी। एनसीबी के अधिकारियों ने प्रार्थी को 6 अक्टूबर 2015 को बिहार के गया जिला स्थित बाराचट्टी के पटियाला ढाबे से पकड़ा था, जहां वह वेटेर और साफ-सफाई का काम करता था। बाद में एनसीबी के अधिकारियों ने उसे रांची लाकर और उसके सहित दो के खिलाफ ड्रग के केस में प्राथमिकी दर्ज कर दी थी। गया जिला के पुलिस ने वहां दर्ज इससे संबंधित एक केस में जांच की थी, जिसमें गया पुलिस ने भी रांची में एनसीबी के इस केस को फर्जी बताया था। एनसीबी ने इस मामले में एनसीबी के 8 अधिकारियों के खिलाफ फर्जी मुकदमा दायर करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज करायी है और उनके खिलाफ उनके कार्रवाई शुरू की है। उन एनसीबी के अधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल हो चुका है।

दिग्गजों की थाली में दिखा...

अतिथियों के लिए सुप काउंटर, डिजिट काउंटर, स्वीटस काउंटर अलग-अलग बनाये गये थे। अलग-अलग रज्यों के फेसस डिशज उनके सामने थे। मेहमानों को अलग-अलग प्रकार के सलाद ग्रीन सलाद, पास्ता, ग्रिल्ड सलाद, यूपी के लबाबदार पनीर और आंध्र की विशेष डिश सब्ज कोरमा भी परसेा गया। जलेबी के अलावा पिस्ता रसमलाई, अदरक का हलवा, गुलाब जामुन, गाजर हलवा, मोतीचूर के लड्डू, अंजीर का हलवा, ज्योपुरी मावा कचौरी, मिश्री मावा, मालपुआ, झईफ्रूट्स थे। विदेशी डिशज में थाई और डेनमार्क के डिशों को शामिल था। दुनिया के ताकतवर मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों के लिए राष्ट्रपति की तरफ से आयोजित इस रात्रि भोजन में चांदी के बर्तन में खाना परसेा गया। इन चांदी के बर्तनों को राजस्थान के जयपुर स्थित आईआरआईएस मेटल वेयर द्वारा तैयार किया गया है। इन बर्तनों की प्रदर्शनी इंडिया हैबिटेट सेंटर में मंगलवार को हुई थी। कंपनी के मालिक ने बताया कि चांदी के ये बर्तन दिल्ली के होटलों में भी भेजे गए हैं, जहां पर विदेशी मेहमान ठहरे हुए हैं। परोसने वाले सभी एक खास ड्रेस में थे। मेहमानों को दर्जिलिंग चाय, कॉफी और पानी के स्वाद वाली कॉकलेट भी उपलब्ध कराये गये। दिल्ली सरकार का खाद्य सुरक्षा विभाग जी20 के मेहमानों के होटलों में खानपान की वस्तुओं की गुणवत्ता पर नजर बनाये हुए था। गुणवत्ता की जांच के लिए 18 खाद्य सुरक्षा अधीक्षकों की ड्यूटी थी। जांच के बाद ही वस्तुओं के खान-पान में इस्तेमाल का प्रविधान किया गया है।

22 जनवरी को गर्भगृह में...

भूतल में प्रयुक्त हुए हैं 166 स्तंभ: भूतल में 166 स्तंभ प्रयुक्त हुए हैं और अनुकी जगह पर स्थापित होने के बाद से इन स्तंभों पर मूर्तियां उक्कीर्ण किए जाने का काम चल रहा है। अभी यह काम शुरूआती दौर में है, लेकिन 200 से अधिक विशेषज्ञ शिल्पियों के प्रयास से नवंबर तक भूतल के सभी स्तंभों को मूर्तियों से युक्त किये जाने की योजना है।



जी 20 के 15 नेताओं की पत्नियों ने मोटे

अनाज के बारे में जाना नयी दिल्ली। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की पत्नी योको किशिदा समेत जी20 के करीब 15 नेताओं की पत्नियों ने शनिवार को 1,200 एकड़ में फैले पूसा-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) परिसर का दौरा किया जहाँ उन्होंने मोटे अनाज का दौरा किया जो अनाज के प्रमुख पदार्थों में एक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत कनेक्टिविटी को क्षेत्रीय सीमाओं तक नहीं बांधता और उसका मानना है कि यह आपसी विश्वास को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए साझेदारी तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर की घोषणा से संबंधित कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि आज हम सभी एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक साझेदारी पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप के आर्थिक एकीकरण का प्रभावी माध्यम बनेगा। यह कॉरिडोर पूरी दुनिया की कनेक्टिविटी और सतत विकास को एक नई दिशा देगा। मोदी ने कहा कि यह पूरी दुनिया के लिए सतत विकास को बढ़ावा देगा। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि मजबूत कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा मानवता के लिए बुनियादी आधार है तथा भारत ने हमेशा इस पर जोर दिया है।

नवीन जिंदल को विदेश यात्रा की मिली अनुमति नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कोयला खदान आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़े तीन मामलों में आरोपी कांग्रेस नेता एवं उद्योगपति नवीन जिंदल को 11 से 13 सितंबर के बीच ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा पर जाने की अनुमति दे दी है। विशेष न्यायाधीश अरुण भारद्वाज ने जिंदल के आवेदन को यह कहते हुए स्वीकार कर दिया कि वह पहले भी कई बार विदेश यात्रा कर चुके हैं और निर्धारित अवधि के भीतर मुकदमे की सुनवाई के लिए देश लौट आये हैं।

राजस्थान के पूर्व मंत्री शिवसेना में शामिल

जयपुर। राजस्थान के बर्खास्त मंत्री और उदयपुरवादी से विधायक राजेंद्र सिंह गुडा शनिवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। गुडा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उनका पार्टी में स्वागत किया। शिंदे ने कहा कि मैं राजेंद्र सिंह गुडा का शिवसेना परिवार में स्वागत करता हूँ। राजस्थान की वीरता व शौर्य तथा महाराष्ट्र की वीरता व शौर्य का अब मिलन हुआ है और दोनों साथ आगे बढ़ेंगे।

द. अफ्रीका के कद्दावर नेता बुथेलेजी का निधन केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के कद्दावर राजनीतिज्ञ मैंगोसुथु बुथेलेजी का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बुथेलेजी ने नरसवामी रंगभेद शासन के दौरान अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस से मोहभंग होने के बाद जुलु इंकथा पार्टी की स्थापना की थी। 1990 के दशक की शुरुआत में दोनों पार्टियों के समर्थकों के बीच झड़पों में हजारों लोग मारे गए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति नल्सन मंडेला के शासनकाल में बुथेलेजी ने गृह मंत्री के रूप में सेवा दी थी।

भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप के बीच बनेगा इकोनॉमिक कॉरिडोर

जी20 सम्मेलन : कनेक्टिविटी, सतत विकास को नयी दिशा मिलेगी : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। महत्वाकांक्षी भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर की योजना की शनिवार को घोषणा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत कनेक्टिविटी को क्षेत्रीय सीमाओं तक नहीं बांधता और उसका मानना है कि यह आपसी विश्वास को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए साझेदारी तथा भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर की घोषणा से संबंधित कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि आज हम सभी एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक साझेदारी पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यह भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप के आर्थिक एकीकरण का प्रभावी माध्यम बनेगा। यह कॉरिडोर पूरी दुनिया की कनेक्टिविटी और सतत विकास को एक नई दिशा देगा। मोदी ने कहा कि यह पूरी दुनिया के लिए सतत विकास को बढ़ावा देगा। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि मजबूत कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा मानवता के लिए बुनियादी आधार है तथा भारत ने हमेशा इस पर जोर दिया है।

► नये आर्थिक गलियारे के लिए एक ऐतिहासिक समझौते को अंतिम रूप देने में सफल हुए : बाइडन

भारत, अरब और यूरोप के बीच होगा सीधा कनेक्शन

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने गलियारे पर समझौते की सराहना करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि रेल लिंक के साथ यह भारत, अरब की खाड़ी और यूरोप के बीच अब तक का सबसे सीधा कनेक्शन होगा, जिससे भारत और यूरोप के बीच व्यापार की गति में 40 प्रतिशत का इजाफा होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम एक विकसित भारत के लिए एक मजबूत नींव रख रहे हैं। पीजीआईआई (वैश्विक बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए साझेदारी) के माध्यम से, हम ग्लोबल साउथ देशों में बुनियादी ढांचे के अंतर को भरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत कनेक्टिविटी को क्षेत्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं करता है। हमारा विश्वास है कि कनेक्टिविटी आपसी विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल एशिया, अफ्रीका और



जी 20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अन्य।

लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के लिए किया जाता है। मोदी ने सभी देशों की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान करने पर जोर दिया। उन्होंने कर्ज के बोझ के बजाय वित्तीय व्यवहारता को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी पर्यावरणीय दिशा निर्देशों का पालन करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी पर इतने बड़े कदम के साथ, हम भविष्य के विकास के लिए बीज बो रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन ने कहा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि वे नए भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे के लिए एक ऐतिहासिक

समझौते को अंतिम रूप देने में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस गलियारे के प्रमुख हिस्से के रूप में, हम जहाजों और रेलगाड़ियों में निवेश कर रहे हैं, जो भारत से संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन और इजराइल के माध्यम से यूरोप तक विस्तारित है। इससे व्यापार करना बहुत आसान हो जाएगा। मैं प्रायोजकों और विशेष रूप से मोदी और (सऊदी युवराज) मोहम्मद बिन सलमान को धन्यवाद देना चाहता हूँ। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रॉन ने कहा कि यह पहले वैश्विक हरित व्यापार मार्ग से संबंधित है क्योंकि हाइड्रोजन इस परियोजना का

हिस्सा है। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ट्स ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम इसे सफलतापूर्वक लागू करें और जर्मनी योगदान देगा। इटली की प्रधानमंत्री जिऑर्जिया मेलेनी ने कहा कि नया गलियारा वैश्विक एकीकरण को मजबूत करने में एक मौलिक कदम है। उन्होंने मोदी, बाइडन और अन्य नेताओं को धन्यवाद दिया जिन्होंने इसे संभव बनाया। मेलेनी ने कहा कि इससे हमारी आर्थिक प्रगति बढ़ेगी। इटली इस पहल में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है और हम भूमध्यसागरीय एवं हिंद प्रशांत के बीच सेतु निर्माण में योगदान देगा।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए किया आह्वान

नयी दिल्ली। जी20 शिखर सम्मेलन के लिए यहां एकत्र हुए दुनिया के शीर्ष नेताओं ने जलवायु मोर्चे सहित विश्व के समक्ष मौजूद विभिन्न चुनौतियों से निपटने की तत्काल आवश्यकता होने का आह्वान किया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि जी20 नेता वित्तीय संकट के बाद वैश्विक विकास को बहाल करने के लिए 15 साल पहले पहली बार एक साथ आए थे। उन्होंने कहा कि हम (अब) अत्यधिक चुनौतियों वाले समय में मिल रहे हैं। दुनिया नेतृत्व प्रदान करने के लिए एक बार फिर जी20 की ओर देख रही है। मेरा मानना है कि हम मिलकर इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वे ने कहा कि उनके

► नेतृत्व प्रदान करने के लिए एक बार फिर जी20 की ओर देख रही है दुनिया : सुनक

देश की जी20 अध्यक्षता के दौरान जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक मुहिम के लिए एक कार्य बल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम शमन, अनुकूलन, हानि और क्षति तथा वित्तपोषण के बीच संतुलित जलवायु एजेंडे के साथ, ग्रह की स्थिरता और लोगों की गरिमा सुनिश्चित करते हुए 2025 में सीओपी 30 तक पहुंचना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ब्राजील को इसमें हर किसी की भागीदारी की उम्मीद है ताकि पृथ्वी को सुंदरता केवल अंतरिक्ष से ली गई तस्वीर न रह जाए। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा कि हमें

ब्राजील के राष्ट्रपति बोले-वैश्विक मुहिम के लिए बनेगा एक कार्य बल

खुशी है कि जी20 ने अफ्रीकी संघ को समूह के सदस्य के रूप में स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर वैश्विक पुनर्निर्माण, निम्न-कार्बन का लक्ष्य हासिल करना, जलवायु परिवर्तन से निपटने और टिकाऊ समाज बनाने की ओर बढ़ने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्थाएं, इस संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार होने के बावजूद जलवायु परिवर्तन का खामियाजा भुगत रही हैं। उन्होंने कहा कि अफ्रीकी और अन्य विकासशील अर्थव्यवस्था वाले देशों के रूप में, हमें गरीबी, असमानता और बेरोजगारी जैसी

महत्वपूर्ण चुनौतियों के बीच अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का बोझ उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका सतत विकास के लिए उन्नत और विस्तारित वैश्विक साझेदारी का आह्वान करता है। उन्होंने कहा कि इसे विकास के लिए वित्तपोषण पर अदीस अबाबा कार्यवाही एजेंडा में उल्लिखित टोस नीतियों और कार्यों द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोदो ने कहा कि जी20 देशों के नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ शामिल होने से पहले हृदयहर्षक एक सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। तस्वीर की पृष्ठभूमि में वह पहिया है जो

कोणार्क सूर्य मंदिर का प्रतीक है, जो यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है। यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि जलवायु परिवर्तन मानव निर्मित है। उन्होंने कहा, हृदयहर्षक इसका मतलब है कि हम इसका समाधान कर सकते हैं। इसके लिए हमें नवाचार, हरित प्रौद्योगिकियों में निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और ऊर्जा दक्षता की आवश्यकता है। इसके लिए अधिक निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जी20 में, मैंने नेताओं को वैश्विक कार्बन मूल्य निर्धारण के आह्वान में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

मोरक्को में भूकंप से एक हजार की मौत

रबात। मोरक्को में शुक्रवार रात आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर एक हजार के करीब हो गई है और कम से कम 672 लोग घायल हुए हैं। देश के गृह मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार स्थानीय समयानुसार 23.11 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.8 मापी गयी। भूकंप का केंद्र मराकेश से लगभग 70 किमी दक्षिण पश्चिम में अल हौज प्रांत के



इधिल शहर के पास जमीन की सतह से 18.5 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप से तैरदंत और मराकेश शहरों में कई घर ढह गए। भूकंप के झटके रबात और कैसाब्लांका सहित मोरक्को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के प्रति जताया शोक

के कई शहरों में महसूस किये गए। इस बीच दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के प्रति जताया शोक। उन्होंने कहा कि कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय मोरक्को की सहायता के लिए सामने आएगा। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने मोरक्को के लोगों को समर्थन देने का वादा किया है।

अक्षय कुमार ने जन्म दिन पर 'वेलकम 3' का किया एलान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने जन्म दिन पर वेलकम 3 फिल्म की घोषणा की, जिसका निर्देशन अहमद खान करेंगे। अभिनेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि खुद को और आप सभी को शनिवार को जन्म दिन का उपहार दिया है। अगर आप इसे पसंद करते हैं और धन्यवाद देते हैं, तो मैं कहीं वेलकम(3)



वेलकमटूदजंगल। अभिनेता ने पोस्ट के साथ एक क्लिप भी साझा किया है, जिसमें कलाकारों की टोली नजर आ रही है।

पुर्नजन्म की यात्रा कराएगा आरआर स्पोर्टिंग क्लब

खबर मन्त्र का अभियान : पूजा का बने भव्य पंडाल और समस्याओं का हो समाधान



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इस बार आरआर स्पोर्टिंग क्लब ईसान के पुर्नजन्म की यात्रा के प्रसंग पर आधारित काल्पनिक पंडाल का निर्माण कर रहा है। इस पंडाल की ऊंचाई 55 फीट व लंबाई 42 फीट होगी। बाहुबली थीम पर आधारित स्थानीय कलाकार लक्ष्मीसगढ़ के कलाकार नृत्य करेंगे। इसके अलावा स्थानीय कलाकार लक्ष्मीसगढ़ के कलाकार नृत्य करेंगे। पंडाल की स्थापना की

जाएगी उनका सिंहासन 8 फीट ऊंचा होगा। अन्य देवी देवताओं की प्रतिमा 10 फीट ऊंची होगी सारे प्रतिमाओं और मां का सिंगार राजस्थानी रंग रूप में होगा। उद्घाटन के दिन ड्रोन से फूलों की बारिश की जाएगी। इस मौके पर लक्ष्मीसगढ़ के कलाकार नृत्य करेंगे। इसके अलावा स्थानीय कलाकार लक्ष्मीसगढ़ के कलाकार नृत्य करेंगे। पंडाल निर्माण का कार्य बंगाल के

हलदिया में किया जा रहा है। पूजा समिति के अध्यक्ष राहुल यादव ने बताया कि पूजा में पहली बार नवमी और दसवीं के दिन माता रानी को छपन भोग लगाया जाएगा कलश स्थापना से लेकर सभी पूजा अर्चना प्रथमि दुर्गा मंदिर की जाएगी। अफ्रीकी नवमी के दिन भोग का वितरण किया जाएगा साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी

किया जाएगा। इस बार का बजट पंडाल व अन्य खर्चों में करीब 55 लाख रखा गया है। मुख्य संरक्षक विक्की यादव ने कहा कि आरआर स्पोर्टिंग क्लब युवा सोच के साथ ईसान के पुर्नजन्म की यात्रा का थीम लेकर आप लोगों के बीच भोग इसका मकसद केवल पूजा करना नहीं बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश देना भी है।

ट्रैफिक व्यवस्था सुचारु रूप से चले: विक्की

आरआर स्पोर्टिंग क्लब के संरक्षक विक्की यादव ने कहा है कि ऐसे तो आम दिनों में भी रातू रोड जाम रहता है। लेकिन ट्रैफिक एसपी से हमारा निवेदन होगा की पूजा के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रखें ताकि भक्तगण को कोई परेशानी ना हो। आरआर स्पोर्टिंग क्लब के पदाधिकारी : मुख्य संरक्षक विक्की यादव, अध्यक्ष-राहुल यादव, कोषाध्यक्ष-रोहित यादव, सचिव-अजीत कुमार, वरीय उपाध्यक्ष-सत्येंद्र गुप्ता, बबलू सिंह, उपाध्यक्ष-उत्तम यादव, प्रचार मंत्री-सुभाष राय, विकास सिंह, महामंत्री-दीपक वर्मा, सुरज वर्मा, सचिन चौधरी, बिभू चौधरी, अभिषेक कुमार, रवि यादव आदि है।



वर्मा प्रेस प्रा0 लि0 राँची

Verma's Today

शुंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं-

Class - X	Class - IX
Hindi ₹ 140	Hindi ₹ 140
English ₹ 140	English ₹ 140
Mathematics ₹ 140	Mathematics ₹ 140
Science ₹ 140	Science ₹ 140
Social Science ₹ 140	Social Science ₹ 140
Sanskrit ₹ 120	Sanskrit ₹ 120
Hindi - B ₹ 140	Hindi - B ₹ 80
Hindi Vyakaran-II ₹ 120	Hindi Vyakaran-II ₹ 120
English Grammar-II ₹ 120	English Grammar-II ₹ 120
Sanskrit Vyakaran-II ₹ 100	Sanskrit Vyakaran-II ₹ 100
Hindi Practical ₹ 55	Hindi Practical ₹ 55
English Practical ₹ 55	English Practical ₹ 55
Maths Practical ₹ 65	Maths Practical ₹ 55
Science Practical ₹ 65	Science Practical ₹ 70
S. Science Practical ₹ 65	S. Science Practical ₹ 65
Sanskrit Practical ₹ 55	Sanskrit Practical ₹ 55
Maths. Practical (Combined) ₹ 90	Maths. Practical (Combined) ₹ 75
Science Practical (Combined) ₹ 90	Science Practical (Combined) ₹ 75
English Medium	English Medium
Mathematics ₹ 200	Mathematics ₹ 130
Science ₹ 200	Science ₹ 200
Social Science ₹ 200	Social Science ₹ 130
Maths. Practical ₹ 80	Maths. Practical ₹ 80
Science Practical ₹ 80	Science Practical ₹ 80
S. Science Practical ₹ 80	S. Science Practical ₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !